ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 27°C
न्यूनतम : 14°C

देहरादून, गुरुवार 26 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 227 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2083 6 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

केवाईसी सख्ती से उप्र में 20 लाख एलपीजी कनेक्शन निष्क्रिय पेज 2

मार्क्स स्टोइनिस और कूपर कोनोली पंजाब किंग्स टीम में शामिल हुए खेल टाइम्स

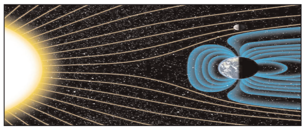

चंद्रमा के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र का रहस्य सम्पादकीय

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल! पेज 12

ईरान की मिसाइलों से घबराकर भागा 'USS अब्राहम लिंकन'

ईरान ने मिसाइलों से किया अटैक, अमेरिकी युद्धपोत ने इलाका छोड़ा
ईरानी अधिकारी बोले- रेंज में आया, तो फिर हमला करेंगे
ईरानी सेना ने जंग के 26वें दिन की कार्रवाई

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने अमेरिका के सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिसाइलों से निशाना बनाया है। ईरान का कहना है कि उसके तटीय क्रूज मिसाइलों ने समुद्र में तैनात इस युद्धपोत को टारगेट किया।

इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और ज्यादा गंभीर बना दिया है। हालांकि इस हमले को लेकर अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ईरान की सेना के मुताबिक युद्ध के 26वें दिन यह कार्रवाई की गई। ईरानी नौसेना ने कहा कि अब्राहम लिंकन लगातार उसकी निगरानी में था और जैसे ही वह मिसाइल की रेंज में आया, उसे निशाना बनाया गया। ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका के हर कदम पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई जारी रखेगा। इस बीच पाकिस्तान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को ईरान तक पहुंचाया है, लेकिन तेहरान ने बातचीत के संकेतों को खारिज कर दिया है। ईरान का दावा है कि उसने सफलतापूर्वक हमला किया, लेकिन अमेरिका की तरफ से इस पर कोई पुष्टि नहीं आई है। ऐसे में इस दावे की सच्चाई को लेकर सवाल बने हुए हैं। हालांकि यह साफ है कि दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है और सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। ईरानी नौसेना प्रमुख शहराम ईरानी ने कहा कि अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे ही यह बेड़ा मिसाइल रेंज में आएगा, उस पर और भी शक्तिशाली हमले किए जाएंगे।

भारत में ईंधन का कोई संकट नहीं: केंद्र सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों के बीच केन्द्र और राज्य संचालित तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है।

पिछले 48 घंटों के दौरान पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बाधित होने की अफवाहें तेजी से फैलीं, जिससे देश के कुछ हिस्सों में लोगों में चिंताएं बढ़ी और कुछ पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखी गई। हालांकि अधिकारियों ने इन आशंकाओं को पूरी तरह निराधार बताया और कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत बनी हुई है। एक विस्तृत परामर्श में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी आपूर्ति श्रृंखलाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें पूरी तरह गलत हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं। भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है। बीपीसीएल पूरी तरह संचालन में है और निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलेंडर

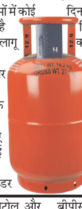

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समयसीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बुकिंग नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय के अनुसार, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। सरकार ने इन दावों को भ्रामक और गलत बताया है। एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन, जो सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, अनावश्यक या घबराहट में एलपीजी बुकिंग करने से बचने की सलाह दी गई है।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं: SC

कोर्ट ने कहा: जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे, याचिका खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच में था।

बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा कि ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे। अदालत मुहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि हमें वह नोटिस दिखाइए जिसमें आपको राष्ट्रगान बजाने के लिए मजबूर किया गया है। आप एक स्कूल चलाते हैं, हमें यह भी नहीं पता कि वह मान्यता प्राप्त है या नहीं। इस पर उनके वकील ने कहा कि जो व्यक्ति वंदेमातरम गाने या राष्ट्रगीत के समय खड़े होने से इन्कार करता है, उस पर हमेशा बहुत बड़ा बोझ होता है। सलाह देने के बहाने लोगों को साथ गाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि यह सिर्फ एक दृष्टिकोण है और लोग इससे असहमत हो सकते हैं। अगर आपके खिलाफ कोई एक्शन होता है, नोटिस आता है, तो आप फिर से कोर्ट आ सकते हैं। फिलहाल यह याचिका भेदभाव के एक अस्पष्ट अंदेशे के अलावा और कुछ नहीं है। गृह मंत्रालय ने 28 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई।

रेप पीड़ित बच्ची को थाने बुलाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

गुरुग्राम पुलिस से कहा: यह शॉकिंग, पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती, क्या वे राजा हैं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप के मामले में असंवेदनशील रवैये के लिए हरियाणा पुलिस और बाल कल्याण समिति को जमकर फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा पीड़ित से मिलने के बजाय उसे थाने बुलाना शर्मनाक है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस अफसरों को देखिए, उनकी पोजिशन देखिए। पुलिस स्टेशन में डीसीपी, एएसपी रहते हैं। इस अपराध में आपकी यही समझ है, तो फिर कानून किसे कहेंगे? यह शॉकिंग है। पुलिस पीड़ित के घर क्यों नहीं जा सकती? क्या वे राजा हैं? सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए हरियाणा कैडर की महिला आईपीएस अधिकारियों सहित तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

आर्थिक बोझ का हवाला देकर मुआवजा नहीं छीन सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2019 से पहले हुए भूमि अधिग्रहण मामलों में सोलाटियम और ब्याज देने से जुड़े अपने फैसले पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। इससे किसानों और जमीन मालिकों को राहत मिली है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलों में सही मुआवजा मिलना संवैधानिक अधिकार है। इसे कमजोर नहीं किया जा सकता। इसे सरकार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ से नहीं जोड़ा जा सकता। पूरा मामला उन भूमि अधिग्रहण मामलों से जुड़ा है जो 2019 से पहले हुए थे, जिसमें प्रभावित लोगों को सोलाटियम और ब्याज देने का सवाल था।

एनएचएआई ने पहले के फैसले को चुनौती देते हुए पुनर्विचार याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए अपने पुराने फैसले को बरकरार रखा।

उप्र में रामनवमी पर 26-27 मार्च को अवकाश घोषित

लखनऊ। रामनवमी पर योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पहले से घोषित 26 मार्च के सार्वजनिक अवकाश के साथ अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। मंदिरों में रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। हर साल इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं।

अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में बेंगलुरु में एफआईआर

बेंगलुरु। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है।

केंद्र से उड़ान 2.0 योजना को मंजूरी, 100 एयरपोर्ट बनेंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

- **कैबिनेट बैठक में लिए कई अहम फैसले**
- **इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी IVFRT योजना पांच साल के लिए बढ़ी**

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें 2030-35 के नए पर्यावरण लक्ष्य तय करना, मोडिफाइड उड़ान योजना को मंजूरी और इमिग्रेशन सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए आईवीएफआरटी 3.0 योजना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि कैबिनेट ने मोडिफाइड रीजनल एयर कनेक्टिविटी योजना उड़ान 2.0 को मंजूरी दी है। इसके तहत 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। इस पर 28,840 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कैबिनेट ने इमिग्रेशन, वीजा और विदेशी नागरिक ट्रैकिंग से जुड़ी आईवीएफआरटी 3.0 योजना को 31 मार्च 2031 तक 5 साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है। इसके लिए 1,800 करोड़ का बजट रखा गया है, जिसका इस्तेमाल इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर एआई टूल्स, आइरिस स्कैनिंग (आंखों की स्कैनिंग) और बायोमेट्रिक आथेंटिकेशन के लिए इस्तेमाल होगा। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत ने जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता (एमिशन इंटेंसिटी) में 36 फीसदी की कमी हासिल कर ली है। 2030 का एक लक्ष्य 2025 में ही हासिल कर लिया गया और 2026 में उसे पार भी कर लिया गया।

कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली। सरकार ने कांग्रेस पार्टी को उसके 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय और पांच रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय को खाली करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार संपदा निदेशालय ने नोटिस भेजकर कांग्रेस से ये दोनों कार्यालय 28 मार्च तक खाली करने को कहा है। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष अपना मुख्यालय इंद्रा भवन में स्थानांतरित कर लिया था, लेकिन वह 24 अकबर रोड पर अपना कार्यालय बनाए हुए है। नोटिस के संबंध में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह नोटिस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। पार्टी इस मसले पर वैधानिक और राजनीतिक रूप से चर्चा कर आगे क़दम उठाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इस मसले पर अदालत का रुख अख्तियार करने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि करीब 48 वर्षों से 24 अकबर रोड के बंगले में कांग्रेस का मुख्यालय है।

कार्यालय नगर निगम ऋषिकेश, देहरादून

पत्रांकः– 5559 /भवनकर/2025–2026 दिनांक 25/3/2026

नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 (क) व (ख) के अन्तर्गत भवनकर अभिलेखों में नामान्तरण हेतु आवश्यक सूचना।

क्रम सं0	रसीद संख्या	बुक संख्या	सम्पत्ति संख्या	क्षेत्र का नाम	कर निर्धारण पंजिका में दर्ज नाम	आवेदक का नाम	आवेदन दिनॉक	नामान्तरण हेतु आधार	अभियुक्ति
1	30	2784	74	हीरालाल मार्ग	श्री पंकज गुप्ता पुत्र स्व0 श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता	श्रीमती भावना गुप्ता पत्नी श्री पंकज गुप्ता	16/02/2026	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (100.37 वर्ग मी0)
2	29	2784	818	गंगा नगर	श्री सत्यानन्द पाठक पुत्र श्री जयानन्द पाठक	श्रीमती सरिता देवी पत्नी स्व0 श्री सत्यानन्द पाठक	18/08/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
3	26	2784	88/84	मीनराम मार्ग	श्रीमती किरण बाला गुरेजा पत्नी श्री बुटाराम गुरेजा	श्रीमती चायना गुप्ता पत्नी श्री धर्मेन्द्र गुप्ता	23/09/2024	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (58.47 वर्ग मी0)
4	32	2784	357/50	आदर्श ग्राम	श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह	श्री विनोद कुमार पुत्र श्री सुन्दर सिंह	22/01/2026	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (81.13 वर्ग मी0)
5	37	2784	125/111/1(बी0–5)+125/111/1 का भाग	तिलक मार्ग	श्रीमती निर्मल जैन पत्नी श्री सुरेश जैन एवं श्रीमती मोनिका जैन पत्नी श्री श्रीयांश जैन	कु0 भूमि डंग पुत्री श्री विरेन्द्र डंग एवं श्री जिष्णु डंग पुत्र श्री विरेन्द्र डंग	05/05/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (18.58 वर्ग मी0)
6	38	2784	448/2	गंगा नगर	श्री सच्चिदानन्द भट्ट पुत्र श्री मोहन प्रसाद भट्ट	श्रीमती सुमन गोयल पत्नी श्री राधेश्याम गोयल	25/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (67.25 वर्ग मी0)
7	40	2784	128/112	सोमेश्वर नगर	श्री गौरी शंकर पुत्र श्री हरिदत्त शर्मा	श्री शैलेश शर्मा पुत्र स्व0 श्री गौरी शंकर शर्मा	09/05/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
8	41	2784	203/113	तिलक मार्ग	श्री नवदीप मेहता पुत्र श्री जगदीश मेहता	श्री आदित्य सिंह पुत्र स्व0 श्री पीयूष कुमार	09/03/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (215.87 वर्ग मी0)
9	43	2784	नवीन	गंगा नगर	——	श्रीमती भावना अरोड़ा पत्नी स्व0 श्री मनमोहन अरोड़ा	18/08/2025	रजि0 विक्रय–पत्र, मुख्तारेआम एवं शपथ–पत्र	एक भाग (111.24 वर्ग मी0)
10	75	2776	850/295/1	चन्द्रेश्वर नगर	श्री राधेश्याम अग्रवाल व श्री जगदीश लाल पुत्रगण श्री रामचन्द्र	श्रीमती पूनम पत्नी श्री अमर नाथ गुप्ता	22/03/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (13.75 वर्ग मी0)
11	83	2776	165/156	मीनराम मार्ग	श्री राजकुमार पुत्र श्री चानन शाह	श्री सूरज साव पुत्र श्री बृन्दाबन साव एवं श्री बृन्दाबन साव पुत्र स्व0 श्री राम नरेश साव	27/03/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (72.77 वर्ग मी0)
12	27	2776	351/44	आदर्श ग्राम	श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री गोकुल सिंह एवं श्री सुर्जन सिंह पुत्रगण श्री हरि सिंह व श्रीमती सतेश्वरी देवी पत्नी स्व0 श्री रघुवीर सिंह	श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री हरि सिंह पंवार	10/02/2026	अपंजीकृत पारवारिक बंटवारानामा, एवं शपथ–पत्र	एक भाग (96 वर्ग गज)
13	53	2767	48/41	आदर्श नगर	श्री अमर लाल पुत्र श्री बुधमल	श्री दीपक कुमार राजपाल पुत्र स्व0 श्री अमरलाल	12/11/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
14	85	2767	10/12	वीरभद्र मार्ग	श्री जगतराम पुत्र श्री मधु प्रसाद	श्रीमती ब्रहमता देवी पत्नी स्व0 श्री जगराम सिंह	31/07/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
15	44	2776	83/3	आवास विकास	श्रीमती सीमा रानी व श्री अशोक कुमार	श्री दीपक कुमार गुप्ता पुत्र श्री फूलचंद गुप्ता व श्रीमती अनु प्रिया पत्नी श्री दीपक कुमार गुप्ता	18/08/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, रजि0 विक्रय, मुख्तारनामा एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (75.25 वर्ग मी0)
16	68	2776	189डी/167	हरिद्वार मार्ग	श्री विनोद गनेरीवाला, श्री आत्माराम गनेरीवाला, श्री पवन कुमार गनेरीवाला पुत्रगण स्व0 श्री विश्वनाथ गनेरीवाला	श्री पुनीत गुप्ता पुत्र श्री रामफल गुप्ता	23/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (258.29 वर्ग मी0)
17	67	2776	189डी/167	हरिद्वार मार्ग	श्री विनोद गनेरीवाला, श्री आत्माराम गनेरीवाला, श्री पवन कुमार गनेरीवाला पुत्रगण स्व0 श्री विश्वनाथ गनेरीवाला	श्री धीरज मखीजा पुत्र श्री रवि राज मखीजा	23/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (258.29 वर्ग मी0)
18	48	2784	12/16	मीनराम मार्ग	श्रीमती रमा गोयल पत्नी श्री राधेश्याम गोयल	श्री नरेश अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री सूरजभान	14/10/2024	सिविल जज, सीनियर डिवीजन, ऋषिकेश के निर्णय, अनापत्ति शपथ पत्र एवं शपथ पत्र	सम्पूर्ण भाग
19	36	2784	351/44	आदर्श ग्राम	श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री गोकुल सिंह पुत्रगण श्री हरि सिंह पंवार, श्रीमती अंजू देवी पत्नी स्व0 श्री सुर्जन व श्रीमती सतेश्वरी देवी पत्नी स्व0 श्री रघुवीर सिंह	श्री सोहन सिंह पंवार, श्री आशीष सिंह पुत्रगण श्री गोकूल सिंह पंवार व श्रीमती गोदाम्बरी देवी पत्नी श्री गोकूल सिंह	13/01/2026	रजि0 उपहारनामा विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (85.12 वर्ग मी0)
20	33	2781	144/131	बनखण्डी ग्राम	श्री रामचन्द्र पुत्र श्री श्याम लाल	श्री गौरव कुमार जग्गा पुत्र श्री वेद प्रकाश जग्गा	22/11/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, पारिवारिक बंटवारानामा, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	एक भाग (115 वर्ग गज)
21	100	2776	721बी/सी/348/2/1	गंगा नगर	नेहा महेश्वरी पुत्री श्री राम अवतार महेश्वरी	श्री प्रियंक डोभाल पुत्र श्री विरेन्द्र डोभाल	16/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (130 वर्ग मी0
22	72	2767	183/162	मीनराम मार्ग	श्री जगदीश चन्द्र छोकरा	श्रीमती भावना गुप्ता पत्नी श्री श्याम गुप्ता	24/06/2024	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (85.90 वर्ग मी0
23	85	2784	63/54	तिलक मार्ग	श्री हरिशंकर मदान पुत्र श्री ओम प्रकश मदान	श्रीमती रक्षा मल्होत्रा उर्फ पूजा मल्होत्रा पुत्री स्व0 श्री ओमप्रकाश मदान पत्नी श्री कंवलजीत मल्होत्रा	19/02/2026	रजि0 दाननामा विलेख एवं शपथ–पत्र	एक भाग (52.31 वर्ग मी0
24	86	2784	532/66/470	हरिद्वार मार्ग	श्री चरणजीत लाल मल्होत्रा	श्री कंवलजीत मल्होत्रा पुत्र स्व0 श्री चरणजीत लाल मल्होत्रा	19/02/2026	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, रजि0 हक त्याग–विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (125.37 वर्ग मी0)
25	84	2784	548/1/82	हरिद्वार मार्ग	श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री अम्बादत्त	श्री गणेश सिंह रावत उर्फ रावत गणेश बरफ पुत्र श्री बरफ सिंह रावत उर्फ बरफ रणजोत रावत	25/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (202.07 वर्ग मी0)
26	46	2784	529	चन्द्रेश्वर नगर	श्रीमती किरण शर्मा पत्नी श्री सोनु प्रसाद	श्रीमती राजरानी पत्नी श्री श्याम सुन्दर	14/07/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (41.82 वर्ग मी0)
27	82	2784	82एच–6/123/2	हरिद्वार मार्ग	श्री नवीन प्रकाश मित्तल पुत्र स्व0 श्री वेद प्रकाश	श्री मनोज श्रीवास्ताव पुत्र स्व0 श्री एस0 डी0 लाल	25/09/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (111.52 वर्ग मी0)
28	98	2776	518/217	देहरादून मार्ग	श्री ललित अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री पांचूलाल अग्रवाल	श्रीमती तारा नेगी पत्नी स्व0 श्री जीवन सिंह बिष्ट	16/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (78.06 वर्ग मी0)
29	18	2784	16/2/12	सर्वहारा नगर	श्रीमती हेमलता पत्नी श्री दिनेश	श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री राम नारायण	06/12/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (50.18 वर्ग मी0)
30	20	2784	282/2	गंगा नगर	श्रीमती क्षमा गुप्ता पत्नी श्री ललित कुमार गुप्ता	श्रीमती रामबेटी गुप्ता पत्नी श्री सुरेश गुप्ता	23/09/2024	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (44.98 वर्ग मी0)
31	4	2784	597	चन्द्रेश्वर नगर	श्री राजेश अग्रवाल पुत्र श्री रमेश कुमार अग्रवाल	श्रीमती निधि पासवान पत्नी श्री छबीला पासवान	28/08/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (37.63 वर्ग मी0)
32	94	2782	474/440/01	चन्द्रेश्वर नगर	श्री शहजाद महमुद पुत्र श्री अब्दुल रसीद	श्रीमती रीता देवी पत्नी श्री मुकेश कुमार	23/09/2025	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	एक भाग (26.76 वर्ग मी0)
33	54	2784	181/98/1	सर्वहारा नगर	श्रीमती सन्तोष गुप्ता पत्नी श्री त्रिलोक चन्द	श्री राकेश गुप्ता पुत्र स्व0 श्री त्रिलोक चन्द गुप्ता	28/02/2026	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
34	51	2784	280/110,111,112/17/सी–1	देहरादून मार्ग	श्रीमती सरोज तंवर पत्नी श्री बृजपाल सिंह	श्री महेश कुमार पुत्र श्री दलीप चन्द एवं श्रीमती उर्मिला सचदेवा पत्नी श्री महेश कुमार	18/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (65.05 वर्ग मी0)
35	62	2784	396/359/1	बनखण्डी ग्राम	श्री रमेश चन्द्र शर्मा पुत्र स्व0 श्री चैतराम शर्मा	श्रीमती सुशीला शर्मा पत्नी स्व0 श्री रमेश चन्द्र शर्मा	15/05/2025	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग
36	89	2784	93/83	तिलक मार्ग	जनरल मैनेजर राजकीय परिवहन निगम	महन्त वत्सल प्रपन्न शर्मा पुत्र स्व0 श्री अशोक प्रपन्न शर्मा	25/02/2026	खाता खतौनी की नकल, मा0 न्यायालय के निर्णय, मृत्यु प्रमाण–पत्र, पट्टाभिषेकोत्सव एवं शपथ पत्र	एक भाग
37	87	2784	487/21/433	हरिद्वार मार्ग	श्री प्रभात किशोर पुत्र श्री कैलाशचंद	श्री अभिषेक कुमार सिंघल पुत्र श्री प्रभात किशोर सिंघल	03/01/2025	रजि0 दाननामा–विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (34.38 वर्ग मी0)
38	75	2784	819/238	चन्द्रेश्वर नगर	श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री गुणानन्द बहुखण्डी	श्री नागेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 श्री गुणानन्द बहुखण्डी	07/02/2026	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र, पारिवारिक बंटवारानामा, अनापत्ति प्रमाण–पत्र, एवं शपथ–पत्र	एक भाग
39	76	2784	358/185	देहरादून मार्ग	श्री रविन्द्र प्रकाश बिजल्वाण एवं श्री विनोद कुमार बिजल्वाण पुत्रगण स्व0 श्री पीताम्बर दत्त बिजल्वाण	श्री रविन्द्र प्रकाश बिजल्वाण पुत्र स्व0 श्री पीताम्बर दत्त बिजलवाण	17/05/2023	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (2551.87 वर्ग मी0)
40	97	2776	516/218ए/1 + 517/218ए	देहरादून मार्ग	श्रीमती मीना अग्रवाल पत्नी श्री संजीव अग्रवाल एवं श्री राजकुमार पुत्र श्री नत्थूराम	श्रीमती सुरजा पत्नी श्री दीवान सिंह नकोटी	16/02/2026	रजि0 विक्रय–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (80.75 वर्ग मी0)
41	19	2784	626	सर्वहारा नगर	श्री मुकेश कुमार पुत्र स्व0 श्री मुन्ना लाल	श्रीमती रजनी ठाकुर पत्नी श्री मुकेश कुमार	04/12/2025	रजि0 दाननामा–विलेख एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग (78.79 वर्ग मी0)
42	99	2784	767/303/639/1	हरिद्वार मार्ग	श्री नारायण सिंह पुत्र स्व0 श्री मोहन सिंह बिष्ट	श्रीमती संगीता पत्नी स्व0 श्री नारायण सिंह	31/01/2026	मृत्यु प्रमाण–पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण–पत्र एवं शपथ–पत्र	सम्पूर्ण भाग

कर अधीक्षक
नगर निगम ऋषिकेश।

पिछली सरकारों ने समाज को जातिवाद के आधार पर बांटा: योगी

बिना भेदभाव सबका पुनर्वास प्राथमिकता

■ सीएम ने बहराइच में 136 परिवारों के पुनर्वास को बांटे भूमि पट्टे के प्रमाणपत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/बहराइच। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के मिहिरपुरवा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास हेतु भूमि के पट्टों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए धनराशि डिजिटल माध्यम से हस्तांतरित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बहराइच की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए इसे सुहेलदेव के शौर्य की धरती बताया। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव का पराक्रम आज भी समाज को प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित रहे करीब 500 परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार सेवा और संवेदना के आधार पर बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ प्रदेशवासियों के लिए कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सरकार जाति, पंथ या संप्रदाय के आधार पर नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद को परिवार का हिस्सा मानकर योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने कहा कि इस पुनर्वास योजना में दलित, पिछड़े, जनजातीय समुदाय समेत विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब थी और जातिवाद के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में माफिया, गुंडागर्दी और दंगों का माहौल रहता था, जिससे विकास बाधित होता था। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कानून–व्यवस्था बेहतर हुई है और सभी त्योहार शांति व सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। नवरात्रि और आगामी रामनवमी के आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर परिवार को सुरक्षित आवास, मूलभूत सुविधाएं और बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने भविष्य को सशक्त बना सकें।

कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। दिल्ली में कांग्रेस के पुराने मुख्यालय 24 अकबर रोड को खाली करने के नोटिस के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है।' बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नए मुख्यालय में शिफ्ट होने के बावजूद पुराने दफ्तर को खाली नहीं कर रही है, जबकि उसे सरकार को वापस कर देना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की ऐसी नीतियां गलत संदेश देती हैं और इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। गौरतलब है कि एस्टेट विभाग ने कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस दिया है। यह परिसर करीब 48 वर्षों तक कांग्रेस का केंद्रीय मुख्यालय रहा है।

केवाईसी सख्ती से उप्र में 20 लाख एलपीजी कनेक्शन निष्क्रिय

लखनऊ। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच तेल कंपनियों ने उप्र में एलपीजी वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। केवाईसी सत्यापन प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जा रहा है, जिसके चलते लखनऊ में 1.10 लाख से अधिक और पूरे प्रदेश में करीब 20 लाख एलपीजी कनेक्शन अस्थाई रूप से निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्रदेश में कुल लगभग 4.87 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं। गैस कंपनियों के अधिकारी ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान कर रहे हैं, जिन्होंने नौ महीने या उससे अधिक समय से सिलेंडर बुक नहीं कराया। अधिकारियों के अनुसार कई मामलों में उपभोक्ताओं ने पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन ले लिया है या पता बदल लिया है।

एमओयू से पहले एआई से ही पूछ लेते

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पार्क की स्थापना को लेकर हुए एमओयू को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार को एमओयू करने से पहले कम से कम एआई (एआई) से ही इस कंपनी की 'पूच' (पहुंच) के बारे में पूछ लेना चाहिए था। बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए अखिलेश यादव ने कहा कि अपने आस–पास के ऐसे 'फ़ाइव परसेंटिया' घूसखोर व खुदगर्ज लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी अनभिज्ञता या अज्ञान का दुरुपयोग करते हैं। इससे आपकी एआई (आर्टिफिशियल इमेज) मतलब ले–दे के बनाई गई 'कृत्रिम छवि' पर भी बहुत खराब प्रभाव पड़ता है, साथ ही आपके

समय में धूमिल हुई प्रदेश की असली छवि और भी अधिक बद से बदहाल होती है। उन्होंने कहा कि इन भ्रष्ट कांडों के उजागर होने से अच्छे, सच्चे और ईमानदार निवेशक हतोत्साहित भी होते हैं, और प्रदेश में निवेश करने से विमुख भी होते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आप तो लौट जाएंगे लेकिन प्रदेश को तो जनता का खडाल रखना है, यही सोचकर कम–से–कम एक तो अच्छा काम करते जाइए। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व 'इन्वेस्ट यूपी' ने पूच एआई (पूच एआई) नाम की कंपनी के साथ प्रदेश में एआई पार्कों के विकास के लिए 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश का समझौता किया है।

बयान देकर फंसे एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। उप्र में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक तपिश अभी से बढ़ने लगी है। इस बीच ए बयान देकर फंसे एआईएमआईएम उप्र के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने खुद के एनकाउंटर की संभावना जताई है। उन्होंने कहा है कि हमें तो लगता है जल्द ही हमारा एनकाउंटर भी हो सकता है, क्योंकि हम उर्दू नाम वाले हैं। इस बाबत बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा है कि मेरठ पुलिस द्वारा मेरे और मेरी पार्टी के लोगों के ऊपर राजनीतिक दबाव में फ़र्जी तरीक़े से मुक़द्दमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि मेरे बयान को पूरा सुनना चाहिए था, लेकिन बगैर जांच के हम पर कार्यवाही की गई।

पदोन्नति का संशोधन भी हो: आजाद

सीएपीएफ बिल पेश होने से पहले चंद्रशेखर ने रख दी बड़ी मांग

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से आज़ाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक यानी सीएपीएफ बिल 2026 पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यहां पर ग्रुप ए के अधिकारियों के साथ भेदभाव हो रहा है, हम सुनिश्चित करेंगे कि इसमें समय पर पदोन्नति का संशोधन भी शामिल हो सके।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सीएपीएफ बिल राज्यसभा में पेश होने वाला है। मंगलवार को मैंने जीरो ऑवर में विषय लगाया था, लेकिन चूंकि इसे छोड़ दिया गया, मैं अपनी बात नहीं रख पाया, सीएपीएफ हमारे केंद्रीय बल की संख्या दस लाख से ज्यादा है।

नगीना सांसद ने कहा कि पहले हमें समझना पड़ेगा कि हमारे जो सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ–एसएसबी और आईटीबीपी ये वो बल हो, जो अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर देश के लिए शहादत देता है और लड़ाई लड़ता है। असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ हो, नक्सल–प्रभावित, सशस्त्र संघर्ष और आतंक प्रभावित क्षेत्र हो, सब जगह प्रथम पंक्ति में खड़े होकर शहादत देता है। ऑपरेशन सिंदूर में भी एसआई इम्तियाज ने शहादत दी। संसद से लेकर वीआईपी सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो हर जगह हमारा ये बल सुरक्षा प्रदान करता है।

लेकिन वहां ग्रुप–ए अधिकारियों के साथ जिस तरह का भेदभाव हो रहा है, वो गलत है। हमें अपनी फोर्स का मनोबल बढ़ाना चाहिए, लेकिन हम उनका मनोबल कम कर रहे हैं, लगातार हम उनका प्रमोशन नहीं दे रहे हैं, उनकी परेशानी नहीं सुन रहे। जब देश की सेवा करने वालों का मनोबल गिर जाएगा, तो फिर ये लड़ाई कैसे आगे बढ़ेगी? उन्होंने कहा कि सरकार को मंगलवार को जवाब देना था, लेकिन वो नहीं दे पाए। अब वो बिल ला रहे हैं, तो हम कोशिश करेंगे कि अगर वो विधेयक भी ला रहे हैं, तो उसमें संशोधन जरूर आ जाए कि उनको समय पर प्रमोशन मिल सके, जैसे दूसरे कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रमोशन मिलता है। सुरक्षा बलों के 13 हजार से ज्यादा अधिकारी हैं, जो परेशान है। हम लोग उनके साथ खड़े हैं। मैं तो हमारे जवान के लिए भी मांग करता हूं कि उसको शहीद होने पर शहादत का दर्जा मिले, हम यह सुनिश्चित करने की को. शिश करेंगे कि इसमें समय पर पदोन्नति के लिए संशोधन शामिल हो जैसा कि अन्य अधिकारियों को मिलता है।

उत्तराखंड वीर उद्यमी योजना को मंजूरी

कैबिनेट विस्तार के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बुधवार पहली बार धामी कैबिनेट की पहली फुल बैठक हुई। कैबिनेट के फैसलों में न्यायिक अधिकारियों को ई-व्हीकल पर ब्याज छूट देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही फ्री बिजली योजना में सब्सिडी-वसूली एक्ट को भी मंजूरी दे गई है।

लोक निर्माण विभाग में 1 करोड़ से ऊपर की कंसल्टेंसी को पास किया गया। न्याय विभाग में न्याय कर्मचारियों को नॉमिनल इंटरेस्ट रेट पर 10 लाख रुपए का सॉफ्ट लोन ले सकेंगे। वन विभाग ने मुख्य प्रशासनिक पद हेतु न्यूनतम सेवा 25 वर्ष का प्रावधान था कार्मिक विभाग में 22 वर्ष, अब कार्मिक विभाग की तर्ज पर प्रशास. निक पद के लिए न्यूनतम सेवा 22वर्ष की गई। ऊर्जा विभाग में सब्सिडी का लाभ 31 मार्च 2025 तक ही मिलेगा।

उच्च शिक्षा विभाग स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के प्रीमियम को लेकर प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा धामी कैबिनेट ने गृह विभाग 2025 में बनी नियमावली को लागू करने की अनुमति दे दी है। साथ ही गृह विभाग में उत्तराखंड होमगार्ड के लिए नियमावली बनाई गई है।

इसे भी कैबिनेट में मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने गृह विभाग भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद, प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ को रखने की अनुमति दे दी है।

कैबिनेट बैठक में कार्मिकों को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ है। कार्मिक विभाग में सिपाही और उप निरीक्षक पदों के लिए नियमावली बनाई गई थी। जिसके हिसाब से अब घटी हुई सीमा के बाद उन्हें दोबारा मौका दिया जाएगा. जिसमें पुलिस पीएसी, अग्निशमन, प्लाटून आदि मौजूद हैं।

कैबिनेट बैठक में हुआ नए मंत्रियों का स्वागत

प्रधानमंत्री के संदेश पर जताया आभार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक की शुरुआत में मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्राप्त शुभकामना संदेश के संबंध में मंत्रिमंडल को अवगत कराया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के संदेश का विधिवत वाचन किया।

प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश पर राज्य मंत्रिमंडल ने आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य सरकार के लिए प्रेरणादायक बताया। मंत्रिमंडल के सदस्यों ने कहा कि यह संदेश राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक गति देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा जारी है।

कैबिनेट के फैसले

1. लोक निर्माण विभाग के एडीबी (एशियाई विकास बैंक) समर्थित पुल सुधार परियोजना उत्तराखण्ड के तहत ली गई कंसलटेंसी के 01 करोड़ से ऊपर की धनराशि के टेण्डर को मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।
2. न्याय विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में सेवारत न्यायिक अधिकारियों को वाहन क्रय करने के लिए नॉमिनल इंटरेस्ट रेट पर 10 लाख रूपये तक सॉफ्ट लोन की सुविधा अनुमान्य किये जाने का कैबिनेट द्वारा किया गया अनुमोदन। इसके तहत इंटरेस्ट रेट इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए 4 प्रतिशत तथा अन्य वाहनों के लिए 5 प्रतिशत है।
3. वन विभाग के अन्तर्गत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पद हेतु न्यूनतम सेवा 25 वर्ष का प्राविधान था, जिसे कार्मिक विभाग की व्यवस्था के अनुरूप 25 वर्ष से घटाकर 22 वर्ष वर्ष किये जाने का मंत्रीमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।
4. ऊर्जा विभाग की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के साथ ही राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया था। इसके तहत 31 मार्च, 2025 तक जिन लोगों के संयत्र लग चुके थे, उनको इस सब्सिडी का लाभ दिये जाने का कैबिनेट प्रदान की अनुमति।
5. उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2023 की धारा 36 के प्रावधानानुसार स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्याालय जनपद देहरादून से संबंधित या उससे अनुषांगित विषयों का उपबन्ध एवं नियमन करने के लिए परिनियम के प्रख्यापन की कैबिनेट ने दी मंजूरी।
6. गृह विभाग के अन्तर्गत वर्ष 2025 में उत्तराखण्ड लोक और निजी सम्पत्ति वसूली अधिनियम बनाया गया था, जिसमें नियमावली बनाने के लिए परामर्शी विभागों (वित्त, न्याय और विधायिकी) से परामर्श लेकर नियमावली लागू करने की मंत्रिमण्डल द्वारा दी गई अनुमति।
7. गृह विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड होमगाड्र्स समूह 'क' एवं 'ख' सेवा संशोधन नियमावली के प्रख्यापन को मंत्रीमण्डल की मिली अनुमति। इसके तहत वर्ष 2024 में होम गाड्र्स विभाग के अन्तर्गत केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान हेतु कमाडेंट का पद सृजित किया गया था, जिसकी नियमावली न बनने के कारण प्रमोशन बाधित हो रहे थे।
8. गृह विभाग के अन्तर्गत भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद डिजिटाइजेशन की व्यवस्था और कम्प्यूटर आधारित अंवेषण की व्यवस्था की गई थी, इसके तहत पुलिस कार्मिकों को कई तरह की ट्रेनिंग दिये जाने के लिए भारत सरकार की सेवा प्रदाता संस्था 'नेशनल इंस्ट्यूट फॉर इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इन्फॉरमेशन टैक्नोलॉजी' (आईटी विभाग के अर्न्तगत) विशेषज्ञों की नियुक्ति का मंत्रीमण्डल द्वारा किया गया अनुमोदन।
9. कार्मिक विभाग के अन्तर्गत वर्दीधारी सिपाही पदों और वर्दीधारी उप निरीक्षक पदों (पुलिस, पीएससी, आईआईआरबी, प्लाटून कमान्डर, अग्निशमन अधिकारी, वन दरोगा) की सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2023 में एकीकृत नियमावली बनाई गई थी, जिसके तहत कुछ पदों के लिए आयु सीमा और हाइट बढ़ी-घटी थी। इस संबंध में आगामी तीन वर्ष तक पूर्व की नियमावली की व्यवस्था बनाये रखने का कैबिनेट द्वारा दिया गया अनुमोदन।
10. माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत मा. न्यायालय द्वारा लिये गये निर्णयानुसार एडेड स्कूल बनने से पूर्व शिक्षकों की सेवा को प्रोन्नति के लिए मान्य करने को लेकर प्रस्ताव में मंत्रीमण्डल द्वारा उप समिति बनने का अनुमोदन दिया गया।
11. खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अन्तर्गत रवि विपणन सत्र 2026-27 में विकेन्द्रीयकरण के अन्तर्गत मूल्य समर्थन हेतु गेहूं खरीद के प्रस्ताव को भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति कुन्तल का लाभ दिये जाने हेतु मा. मंत्रीमण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। इसके तहत राजकीय कृषकों से 2.2 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य भी रखा गया है।
12. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अन्तर्गत भारत सरकार से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रबी और खरीब सत्रों में की जाने वाली गेहूं और धान खरीद पर भारत सरकार द्वारा अनुमन्य मण्डी शुल्क 02 प्रतिशत ही लिये जाने का कैबिनेट ने दिया निर्णय।
13. उद्योग विभाग द्वारा प्रस्तावित नई योजना 'उत्तराखण्ड वीर उद्यमी योजना 2026' को मश मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना को सप्लीमेंटरी योजना के तहत प्रस्तावित किया गया है, इसके तहत मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लक्ष्य के सापेक्ष 10 प्रतिशत लक्ष्य पूर्व सैनिक एवं पूर्व अग्निवीरों के लिए रिजर्व रखा जायेगा। यदि परिवार में पति-पत्नी दोनों ही पूर्व सैनिक या पूर्व अग्निवीर हैं, तो दोनों को लाभ देने तथा 5 प्रतिशत सब्सिडी भी दिये जाने की कैबिनेट ने मंजूरी दी। इसके तहत पर्वतीय क्षेत्रों के लिए 02 लाख रूपये तक में 30 प्रतिशत, 02 से 10 लाख तक में 25 प्रतिशत तथा 10 से 25 लाख रूपये में 30 प्रतिशत की सब्सिडी दी जायेगी। जबकि मैदानी क्षेत्रों में 02 लाख रूपये तक में 25 प्रतिशत, 02 से 10 लाख तक में 20 प्रतिशत तथा 10 से 25 लाख रूपये में 15 प्रतिशत की सब्सिडी दी जायेगी।
14. नियोजन विभाग के अन्तर्गत राज्य योजना आयोग के स्थान पर सेतु आयोग के गठन, उसके कार्यक्षेत्र एवं संगठनात्मक ढांचा निर्माण की कैबिनेट द्वारा दी गई अनुमति।
15. विधायी और संसदीय विभाग के अन्तर्गत उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा सत्र 2026 का सत्रावसान करने का मंत्रिमण्डल द्वारा दिया गया अनुमोदन।

स्वरोजगार से जुड़ेंगे 50 हजार युवा

देहरादून। प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0 के तहत 'वीर उद्यमी योजना- 2026' को पूरक योजना के रूप में तैयार किया है। योजना के जरिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए बड़े स्तर पर रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0 के साथ पूरक (सप्लीमेंटरी) स्कीम के रूप में चलाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य मार्च 2025 से मार्च 2030 तक 50 हजार से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है। योजना के तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 25 लाख रुपये तक और सर्विस एवं ट्रेड सेक्टर में 10 लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलेगी। लाभार्थियों को कोलैटरल फ्री बैंक ऋण दिया जाएगा, जबकि विशेष वर्गख्रजैसे अनुसूचित जाति, जनजा. ति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, दिव्यांग और भूतपूर्व सैनिक को केवल 5 प्रतिशत अंशदान करना होगा।

जनजातीय समाज राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार: सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में राज्य जनजातीय महोत्सव 2026 में किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज परेड ग्राउंड, देहरादून में राज्य जनजातीय शोध संस्थान, उत्तराखंड द्वारा आयोजित उत्तराखंड राज्य जनजातीय महोत्सव 2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर देश के 12 राज्यों से आए जनजातीय वर्ग के प्रतिनिधियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और परंपराओं के माध्यम से महोत्सव को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

12 राज्यों के जनजातीय प्रतिनिधियों की सहभागिता से महोत्सव बना राष्ट्रीय मंच

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने थारू लोक गायिका स्वर्गीय रिंकू देवी राणा एवं दर्शन लाल को 'आदि गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। साथ ही, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 14,272.185 लाख रुपये की पेंशन 'वन क्लिक' के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की जीवंत विरासत, सादगीपूर्ण जीवन-दर्शन और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि यह मंच जनजातीय भाई-बहनों की पीढ़ियों से संजोई गई लोक परंपराओं और संस्कृति को व्यापक पहचान दिला रहा है तथा राज्य जनजातीय शोध संस्थान को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज भारतीय संस्कृति की समृद्ध विविधता और प्राचीन परंपराओं का सशक्त आधार है। यह समाज प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीते हुए सतत विकास और सहअस्तित्व का मार्ग दिखाता है तथा सीमांत क्षेत्रों में रहते हुए राष्ट्र की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता है कि जनजातीय परंपराओं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय उत्पादों को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन की पहचान है। इसी सोच के तहत 'एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय', 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान', 'वन धन योजना' और 'प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन' जैसी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी तथा जनसहभागिता से उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प अवश्य पूर्ण होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, विधायक श्रीमती सविता कपूर, अपर सचिव संजय सिंह टोलिया, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय प्रतिनिधिमंडल तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण व जलवायु संरक्षण हम सबका दायित्व: राम सिंह

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के पर्यावरण संरक्षण मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित पुराने नौलों, गाड़- गधेरों जोकि सुखने की कगार पर हैं साथ ही पर्यावरण व जलवायु के संरक्षण का दायित्व हम सबका है और प्रदेश सरकार इस दिशा में गम्भीरता और प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण मंत्री ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

पर्यावरण संरक्षण मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक ■ कहा, पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवन भी बचेगा

मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्वतीय क्षेत्रों में पेड़-पौधे लगाने पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रयास से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित पुराने नालों का भी संवर्धन भी हो पायेगा जिससे पानी के स्रोत भी रीचार्ज हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवन भी बचेगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ों में पेड़ अधिक से अधिक लगाने साथ ही पानी को कैसे संरक्षित किया जाए इस दिशा में प्रदेश सरकार ठोस कदम उठा रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी पर्यावरण नियमों का उलंघन न हो इसके लिए निगरानी व्यवस्था की जाय तथा नियमों का उलंघन करने वालों पर ससमय उचित कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर सचिव पर्यावरण आर के सुधांशु, अपर सचिव पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव कल्याणी तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश के संतुलित एवं समावेशी विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित: सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक कर राज्य के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों से अपेक्षा की कि वे जनपदों का नियमित भ्रमण कर संचालित विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक प्रगति का आकलन करें।

मंत्रीगण जनपद वार भ्रमण कर योजनाओं की करेंगे जमीनी समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का धरातल पर प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनपद स्तर पर विकास कार्यों की निरंतर निगरानी से न केवल योजनाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने मंत्रीगणों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी लें। जन- मन की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागीय मंत्री अपने विभागों की नियमित और गहन समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया। सड़क, पेयजल, ऊर्जा, सिंचाई और भवन निर्माण जैसे विभाग यदि समन्वित रूप से कार्य करें तो विकास परियोजनाएं तय समय-सीमा में पूर्ण की जा सकती हैं और जनता को शीघ्र लाभ मिल सकता है।

स्वास्थ्य पर्यटन योजना से रोजगार अवसरों की सेहत में आने लगा सुधार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड में आयुष आधारित स्वास्थ्य पर्यटन योजना से रोजगार अवसरों की सेहत में सुधार आने लगा है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि 27 ऐसी परियोजनाओं के कार्यशील होने से 1285 रोजगार के नए प्रत्यक्ष अवसर सृजित हुए हैं।

राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के सवाल के जवाब में मिली जानकारी

राज्यसभा के पटल पर भट्ट द्वारा उत्तराखंड में आयुष आधारित स्वास्थ्य पर्यटन की योजनाओं की प्रगति को महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई। जिसके जबाब में आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि राज्य में आयोजित निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 के परिणामस्वरूप, राज्य में कुल 27 आयुष-आधारित स्वास्थ्य पर्यटन परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है। उन्हें कार्यशील करते हुए निवेशकों द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के अनुसार, इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए 1,285 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

इसी तरह उत्तराखंड में नये आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय और अनुसंधान संस्थान को लेकर मांगी जानकारी पर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उन राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को आयुर्वेद सहित नए आयुष महाविघ्द्यालयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है, जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है। तदनुसार, राज्य, संघ राज्य क्षेत्र, एनएएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अपनी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके अपने लिए ऐसी वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद एक स्वायत्त संगठन है, जो रानीखेत (तारीखेत) में स्थित अपने क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान नामक परिधीय इकाई के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सहित देश भर में प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करता है।

पारदर्शी और तेज होगी एम्पैनलमेंट प्रक्रिया: डॉ. राजेश

स्ट्रक्चरल इंजीनियरों के लिए सरकार का बड़ा सुधार कदम
बैठक में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने दिए सख्त निर्देश
एम्पैनलमेंट प्रक्रिया में आएगी पारदर्शिता और तेजी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण में संरचनात्मक अभियंताओं के एम्पैनलमेंट को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध बनाने पर विस्तृत मंथन किया गया। देहरादून के राजीव गांधी को कॉम्प्लेक्स स्थित हुडा के कार्यालय में बुधवार को आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में न केवल तकनीकी सुधारों पर चर्चा हुई, बल्कि वर्तमान में सामने आ रही व्यावहारिक चुनौतियों और लंबित प्रस्तावों के पर भी गंभीरता से विचार किया गया। स्ट्रक्चरल इंजीनियरों के नवीन पंजीकरण से जुड़े प्रस्तावों को भवन निर्माण एवं विकास उपविधि/विनियम में निहित प्रावधानों के तहत यथा शीघ्र पूर्ण किये जायेंगे साथ ही लंबित मामलों की जांच करते हुये यथा शीघ्र पूर्ण करते हुये प्रमाणपत्र जारी किये जायेगें। बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गयी कि जिन स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का पंजीकरण समाप्त हो चुका है, उनके नवीनीकरण/ पंजीकरण स्वीकृति मिलने की प्रक्रिया को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये गये जिससे आवेदक के दस्तावेजों के सत्यापन प्रक्रिया को तेज किया जा सके जिससे कि साभी प्रकार के भवनों के मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा /देरी व जटिलता उत्पन्न न हो। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर आयुक्त आवास डीपी सिंह, चीफ टाउन प्लानर शशि मोहन श्रीवास्तव सहित शासन-प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का एम्पैनलमेंट राज्य में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की आधारशिला

डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि स्ट्रक्चरल इंजीनियरों का एम्पैनलमेंट राज्य में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि पंजीकरण और नवीनीकरण से जुड़े लंबित प्रस्तावों की शीघ्र ही जांच करते हुये सुयोग्य व अहरताओं को पूर्ण करने वाले आवेदकों के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए डिजिटल प्रणाली को मजबूत किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्यों पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें।

सीएम से बार एसोसिएशन देहरादून के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में बार एसोसिएशन देहराद. ून के अधिवक्ताओं के एक प्रति. निधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड सरकार के सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं एवं राज्य के समग्र विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

प्रदेश में न्यायिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से अधिवक्ताओं के हितों के संरक्षण, न्यायालय परिसरों में सुविधाओं के विस्तार एवं न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस दौरान नई आपराधिक संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नई संहिताओं के लागू होने से न्याय प्रणाली अधिक सुदृढ़, त्वरित एवं जनोन्मुखी बनेगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिवक्ताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाने में बार और बेंच के बीच समन्वय आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार न्यायिक अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। न्यायालय परिसरों का आधुनिक. ीकरण, डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, ई-कोर्ट प्रणाली को बढ़ावा तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं।

जलागम विभाग के अंतर्गत अनेक संभावनाएं मौजूद : कैड़ा

देहरादून। प्रदेश के जलागम प्रबंधन मंत्री राम सिंह कैड़ा ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रदेश के जलागम प्रबंधन मंत्री कैड़ा ने कहा कि जलागम विभाग के अंतर्गत अनेकों संभावनाएं मौजूद हैं जिसे देखते हुए आज अधिकारियों को भविष्य का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने होंगे। मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित चाल-खाल, नदी, नाले, गधेरे आदि के पानी का उपयोग में लाने के लिए उचित प्रबंधन की व्यवस्था की जाए तथा इस क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करते हुए प्रदेश और विभाग को आगे बढ़ाने का काम किया जाए। इस अवसर पर सचिव जलागम प्रबंधन दिलीप जावलकर, प्रोजेक्ट निदेशक कहकशा नसीम तथा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ओवररेटिंग की शिकायतों पर ठेका संचालकों का दबाव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के काकड़ागाड़ स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान में ओवररेटिंग की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन इन शिकायतों के समाधान को लेकर आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बावजूद न तो ठोस कार्रवाई हो पा रही है और न ही समस्या का समाधान होता दिख रहा है।

आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने वाले लोगों को शराब ठेका संचालकों द्वारा फोन कर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। जनपद के घोलतीर-नगरासू, तिलवाड़ा, सिरोबगड़, अगस्त्यमुनि, काकड़ागाड़ और मयाली क्षेत्रों में संचालित अंग्रेजी शराब की दुकानों में ओवररेटिंग की शिकायतें बार-बार मिल रही हैं। सूत्रों के अनुसार, सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज होते ही संबंधित जानकारी दुकानदारों तक पहुंच जाती है, जिसके बाद जांच से पहले ही स्थिति को प्रभावित कर दिया जाता है और कार्रवाई महज औपचारिकता बनकर रह जाती है।

विशेष रूप से केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित काकड़ागाड़ की शराब दुकान को लेकर सबसे अधिक शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों और यात्रियों का आरोप है कि यात्रा मार्ग का फायदा उठाकर यहां निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर शराब बेची जा रही है। शिकायतकर्ता दीपक और दुर्गा ने बताया कि शिकायत दर्ज कराने के बाद उन्हें लगातार फोन कर दबाव बनाया जा रहा है। दुर्गा के अनुसार उनसे करीब 70 रुपये अतिरिक्त वसूले गए, जबकि दीपक का कहना है कि उनसे लगभग 100 रुपये ज्यादा लिए गए। दोनों ने इस संबंध में सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

वहीं विभाग केवल खानापूर्ति करता नजर आ रहा है। आरोप यह भी है कि जांच से पहले ही दुकानदारों को सूचना देकर मामले को दबाने का प्रयास किया जाता है।

वहीं, आबकारी अधिकारी रमेश बंग. वाल का कहना है कि सीएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण किया जा रहा है और जहां-जहां शिकायतें मिल रही हैं, वहां जांच कराई जा रही है।

अफसर बिटिया कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोटद्वार । पब्लिक इण्टर कॉलेज सुरखेत में बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित अफसर बिटिया कार्यक्रम में पोस्टर और निबन्ध प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं को जागरूक करने के साथ ही उन्हें सम्मानित किया गया। अफसर बिटिया कार्यक्रम का शुभारम्भ बाल विकास विभाग एकेश्वर की परियोजना अधिकारी हेमन्ती रावत, सुपरवाइजर शारदा रानी, रक्षा शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी एकेश्वर की प्रतिनिधि राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय धरासू की प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी, प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी, एएनएम ज्योति, आशा कार्यकर्ती मंजू नेगी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया। छात्राओं ने दीप मंत्र और मां शारदा की प्रार्थना करते हुए अतिथियों का स्वागताभिनन्दन किया।बिटिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिक. ाओं को शिक्षित करने, कन्या भ्रूण हत्या रोकने, यौन उत्पीडन, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करके आत्मनिर्भर बनाना है।

रुद्रप्रयाग में गर्भवती महिलाओं के लिए निशुल्क हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

दुर्गम क्षेत्रों की महिलाओं को मिलेगी सुरक्षित प्रसव सुविधा, पहली उड़ान में उदीना को पहुंचाया अस्पताल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए राहत भरी पहल करते हुए जनपद रुद्रप्रयाग में नि:शुल्क हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ किया गया है। अब दूरी नहीं बनेगी बाधा, सुरक्षित मातृत्व हमारा वादा" अभियान के तहत शुरू की गई यह सेवा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड के संयुक्त सहयोग से संचालित की जा रही है।

इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं को समय पर सुरक्षित प्रसव सुविधा उपलब्ध कराना है, जहां सड़क संपर्क सीमित होने के कारण अक्सर आपात स्थिति में चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है। सेवा के तहत मंगलवार को पहली सफल उड़ान में जनपद की निवासी उदीना (पत्नी महेश) को हेलीकॉप्टर के माध्यम से वन चेतना पार्क, जखोली से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया। यहां उनका प्रसव विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में सुरक्षित रूप से कराया जाएगा। इस सफल संचालन ने योजना की उपयोगिता को साबित कर दिया है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार एवं सीएमओ डॉ राम प्रकाश ने बताया कि यूकाडा, जिला स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के समन्वय से इस सेवा का सफल संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए कारगर साबित होगी, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना कठिन होता है। उन्होंने आगे कहा कि इस सेवा के माध्यम से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में इस सेवा का लाभ उठाएं तथा समय रहते नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें।

रेडियो पर गूंजेगी गांव की आवाज, महिलाएं रखेंगी अपने विचार: देवेन्द्र गौड़

■ 29 मार्च को गांव की बात रेडियो कार्यक्रम में भाग लेगी महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों की महिलाएं आगामी 29 मार्च को "गांव की बात" रेडियो कार्यक्रम में भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में श्रीनगर क्षेत्र के ग्राम स्वीत, उफल्डा सहित टिहरी जनपद के चौरास, बागवान और सिरणी गांव की महिलाएं भी शामिल होंगी। माध्यमिक वर्ग बालिका एवं महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के संस्थापक देवेन्द्र गौड़ ने बताया कि इस विशेष रेडियो कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान महिलाएं अपनी सामाजिक सोच, खेती-बाड़ी के अनुभव और गांव से जुड़ी विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा करेंगी। इसके साथ ही प्रतिभागी गीत-संगीत, भजन-कीर्तन के माध्यम से भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। बताया कि सभी प्रतिभागी महिलाएं सुबह सात बजे श्रीनगर से प्रस्थान करेंगी। इस आयोजन को लेकर उफल्डा की शोभा नेगी, स्वीत की रेखा तिवाड़ी, सिरणी की चंद्रकला बंगवाल, नैथाणा की रेखा कपर्वाण, तथा श्रीनगर की गीता नेगी और रजनी जुगरान सहित सभी प्रतिभागी महिलाएं काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

राजकीय महाविद्यालय को मिली स्वीकृति

वैकल्पिक रूप से राइंका धद्दी घिल्ड़ियाल में चलेगा महाविद्यालय कीर्तिनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के लोस्तों बढियारगढ़ के तेगड़ क्षेत्र की जनता को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय की स्वीकृति मिल गई है, जिससे स्थानीय युवाओं को अब उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा।

बांध विस्थापितों का धरना रहा जारी

नई टिहरी। टिहरी बांध विस्थापितों और प्रभावितों का अपने अधिकारों को लेकर गणेश चौक, बौराड़ी स्थित धरना स्थल पर आंदोलन बुधवार को 26वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन में मातृशक्ति, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे और मजबूती प्रदान की।धरना स्थल पर जुटे लोगों ने एक स्वर में अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सागर भंडारी ने कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है, जिससे आंदोलनकारियों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। उन्होंने दो टूक कहा कि जब तक उनकी न्यायोचित मांगों को पूरा नहीं किया जाता, आंदोलन अनवरत रूप से जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले के विकास कार्यों में खर्च करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। साथ ही प्रभावित परिवारों को मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराने की मांग भी दोहराई।

भालू के हमले से महिला घायल एयरलिफ्ट कर एम्स भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली जनपद के विकासखंड थराली के बूँगा गांव में भालू के हमले से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार थराली विकासखंड के बूँगा गांव में घास लेने जंगल गई एक महिला पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। हमले में महिला बुरी तरह घायल हो गई और लहूलुहान अवस्था में जमीन पर गिर पड़ी। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह महिला को वहां से निकालकर 108 एंबुलेंस सेवा की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली पहुंचाया।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद घायल महिला को कुलसारी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से एयरलिफ्ट कर एम्स भेजा गया,

जहां उसका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान गोविंदी देवी उर्फ गोल्डी देवी, निवासी हरमनी तल्ली के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला अपने मायके बूँगा आई हुई थी और घास लेने जंगल गई थी, तभी भालू ने अचानक हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और घायल महिला का हालच. ाल जाना।

वन विभाग की ओर से तात्कालिक सहायता के रूप में महिला को 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। घटना के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है और लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

एक नजर ....

नशा, सोशल मीडिया और अपराधों पर पुलिस की खास क्लास

कोटद्वार । एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट कोटद्वार की महिला उपनिरीक्षक सुमनलता के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज, झंडीचौड़ में आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को न केवल करियर संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति, वेश्यावृत्ति, महिला सुरक्षा, बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन एवं सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पॉक्सो एक्ट एवं नशा, ड्रग्स के दुष्प्रभावों के प्रति भी सचेत किया गया। साथ ही बच्चों को गुड टचदृबैड टच की महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने हेतु पुलिस हेल्पलाइन 112, उत्तराखंड पुलिस ऐप एवं गौराशक्ति ऐप के उपयोग के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के दौरान बढ़ते साइबर अपराधों को ध्यान में रखते हुए छात्र-छात्राओं को अनजान कॉल, संदिग्ध संदेश एवं लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना देने हेतु प्रेरित किया गया।

कंसमर्दनी मंदिर शक्ति पूजन एवं भजन-कीर्तन से रहा गुंजायमान

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, श्रीनगर मंडल द्वारा चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर कंसमर्दनी मंदिर में शक्ति पूजन एवं भजन-कीर्तन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा ललिता नेगी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु महिलाओं द्वारा भक्ति भाव के साथ मां भगवती दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों से वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित महिलाओं ने मां भगवती से सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सभी नारी शक्तियों को नवरात्रों की शुभकामनाएं दी। मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रतिला भंडारी, आशा उपाध्याय, मुन्नी पांडे, लक्ष्मी रावत, विजयलक्ष्मी, शांति भट्ट, आशा फरासी, गुड्डी गैरोला, सुनीता गैरोला, मो. निका, राजलक्ष्मी, विशोदा देवी, पूजा गौतम, रेखा रावत सहित आदि मौजूद थे। छात्रा प्रिंयका ने उत्तीर्ण की आइआइटी जेएएम परीक्षा

भाजपा नई टिहरी मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

नई टिहरी: भारतीय जनता पार्टी के नई टिहरी मंडल के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का बुधवार को समापन हुआ। जिला कार्यालय नई टिहरी में आयोजित कार्यशाला के छठवें सत्र का शुभारंभ मुख्यवक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष उदय सिंह रावत ने दीप प्रज्वलित कर किया।भाजपा जिलाध्यक्ष ने पार्टी के इतिहास व विकास पर विस्तृत जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता कलम दास पुनेठा ने की। प्रशिक्षण के अंतिम व सातवें सत्र की अध्यक्षता पूर्व प्रमुख खेम सिंह चौहान ने की। मुख्य वक्ता के रूप में दिनेश डोभाल ने बूथ पालन व मन की बात पर विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री पवन शाह द्वारा किया। इस मौके पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, पूर्व मंत्री दिनेश धनाई, मंडल महामंत्री शांति प्रसाद खंडूरी, जिला उपाध्यक्ष रामलाल नौटियाल, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र प्रसाद डोभाल, जीतराम भट्ट, जगदंबा प्रसाद रतूड़ी, कार्यालय प्रभारी जयेंद्र पंवार, भारती सेलवान, उर्मिला राणा, विमल खड़का, मधु भट्ट, लीला मखलोगा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोनिवि कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी: उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित 27 सूत्रीय मांगों का समाधान न होने पर आंदोलन ने अब उग्र रूप ले लिया है। प्रथम व द्वितीय चरण के आंदोलन के बाद महासंघ के सदस्यों ने बीते सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को महासंघ टिहरी इकाई के सदस्यों ने लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन टिहरी के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर शासन और सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। हड़ताल के तीसरे दिन कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजीनियर मोहम्मद इरफान ने की, जबकि संचालन इंदिरा भंडारी की ओर से किया गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार शीघ्र उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो 1 अप्रैल से आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर भी हड़ताल में शामिल हो जाएंगे। इस दौरान महासंघ के सचिव सतीश भट्ट, मंडल उपाध्यक्ष उषा भंडारी, जनपद सचिव राजेंद्र सोडी, इंजीनियर स्वाति चौहान, ममता पंवार, अनिल कुमार, मनोज विष्ट, भूपेंद्र असवाल, संजय दुरलत, मोहन सिंह, गोपाल सैनी, हिमानी भंडारी सहित विभिन्न तकनीकी विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर मौजूद रहे।

आईजीएसआई करेंगे राष्ट्रीय धरोहरा के संरक्षण के लिए कार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित एक्टिविटी सेंटर में बुधवार को इंटरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इंडिया (आईजीएसआई), गढ़वाल चौप्टर की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गढ़वाल विवि के कुलाधिपति डॉ. योगेंद्र नारायण ने समाज में सद्भावना, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें सामाजिक परिवर्तन के सशक्त केंद्र के रूप में कार्य करना चाहिए। बताया कि इंटरनेशनल गुडविल सोसाइटी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि इन राष्ट्रीय धरोहरा के संरक्षण के लिए सीएसआर फंड

प्रदान किया जाएगा, जिससे हम इन विरासतों को आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर सकते हैं। डॉ. नारायण ने बताया कि ट्रस्ट का एक मुख्य उद्देश्य इन धरोहर स्थलों को आय के स्रोत (सोर्स ऑफ इनकम) में परिवर्तित करना भी है, जिससे स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ मिल सके। उन्होंने सोशल वॉरियर्स की भूमिका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग सामाजिक विकास और जन-कल्याण के कार्यों में प्रभावी रूप से किया जा सकता है। मौके पर गढ़वाल चम्प्टर के अध्यक्ष प्रो. एमएम सेमवाल ने चौप्टर की वर्तमान गतिविधियों की जानकारी दी और चार धाम यात्रा सर्किट के बीच में स्थित कचरा निस्तारण (वेस्ट डंपिंग) स्थलों की पहचान करने, शौचालयों की कमी और पहाड़ों में कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा मार्ग पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। प्रो. सेमवाल ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि ट्रस्ट का उद्देश्य हमारी पारंपरिक विरासत का दस्तावेजीकरण कर उनका संरक्षण करना तथा आम जनमानस के बीच इन विरासतों के प्रति जागृति उत्पन्न करना है, जिससे हमारी धरोहरें सुरक्षित रहें। बैठक में समिति की उपाध्यक्ष प्रो. सीमा धवन ने सोसायटी के उद्देश्यों को रेखांकित किया। प्रो. पूजा सकलानी ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या और इसके उन्मूलन के लिए व्यक्तिगत प्रयासों पर जोर दिया। शोधार्थी सुलक्षणा शर्मा ने पहाड़ी क्षेत्रों में ऊर्जा संकट और घोस्ट विलेज (उजड़े हुए गांवों) की समस्या पर प्रकाश डालते हुए सौर ऊर्जा के महत्व को समझाया। मौके पर संस्था के सचिव प्रो. सतीश सती, प्रो. महेंद्र बाबू, डॉ. शेखर बहुगुणा, डॉ. वरूण बड़थ्वाल, डॉ. विजय सिंह बिष्ट, डॉ. आशीष बहुगुणा, डॉ. जसपाल चौहान, डॉ. प्रकाश सिंह, डॉ. गिरीश भट्ट, डॉ. अन्नू राही सहित आदि मौजूद थे।

जन-जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम का समापन

■ खेल व सांस्कृतिक प्रतिभाओं का सम्मान, सरकार की उपलब्धियों पर दिया गया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। जन-जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल" कार्यक्रम के तहत बुधवार को जनपद मुख्यालय गोपेश्वर स्थित पीजी कॉलेज में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा उत्तराखंड/जिला सह प्रभारी रुद्रप्रयाग रघुवीर सिंह बिष्ट द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं

कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रघुवीर सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले काव्या सती और शिवांस नेगी को प्रथम, जिया बिष्ट, शिवांस चमोली को द्वितीय एवं अदिति रावत और अथर्व तिवाड़ी को तृतीय स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त सूचना विभाग की सांस्कृतिक टीम एवं स्कूली छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें लोक नृत्य एवं लोकगीतों के माध्यम से पहाड़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मोहन सिंह नेगी, नवल भट्ट, उपेंद्र भंडारी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

पंचतत्व में विलीन हुए विजेंद्र राणा

बड़कोट/उत्तरकाशी : सेवा निवृत्त शिक्षक और मां रेणुका मंदिर ट्रस्ट सरनौल के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह राणा पंचतत्व में विलीन हो गए। बुधवार को गंगनानी में त्रिवेणी संगम में यमुना नदी तट में सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। ठकराल पट्टी के सरनौल और राम सेराई के महर गांव निवासी विजेंद्र सिंह राणा गत सोमवार रात्रि को 83 वर्ष की में अपने पैतृक गांव में अचानक निधन हो गया था। वह अपने पीछे धर्मपत्नी तीन बेटा, बहू, एक बेटी नाती एक हंसते खिलखिलाते परिवार को छोड़ गए हैं। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र का माहौल गमगीन हो उठा था। उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए उनके पैतृक गांव सरनौल भारी हुजूम उमड़ पड़ा है। बता दें कि बता दें कि श्री राणा एक आदर्श, ईमानदार, कर्मठ शिक्षक और समाजसेवी थे।

1.82 करोड़ से नवनिर्मित श्री देव सुमन पार्क आम जनमानस के लिए समर्पित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी: जिला मुख्यालय के मैन बाजार में बुधवार को नवनिर्मित श्री देव सुमन पार्क का विधायक टिहरी किशोर उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, श्री देव सुमन के परिवारजन अनिल बडोनी, मस्तराम बडोनी एवं जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने संयुक्त रूप से श्री देव सुमन की मूर्ति का मंत्रोच्चारण के साथ अनावरण कर आम जनमानस के लिए पार्क समर्पित किया।

विधायक ने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में श्री देव सुमन पार्क का सौंदर्यकरण का कार्य किया गया एवं अब हम सब की जिम्मेदारियां है की पार्क की भव्यता सुंदरता बनाए रखने की व्यापार मंडल के पदाधिकारियो एवं आम जनमानस से अपील की उन्होंने कहा कि हम सभी को श्री देव सुमन, इंद्रमणि बडोनी के अलावा अन्य महापुरुषों के पदचिन्हो पर चलकर प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम सभी को. जिलाधिकारी ने श्री देव सुमन का अवलोकन करते हुए जिला विकास प्राधिकरण विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता पंकज पाठक को निर्देश दिए कि पार्क में स्थापित श्री देव सुमन नवनिर्मित मूर्ति के ऊपर से बचाव के लिए आवश्यक कार्रवाई करें, साथ ही पार्क की सुंदरता एवं भव्यता बनाने के लिए कम देखभाल करने के साथ ही साल भर हरियाली या फूल देने वाले हों जैसे बोगनविलिया, अरेका पाम, गुड़हल और चमेली पौधे लगवाएं।,

इस अवसर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, नगर पालिका परिषद नई टिहरी अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, दिनेश डोभाल, प्रकाश डोभाल, दिनेश चौहान, जय पंवार, राम लाल नौटियाल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्रा व्यापारी, जनप्रतिनिधिस एवं पत्रकार उपस्थित रहे है।

अवैध निर्माणों पर एमडीडीए का ताबड़तोड़ सीलिंग एक्शन

प्राधिकरण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नियम तोड़ने पर की गई सख्त कार्रवाई

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए विभिन्न स्थानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई प्राधिकरण के नियमों के उल्लंघन को रोकने और नियोजित विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। एमडीडीए द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बिना स्वीकृति के किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य या प्लॉटिंग पूर्णतः अवैध है और ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, नफीस पुत्र मोहम्मद जमील द्वारा एलिक नेचर विला, आईकॉन रिसॉर्ट के निकट, ग्राम बागी इठाराना मार्ग, भोगपुर रानीपोखरी, देहरादून में बिना स्वीकृति प्लॉटिंग पर अवैध निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को नियमों के विरुद्ध पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सीलिंग की कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता दीपक नौटियाल, स्वाती कोहली तथा संबंधित सुपरवाइजर मौके पर मौजूद रहे।

इसके अलावा रायवाला ऋषिकेश क्षेत्र में वुड रिसॉर्ट के सामने प्रीत कुमार द्वारा अवैध रूप से निर्मित दुकानों पर भी प्राधिकरण ने कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि निर्माण कार्य बिना मानचित्र स्वीकृति के किया गया था, जो प्राधिकरण के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही दिनेश मंगाई द्वारा गली न0 6 हरिपुर कला ऋषिकेश में किये गए अवैध निर्माण पर कार्यवाही की गई इस कार्रवाई में सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, सुपरवाइजर एवं पुलिस बल की उपस्थिति में सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई।

प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं: तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना स्वीकृति के प्लॉटिंग और निर्माण कार्य से न केवल नियमों का उल्लंघन होता है, बल्कि इससे पूरे क्षेत्र के नियोजित विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्राधिकरण द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है और जहां भी अवैध निर्माण की जानकारी मिल रही है, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी निर्माण कार्य से पूर्व मानचित्र की स्वीकृति अवश्य लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा या कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा: बर्निया

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि एमडीडीए अवैध निर्माणों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और संदिग्ध निर्माण कार्यों की जांच कर रही हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। लोगों से अपील की कि सभी निर्माण कार्य प्राधिकरण से स्वीकृति प्राप्त कर ही करें।

भाजपा में मंत्री पद स्टेटस सिंबल नहीं बल्कि सेवा पर आधारित: चौहान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि चुनाव से कम समय पहले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर विपक्ष के आरोप पूरी तरह से तर्कहीन हैं। भाजपा मे मंत्री पद सेवा के लिए होता है, जबकि कांग्रेस मे यह स्टेट्स सिंबल बन जाता है।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के कटाक्ष पर पलटवार करते हुए चौहान ने कहा कि जब मंत्रिमंडल का आकार कम था तब भी विकास कार्य द्रुत गति से जारी रहे और हर क्षेत्र मे विकास योजनाएँ संचालित हुई। इसका मुख्य कारण भाजपा सत्ता केंद्रित नही, बल्कि सेवा केंद्रित रही है। चौहान ने कहा कि जनता भाजपा के सदस्यों को सेवा और विकास कार्यो की बदौलत ही आशीर्वाद देती रही है।

■ सेवा और विकास कार्यों की बदौलत बढ़ा है जनता में भाजपा के प्रति सम्मान

उन्होंने कहा कि भाजपा अनुशासित और जनता के लिए समर्पित दल है। पार्टी मे संस्कारों के कारण ही हर कार्यकर्ता कार्यकर्ता चाहे संगठन या सरकार मे मंत्री पद पर हो, लेकिन उसमे अहंकार का नाम नही होता। उन्होंने कहा कि स्टेट्स सिबल को कांग्रेस राज मे बंटी रेवड़ियों को लेकर कहा जा सकता है। कांग्रेस शासन मे मंत्री पद अथवा दायित्वधारी महज स्टेट्स सिंबल के लिए रहा है और उनका जन हित से कोई लेना देश नही रहा है। चौहान ने कहा कि रानी पोखरी मे आबंटन को लेकर कांग्रेस भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर दुष्प्रचार कर रही है। विस्थापितों को आबंटन भी जरूरी है और विकास कार्य भी जरूरी है। कांग्रेस को साफ करना चाहिए कि भूमि पर आबंटन को लेकर उसकी मंशा क्या है। सभी कार्य विधि सम्मत ही होते हैं। जिन कार्यो के लिए लोगों के सामने विस्थापन की समस्या उत्पन्न हुई वह भी विकास परियोजना ही है। स्थानीय लोगों के हितों के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और इसमें राजनीति की कोई गुंजाइश नही है।

उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार कार्यो का आबंटन है और इससे कार्यो मे कई गुना रफ्तार बढ़ेगी। भाजपा मे व्यवस्थित रूप से सभी कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया जाता है और वह जनता के प्रति समर्पित होते है। उनको चुनाव मे कितना असर पड़ेगा यह कांग्रेस के बजाय जनता तय करेगी।

महिलाओं को लेकर गोदियाल का बयान दुर्भाग्यपूर्ण: दीप्ति रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि "ब्वारी लेकर आएंगे" जैसी भाषा न केवल महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता दर्शाती है, बल्कि उन्हें एक वस्तु के रूप में प्रस्तुत करने की मानसिकता को भी उजागर करती है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत चिंता. जनक है।

■ कहा, "ब्वारी लेकर आएंगे" जैसी भाषा महिलाओं के प्रति दर्शाती है असंवेदनशीलता

उन्होंने कहा कि पहाड़ी बोली में "ब्वारी" का अर्थ बहू होता है, और इस शब्द का इस प्रकार प्रयोग महिलाओं की गरिमा, सम्मान और उनकी स्वतंत्र पहचान के खिलाफ है। महिला कोई वस्तु नहीं है, जिसे "लाया" या "ले जाया" जाए, बल्कि वह समाज की समान भागीदार, सशक्त व्यक्तित्व और परिवार व राष्ट्र की आधारशिला है। इस प्रकार की टिप्पणी महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने के साथ-साथ समाज में गलत और नकारात्मक संदेश भी प्रसारित करती है।

महिलाएँ आज भारत में स्वतंत्र हैं, आत्मनिर्भर हैं और अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। ऐसे बयान दुर्भाग्यपूर्ण हैं, क्योंकि वे महिलाओं की स्वतंत्रता और सशक्तिकरण की वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर पाते और एक संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को आवंटित भूमि को खुर्द-बुर्द कर रही सरकार: रावत

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार ऋषिकेश के रानीपोखरी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित भूमि को खुर्द-बुर्द करने का काम कर रही है।

■ 7 वर्ष बीत जाने के बाद भी यूनिवर्सिटी के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखी गई

प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. हरक सिह रावत ने कहा कि भाजपा की ही सरकार में त्रिवेन्द्र सिंह रावत के मुख्यमंत्रित्व काल में ऋषिकेश के रानीपोखरी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के नाम पर भूमि आवंटित की गई थी जिस पर लॉ यूनिवर्सिटी का शिलान्यास भी तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की और से स्थानीय सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक व शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की उपस्थिति में हुआ था। उन्होंने कहा कि 7 वर्ष बीत जाने के बाद यूनिवर्सिटी के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखी गई उल्टे यूनिवर्सिटी के नाम आवंटित भूमि का टिहरी बांध विस्थापितों के नाम पर खुर्द-बुर्द करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री पद की संवैधानिक गरिमा को ही गिरा दिया है क्योंकि त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मुख्यमंत्री के रूप में लॉ यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया गया था।

यही नहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने अपनी ही सरकार के शासन के आदेशों का खुला उल्लंघन करते हुए दर्शा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी में गुटबाजी चरम पर है तथा वे किसी भी काम का श्रेय दूसरे नेता को नहीं देना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार रानीपोखरी में कार्रवाई की जा रही है उससे आने वाले समय में मुख्यमंत्री की घोषणा और शिलान्यास से भी जनता का भरोसा पूरी तरह से उठ जायेगा।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, शीशपाल सिंह बिष्ट, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, विनोद चौहान व गुल मोहम्मद आदि उपस्थित थे।

सरकार बनने पर उसी स्थान पर बनेगी लॉ यूनिवर्सिटी

डॉ. हरक सिह रावत ने यह भी कहा कि जनता की जायज मांग को लेकर चलाये जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर जिस प्रकार उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस ने बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया, आंदोलन में शामिल महिलाओं के साथ अभद्रता की वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस आम जनता के साथ खडी है। कांग्रेस की सरकार बनने पर उसी स्थान पर लॉ यूनिवर्सिटी का निर्माण सुनिश्चित किया जायेगा।

सीएम ने क्रिकेट खेलकर किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मंजुल सिंह मांजिला स्मृति अंतर क्रिकेट टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना को बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता तथा संघर्षशीलता जैसे गुणों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

■ कहा -खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण, मंजुल सिंह मांजिला स्मृति अंतर क्रिकेट टूर्नामेंट का किया विधिवत शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "खेलो इंडिया" और "फिट इंडिया मूवमेंट" जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की मजबूत नींव रखी गई है। इन पहलों से युवाओं को खेलों से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिल रही है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, विधायक उमेश शर्मा काऊ, निदेशक खेल डॉ. आशीष चौहान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय सिंह राणा सहित क्लब के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने किया 211 कन्याओं का सामूहिक पूजन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को धोरण वार्ड के चिड़ोंवाली स्थित शिव मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शक्ति पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने 211 नौदुर्गा स्वरूपा कन्याओं का विधि-विधान पूर्वक सामूहिक कन्या पूजन किया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई पाव पखारें उनकी आरती उतारी तथा श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। साथ ही कन्याओं को दक्षिणा एवं उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना का प्रतीक है और कन्या पूजन हमारी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि कन्याओं में मां दुर्गा का स्वरूप देखा जाता है, इसलिए उनका सम्मान और आशीर्वाद समाज के लिए सुख-समृद्धि का आधार है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, पार्षद कल्पना राणा, सुरेंद्र राणा, आशीष थापा, मंजीत रावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

■ चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शक्ति पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री

विकास सम्बन्धी कार्यों को समय पर करें पूरा: कैड़ा

■ शहरी विकास मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

देहरादून। प्रदेश के शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर अधिकारियों ने मंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

मंत्री ने कहा कि आज हमारे द्वारा शहरी विकास विभाग के माध्यम से की जाने वाली जन कल्याणकारी योजनाओं का रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निदेर्शित करते हुए कहा कि विकास सम्बन्धी कार्यों को ससमय पूरा किया जाय जिससे जनमानस को किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। शहरी विकास मंत्री ने बैठक में कुम्भ मेला 2027 के अन्तर्गत होने वाले कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 2027 का कुम्भ दिव्य और भव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार दृढ़संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों को सभी तरह की सुविधाएं प्रदान की जाए इसके लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर सचिव शहरी विकास नितेश झा, मेला अधिकारी कुम्भ 2027 सोनिका, अपर सचिव शहरी विकास संतोष बडोनी तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रांतीय रक्षक दल संगठन का सीएम आवास कूच

देहरादून। राजधानी देहरादून में बुधवार को पीआरडी जवानों ने प्रांतीय रक्षक दल हित संगठन के बैनर तले अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास कूच किया। उनके इस प्रदर्शन को राजनीतिक संगठनों का समर्थन मिला. बुधवार को पीआरडी जवान परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। उसके बाद पैदल मार्च निकालते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़े पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हाथीबड़कला में बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान पीआरडी जवानों ने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन के प्रदेश संयोजक प्रमोद मंद्रवाल का कहना है कि वे वर्षो से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो समान काम के लिए समान वेतन मिल रहा है और न ही पूरे साल यानी 365 दिनों का रोजगार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा लंबे समय से सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है. जिसके चलते अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है. उनका कहना है कि वे सरकारी कार्यों में लगातार योगदान देते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें स्थायी रोजगार और उचित वेतन से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा प्रांतीय रक्षक दल उत्तराखंड के जवानों ने फिजिकल परसों में पत्राचार के माध्यम से विभाग को अवगत कराया है कि जवानों को वर्ष में 365 दोनों का रोजगार नहीं मिल रहा है। पीआरडी के जवानों को आपातकाल स्थिति जैसे सुरक्षाकर्मी, पुलिस थाना ,चौकी, ट्रैफिक, चार धाम यात्रा कुंभ मेला ड्यूटी, चुनाव ड्यूटी के अलावा अनु सेवकों कंप्यूटर ऑपरेटर वाहन चालक आदि विभिन्न विभागों में तैनात किया गया है।

राज्यपाल से मिले कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय डेंटल कमीशन के डेंटल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त होने के बाद रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) से शिष्टाचार भेंट की।

लोकभवन में आयोजित इस औपचारिक मुलाकात के दौरान डॉ. ऐरन ने अपनी नवीन नियुक्ति की जानकारी राज्यपाल को दी।

राज्यपाल ने डॉ. ऐरन को राष्ट्रीय डेंटल कमीशन जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में मिली जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उत्तराखंड के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि डॉ. ऐरन अपने अनुभव और दक्षता के बल पर सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें डेंटल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा आमजन तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने के लिए मार्गदर्शन भी दिया।

डॉ. हिमांशु ऐरन ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे इस महत्वपूर्ण दायित्व को पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे।

राज्यपाल ने किया देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को सपरिवार चैत्र नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर लोक भवन में पूरे विधि-विधान से देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि चैत्र नवरात्रि का पर्व केवल व्रत और उपवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नारी शक्ति के सम्मान और कन्याओं के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का भी प्रतीक है। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए सभी को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

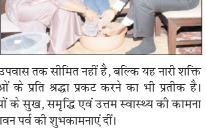

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-252 **निविदा सूचना** दिनांक- 25/03/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं या0-द्वितीय), लखवाड एम0पी0पी0 (300मे0वा0) डाकपत्थर द्वारा इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।
निविदा सं0 12/अ0अभि0 (वि0 एवं या0.-द्वितीय)/एल0पी/2025-26
कार्य/पूर्ति/सेवायें का नाम - लखवाड परियोजना के अन्तर्गत 33/11 के0वी हथियारी उपसंस्थान के 33 एव 11 ब्रेकरो की मरम्मत तथा अन्य सम्बंधित कार्य।
अनुमानित लागत- 24,28,704.00 (जी0एस0टी0 अतिरिक्त)
वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि: 25/03/2026 16:00 बजे से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 17/04/2026 15:00 बजे तक
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाईट **www.ujvnl.com** से डाउनलोड किये जा सकते है।
अधि0 अभि0 (वि0 एवं यां0-द्वितीय)
लखवाड़ एम0पी0पी0
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

यूजेवीएन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0 U40101UR2001SGCO25866 वेबसाइट : www.ujvnl.com

पत्र सं0: 254 दिनांक: 25/03/2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

अपरिहार्य कारणों से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या: 21/2025-26/EE(C-M)Vyasi Project, "महाप्रबन्धक (जानपद-अनुरक्षण), व्यासी परियोजना सह महाप्रबन्धक (जानपद) आराकोट त्यूनी एवं त्यूनी प्लासू, डाकपत्थर देहरादून, के प्रयोगार्थ एक नग डीजल वाहन (महिन्द्रा स्कॉर्पियो मॉडल S-11 क्लासिक/स्कॉर्पियो - N या समकक्ष) ड्राइवर सहित एक वर्ष के लिए किराये पर लगाने हेतु" की निविदा निरस्त की जाती है।
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट **https://ujvnl.uk.gov.in** देखें।
अधिशासी अभियन्ता (जानपद-अनुरक्षण)
व्यासी परियोजना, डाकपत्थर,
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-250 **ई-निविदा सूचना** दिनांक- 25/03/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनु0 एवं उत्पा0) ढालीपुर विद्युतगृह, इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित करता है। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है::
निविदा सं0-e-19/EE/M&G/DLR/ 2025-26
कार्य का नाम- ढालीपुर विद्युत गृह के ओपन स्टोर के लिए 5 टन क्षमता की मोनोरेल होइस्ट (क्रॉसट्रैवेल एवं लॉन्ग ट्रैवेल सिस्टम) के डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण तथा आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग (SITC) कार्य हेतु
कार्य की अनुमानित लागत : रू0 49,04,900/(जीएसटी अतिरिक्त)
निविदा की उपलब्धता की तिथि: 25.03.2026 17:00 बजे से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 15.04.2026को 17:00 बजे तक
अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.uktenders.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।
(अधिशासी अभियन्ता)
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्जवल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष संख्या: 0135-2763808, फैक्स नं0 0135-2763508
CIN No. U4101UR2001SGC025866 Website: www.ujvnl.com

पत्रांक: 253 **तिथि विस्तार सूचना-1 निविदा पुनः** दिनांक 25.03.2026

अपरिहार्य कारणों से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनु0), छिबरो विद्युत गृह, छिबरो द्वारा आमंत्रित ई0-निविदा सं0: सी.एच.(अनु0)-20/2025-26 की तिथियाँ निम्नवत विस्तारित की जाती हैं।

निविदा डाउनलोड होने की अन्तिम तिथि :	08.04.2026 16:00 बजे
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि :	08.04.2026 16:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि/समय :	09.04.2026, 11:00 बजे

अन्य जानकारी हेतु कृपया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल "http:/uktenders.gov.in" देखें।
अधिशासी अभियन्ता
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

बहादराबाद में '4 साल बेमिसाल' शिविर पर उठे सवाल, कई विभाग रहे नदारद

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। बहादराबाद ब्लॉक परिसर में बुधवार को सरकार के '4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर व्यवस्था और जनभागीदारी के लिहाज से अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था, लेकिन मौके पर दिखी अव्यवस्था और विभागों की अनुपस्थिति ने इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। शिविर में कुल पांच शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से केवल दो का ही मौके पर निस्तारण हो पाया। शेष तीन शिकायतों से संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित ही नहीं थे, जिसके चलते शिकायतकर्ताओं को निराश होकर लौटना पड़ा। शिविर में इब्राहिमपुर निवासी संजय कुमार ने राजकीय जूनियर हाई स्कूल के सामने रजवाहे पर पुलिया निर्माण की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को रोजाना खतरे का सामना करना पड़ता है और कई बार बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। उन्होंने इस समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। जनसुनवाई में बेहद कम संख्या में शिकायतें आने से यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या शिविर की जानकारी आम लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पाई, या फिर लोगों का ऐसे कार्यक्रमों से भरोसा कम होता जा रहा है। शिविर में सिंचाई, आपदा प्रबंधन, राजस्व और ग्राम विकास विभाग से जुड़ी शिकायतें सामने आईं, लेकिन कई विभागों के अधिकारियों की गैरमौजूदगी ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। इससे स्पष्ट हुआ कि समन्वय और तैयारी के स्तर पर कमी रही। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के रूप में रानीपुर विधायक आदेश चौहान, दर्जाधारी मंत्री देशराज कर्णवाल, जगपाल चौहान सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन विभागीय उपस्थिति अधूरी रहने से शिविर का उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो सका। गौरतलब है कि '4 साल बेमिसाल' शिविर का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना था, लेकिन कम जनभागीदारी और संबंधित विभागों की अनुपस्थिति ने इसकी प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भविष्य में ऐसे आयोजनों की सफलता के लिए बेहतर योजना, व्यापक सूचना प्रसार और सभी विभागों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक होगा।

प्रेस क्लब चुनाव में नामांकन के दिन अध्यक्ष पद पर दो व महासचिव पद पर तीन सदस्यों ने नामांकन लिया

कार्यकारिणी पद पर 26 सदस्यों ने नामांकन लिया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रेस क्लब चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बुधवार को अध्यक्ष पद के लिए दो, महासचिव पद के लिए तीन तथा कार्यकारिणी पद के लिए 26 सदस्यों ने नामांकन पत्र लिए। अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी तथा पूर्व में महामंत्री रहे अश्वनी अरोरा ने नामांकन पत्र लिया। महासचिव पद के लिए नवीन चौहान, सूर्यकांत बेलवाल और डॉ.हिमांशु द्विवेदी ने नामांकन पत्र लिया। कार्यकारिणी सदस्य के 20 पदों के लिए 26 सदस्यों ने नामांकन पत्र लिए। जिनमें ठाकुर शैलेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, कुमकुम शर्मा, सुदेश आर्य, जोगिंदर सिंह मावी, कुमार दुष्यंत, तनवीर अली, केके पालीवाल, डा.शिवा अग्रवाल, बालकृष्ण शास्त्री, देवेंद्र शर्मा, ललितेंद्र नाथ, विकास चौहान, अमित कुमार शर्मा, महेश पारीक, रोहित सिखोला, नरेश दीवान शैली, मेहताब आलम, शिवप्रकाश शिव, कुलभूषण शर्मा, आफताब खान, सूर्यकांत बेलवाल, संजय चौहान, बृजपाल सिंह, गोपाल कृष्ण पट्टवर और रूपेश वालिया शामिल हैं। बृहस्पतिवार को 11 बजे से तीन बजे तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।

गणेश शंकर विद्यार्थी को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गणेश शंकर विद्यार्थी के बलिदान दिवस पर प्रेस क्लब सभागार में अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी एवं प्रेस क्लब के पत्रकारों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। इस अवसर अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी का बलिदान स्मृतियों में जीवित रहेगा। महान स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन दर्शन से प्रेरणा मिलती है। उन्होंने राष्ट्र की एकता अखंडता को बनाए रखने में अपना जीवन समर्पित किया। धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि उनके द्वारा प्रताप नाम से साप्ताहिक अखबार का संपादन भी किया। अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को जागरूक करने में निर्णायक भूमिका निभाई। इस दौरान ललितेंद्र नाथ, बालकृष्ण शास्त्री, संजय आर्य, राहुल वर्मा, सुनीलदत्त पांडे, विजेंद्र हर्ष, शैलेंद्र ठाकुर, मनोज खन्ना, सुनील पाल, सुमित सैनी, पुलकित शुक्ला, सुमेश खत्री, शाहनवाज, सुमित यश कल्याण आदि पत्रकार मौजूद रहे।

भाजयुमो के जिला मंत्री बनने पर अर्श नैय्यर का स्वागत

युवाओं को साथ लेकर संगठन को सशक्त बनाएंगे : अर्श नैय्यर

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री बनाए जाने पर अर्श नैय्यर का उत्तरी हरिद्वार में युवाओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने अर्श नैय्यर को फूलमालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री दीपांशु शर्मा ने कहा कि अर्श नैय्यर एक ऊर्जावान और कर्मठ युवा कार्यकर्ता हैं, जिनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा संगठन की रीढ़ है और अर्श नैय्यर जैसे युवाओं के आगे आने से पार्टी को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। वहीं आनंद सागर ने कहा कि संगठन ने एक योग्य और समर्पित कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि अर्श नैय्यर युवाओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे। इस मौके पर अर्श नैय्यर ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को संगठन से जोड़ना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। कहा कि 2027 के चुनाव में भाजपा सरकार बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में गौरव सचदेवा, विमल त्यागी, आलोक शर्मा, आनंद सागर हांडा, पंकज नैय्यर, तेजस गर्ग, विशाल भारद्वाज, सुभाष शर्मा, पार्थ मोदी, रुद्र वालिया, युवराज अरोड़ा, देवमल, कृष्ण गुजराल, सक्षम बब्बर, शिवांश अरोड़ा, गौरव वर्मा, अरिहंत जैन, टिंकू सलमानी, रमन ठाकुर, गगन राजदेव, संदीप कुमार, अतुल और सुभाष अदलखा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत, पोस्टमार्टम में हार्ट अटैक की पुष्टि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत के दौरान हुई आरोपी की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में मौत का कारण हृदय गति रुकना (हार्ट अटैक) बताया गया है। एहतियात के तौर पर मृतक के हृदय का सैंपल सुरक्षित रखकर विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, एसीजेएम न्यायालय में विभिन्न मामलों में फर्जी तरीके से जमानत के लिए शपथ पत्र दाखिल करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को उज्जवल सिंह, नरेंद्र, कमलेश और नरेश को हिरासत में लिया था। देर रात होने के कारण चारों को अदालत में पेश नहीं किया जा सका। मंगलवार सुबह पुलिस चारों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए रोशनाबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। इसी दौरान 47 वर्षीय नरेश पुत्र चंद्रभान निवासी रावली महदूद की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसने पहले पेट दर्द और उसके बाद सीने में तेज दर्द की शिकायत की। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी सिडकुल नितेश शर्मा ने बताया कि बुधवार को प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। उन्होंने कहा कि मामले के अन्य पहलुओं की जांच भी जारी है तथा हृदय का सैंपल एफएसएल भेजा गया है।

न्यायालय गठित समिति की मौजूदगी में

थाना सिडकुल में 181 आबकारी केस का निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर थानों के मालखानों में लंबित मालों के निस्तारण की कार्रवाई के तहत थाना सिडकुल पुलिस ने प्रभावी कदम उठाए। इसी क्रम में आबकारी अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों का निस्तारण किया गया। थाना सिडकुल के मालखाने में रखे आबकारी अधिनियम के 60 प्रकरणों से संबंधित कुल 181 मालों के निस्तारण के लिए पूर्व में माननीय न्यायालय से पत्राचार किया गया था। न्यायालय द्वारा गठित समिति के आदेशानुसार बुधवार को उक्त 181 मालों, जिनमें कच्ची, देशी एवं अंग्रेजी शराब शामिल थी, का नियमानुसार निस्तारण किया गया। निस्तारण की कार्रवाई न्यायालय द्वारा गठित समिति की मौजूदगी में संपन्न हुई। समिति में द्वितीय अपर सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिद्वार, उपजिलाधिकारी हरिद्वार तथा सहायक अभियोजन अधिकारी एन.के. मिश्रा शामिल रहे। इस दौरान थाना सिडकुल पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। टीम में उप निरीक्षक नितेश शर्मा (थानाध्यक्ष सिडकुल), हे.कां. अजय सिंह रावत (मालखाना मोहर्रिर), हे.कां. विनोद चौहान, हे.कां. राकेश शामिल रहे।

उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने नगर आयुक्त एवं मेयर प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने नगर आयुक्त नंदन कुमार एवं मेयर प्रतिनिधि सुभाषचंद को ज्ञापन सौंपकर संविदा सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। पहाड़ी जन कल्याण ट्रस्ट की अध्यक्ष मुस्कान नेगी, जनहित संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष राहुल चौधरी एवं हिंदू रक्षक दल के राष्ट्रीय प्रमुख नवीन अग्रवाल ने कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए शीघ्र पूरा करने की मांग की है। नगर आयुक्त को 18 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष कन्हैया चंचल ने कहा कि दैनिक संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए। नगर निगम में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को बीमा, पीएफ, इएसआई का लाभ दिया जाए। सफाई कर्मचारियों की भर्ती में स्थानीय लोगों को वरीयता दी जाए। मृतक आश्रितों को नौकरी दी जाए। सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का बकाया भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। जनहित संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष राहुल चौधरी एवं पहाड़ी जन कल्याण ट्रस्ट की अध्यक्ष मुस्कान नेगी ने कहा कि शहर को स्वच्छ सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मचारी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर कर्मचारी लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों को कर्मचारियों की मांगों का संज्ञान लेते हुए तत्काल समाधान करना चाहिए। मुस्कान नेगी ने कहा कि शिक्षित, योग्य एवं अनुभवी कर्मचारियों की तैनाती के साथ पदोन्नति भी दी जाए। डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएं। ठेका प्रथा को समाप्त किया करने के साथ कर्मचारियों की वेतन संबंधी समस्याओं को हल किया जाए। कर्मचारियों को हाउस टैक्स, वॉटर टैक्स, बिजली बिलों से मुक्त किया जाए। हिंदू रक्षक दल के राष्ट्रीय प्रमुख नवीन अग्रवाल ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए। उन्होंने कहा कि कम वेतन पर काम कर रहे संविदा कर्मचारी आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। लेकिन नियमित करने के नाम पर उन्हें आश्वासन दिए जा रहे हैं। सभी संविदा सफाई कर्मचारियों को तत्काल नियमित किया जाए। जिससे उन्हें राहत मिल सके। कन्हैया चंचल ने बताया कि मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है। मेयर प्रतिनिधि सुभाषचंद ने भी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन कर्मचारियों को दिया। इस दौरान ओमवती, बबीता, शकुंतला, ममता, अनीता, रीना, गुड्डु, सीमा, अनीता, सुरेंद्र, बीना, वंदना, मुकेश, आरती, जोगेंद्र, सोनिया, आशु, उमेशचंद पाण्डेय, आशीष कालरा, मुकेश डिबिया, कमलजीत, किरण पारचा, बबीता पवार, मुकेश, श्यामसिंह सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

स्मैक तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर के नेतृत्व में नशा तस्करों के विरुद्ध सघन अभियान चलाते हुए बुधवार को चेकिंग के दौरान रेगुलेटर पुल के पास नहरी पटरी से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 12.26 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हारुन पुत्र फैज आलम निवासी पिरान कलियर, उम्र 34 वर्ष बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली ज्वालापुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मनीष भंडारी, कांस्टेबल दिनेश तथा कांस्टेबल अनिल वर्मा शामिल रहे।

एसएसपी ने एकाउंट सेक्शन व कंप्लेंट सेल का किया वार्षिक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एसएसपी नवनीत सिंह ने बुधवार को पुलिस कार्यालय स्थित एकाउंट सेक्शन और कंप्लेंट सेल का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एकाउंट सेक्शन के निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने जवानों के वेतन समय पर तैयार करने तथा भत्तों का भुगतान निधारित अवधि में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों से जुड़े वित्तीय मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएं।

इसके बाद एसएसपी ने कंप्लेंट सेल पहुंचकर शिकायत रजिस्टरों का अवलोकन किया और लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को समयबद्ध तरीके से संबंधित थानों को प्रेषित किया जाए तथा उनके निस्तारण की अद्यतन जानकारी नियमित रूप से रजिस्टरों में दर्ज की जाए। एसएसपी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण ही पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत बनाता है। उन्होंने अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

दहेज हत्या के मामले में 6 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। थाना क्षेत्र के गांव नसीरपुर खुर्द से दहेज हत्या के मामले में छह माह से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार गांव नसीरपुर कला निवासी गुरनाम पुत्र चरण सिंह ने 26 नवंबर को तहरीर देकर बताया मेरी बहन को जसविंदर पुत्र अर्जुन निवासी नसीरपुर खुर्द ने दहेज उत्पीड़न मारपीट कर उत्पीड़न करता था जब उनकी मांग पूरी नही हुई तो उसने मेरी बहन की हत्या कर दी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न एव हत्या का मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू की थी। तभी से ही आरोपी घर से फरार चल रहा था। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार विवेचना क्षेत्र अधिकारी लक्सर में टीमों का गठन कर आरोपी की धरपकड़ के लिये छापामारी की इस दौरान मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी जशविन्दर को धनपुरा डोगीवाला मार्ग से गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले छह माह से फरार चल रहा था। तथा ठिकाने बदल कर रह रहा था। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है। पथरी थानाध्यक्ष मनोज नोटियाल ने बताया दहेज हत्या के मामले में आरोपी छह माह से फरार चल रहा था। जिसको मुखबिर तंत्र की मदद से गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है।

शांति भंग में दो युवकों गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र के बुधवार को चौकी रेल पर प्राप्त प्रार्थना पत्र की जांच के दौरान चौकी प्रभारी बाजार उपनिरीक्षक अंशुल अग्रवाल ने चेतक कर्मियों के माध्यम से दोनों पक्षों को चौकी बाजार ज्वालापुर बुलाया। पुलिस द्वारा दोनों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन इसी दौरान दोनों पक्ष पुलिस के सामने ही आपस में लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो गए। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सावेज पुत्र इस्तखार निवासी मोहल्ला घोसियान, अली नवाज पुत्र दिलशाद निवासी मोहल्ला घोसियान,को शांति भंग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अंशुल अग्रवाल, कां. आलोक नेगी, शामिल शामिल रहे।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अघोषित बिजली कटौती किए जाने के विरोध में व्यापारियों ने न्यू हरिद्वार चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृदुल कौशिक के संयोजन में चंद्राचार्य चौक पर एकत्र होकर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष मृदुल कौशिक ने कहा कि व्यापारी पहले से ही मंदी की मार झेल रहे हैं। बिजली विभाग द्वारा अघोषित बिजली कटौती किए जाने से व्यापारियों पर दोहरी मार पड़ रही है। मध्य हरिद्वार क्षेत्र में रोजाना घंटों के हिसाब से अघोषित बिजली कटौती जा रही है। भारी भरकम बिजली बिलों का भुगतान करने के बावजूद बिजली नहीं मिल रही है। बिजली जाने पर काम पूरी तरह ठप्प हो जाता है। बिजली जाने का कारण भी स्पष्ट नहीं किया जा रहा है। मृदुल कौशिक ने कहा कि फोन करने पर विभाग के अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं। व्यापारियों का एवं आमजन का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीजल महंगा होने के कारण व्यापारी जनरेटर भी नहीं चला पा रहे हैं। यदि बिजली विभाग के अधिकारियों ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली और अघोषित बिजली कटौती बंद नहीं की गयी तो विभाग के दफ्तरों पर तालाबंदी कर और पुतला फूंक कर विरोध जताया जाएगा। महामंत्री दीपक अग्रवाल एवं अनूप सिंह सिद्धू ने कहा कि ऊर्जा प्रदेश में बिजली संकट से व्यापारी हताश और निराश हैं। प्रदर्शन करने वालों में अनूपसिंह सिद्धू, दीपक अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सचिन गुप्ता, मयंक शर्मा, उपेंद्र शर्मा, अंकुश गोयल, विनोद कुमार, यश गुलाटी, संजीव कुमार, राजेश कुमार, कपिल कुमार, हिमांशु सैनी, सुशील कुमार, संदीप कौशिक आदि व्यापारी शामिल रहे।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरी पुत्री मोनिका ने अपनी मर्जी से गांव के रहने वाले रोहित पुत्र विक्रम सिंह के साथ कोर्ट मैरिज कर लिया है। मोनिका के इस कृत्य से मेरी व मेरे परिवार की समाज में मान प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। जिसके चलते मोनिका को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इसके किसी भी कृत्य व लेन-देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। श्री अर्जुन पुत्र रतन निवासी धारीवाला, पो0 शाहपुर, पथरी, हरिद्वार, हाल निवासी ग्राम गंगदासपुर, फेरूपुर रामखेड़ा, थाना पथरी, तहसील व जिला हरिद्वार।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एक संपत्ति जो कि स्थित फ्लैट आरोग्यम ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, मौजा बढ़ेड़ी राजपूतान, परगना व तहसील रूड़की, जिला हरिद्वार है से संबंधित एक पिछला/पुराना असल विक्रय पत्र जो कि उप निबंधक कार्यालय रूड़की में दिनांकित 03-10-2015 को पंजीकृत है जिसका बही नं 1 जिल्द 2852, पृष्ठ 99 से 130, दस्तावेज नंबर 8921 है। यह असल विक्रय पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। इस संबंध में पुलिस में गुमशुदगी दर्ज की गयी है। यह किसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक इत्यादि में बंधक नहीं रखा गया है और ना ही इसका कोई दुरूपयोग किया गया है। आयुषी गुप्ता पुत्री अरविन्द गुप्ता, निवासी मकान नं 158/8 सोलानीपुरम, शिव मंदिर के पास, रुड़की जिला हरिद्वार।

एसएसपी ने थाना श्यामपुर का किया सालाना निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताई संतुष्टि

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बुधवार को थाना श्यामपुर का सालाना निरीक्षण किया। थाना आगमन पर सेरेमोनियल गार्ड द्वारा उन्हें सशस्त्र सलामी दी गई। इसके बाद एसएसपी ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट, कर्मचारी मैस, बैरक, आवासीय परिसर, मालखाना सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने जवानों के लिए गुणवत्तापूर्ण और ताजा भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने जीवन रक्षा उपकरणों को हमेशा कार्यशील स्थिति में रखने तथा निष्प्रयोज्य सामग्री को स्टोर से बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्लाह की निर्धारित समयावधि में सफाई और जवानों के नियमित अभ्यास को भी आवश्यक बताया। इसके साथ ही उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए साफ-सफाई बनाए रखने और साप्ताहिक रूप से कीटनाशक छिड़काव कराने के निर्देश दिए। एसएसपी ने सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट को सुचारु रूप से संचालित रखने, थाना रजिस्टरों को अपडेट करने तथा क्षतिग्रस्त बैरकों और कमरों की समय रहते मरम्मत कराने पर जोर दिया। मालखाना मोहर्रिर को मुकदमों से संबंधित माल के शीघ्र निस्तारण और लावारिस वाहनों के संबंध में आवश्यक पत्राचार करने को कहा गया। विवेचकों को मुकदमों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न करने और गुण-दोष के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने थाना क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर नियमित गश्त बढ़ाने को कहा। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु की स्थिति में शव को सम्मानपूर्वक बॉडी बैग में रखने और पोस्टमार्टम कार्यवाही के दौरान उसका उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। फर्स्ट एड बॉक्स को हर समय तैयार रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर घायल की मदद में उसका उपयोग करने को भी कहा गया। निरीक्षण के समापन पर एसएसपी नवनीत सिंह ने थाना परिसर में चंदन का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इसके बाद आयोजित सैनिक सम्मेलन में उन्होंने पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनके निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी अभय प्रताप, सीओ सिटी शिशुपाल सिंह, श्यामपुर थाना प्रभारी मनोहर भंडारी, आदि मौजूद रहे हैं।

पिकअप में बछड़े ले जा रहे दो युवक दबोचे, पिटाई के बाद पुलिस के हवाले

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में दो बछड़ों को पिकअप वाहन में ले जा रहे दो युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। गौकशी की आशंका पर लोगों ने दोनों युवकों की पिटाई कर दी और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल बताया जा रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर निवासी पीयूष शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने साथियों के साथ गुरुकुल कांगड़ी के पीछे अमला बाग के पास मौजूद थे। इसी दौरान बाल्मीकि बस्ती की ओर से शोर सुनाई दिया कि कुछ युवक छोटे बछड़ों को जबरन पिकअप वाहन में भरकर ले जा रहे हैं। सूचना मिलने पर वह और उनके साथी मौके पर पहुंचे। उन्हें देखकर दो युवक पिकअप से उतरकर भागने लगे, जिन्हें लोगों ने पीछा कर कुछ दूरी पर पकड़ लिया। पूछताछ में युवकों ने अपने नाम अमीर कुरैशी पुत्र इदरीश, निवासी जुरासी, थाना सीविल लाईन रूड़की और मुनीर पुत्र दिलशाद निवासी मौ. टोली, मंगलौर बताए। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने दोनों की पिटाई भी कर दी। आरोप है कि वे बछड़ों को गौकशी के लिए ले जा रहे थे। सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की भी जानकारी मिली है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी

ब्यूरो चीफ

शाह टाइम्स हरिद्वार

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

चैत्र नवरात्र पर ऊखीमठ में गूंजा भक्तिमय वातावरण

जिलाधिकारी एवं विधायक केदारनाथ ने भोलेश्वर महादेव में किया जलाभिषेक, 101 कन्याओं का पूजन एवं भव्य भंडारे के साथ जनपद की सुख-समृद्धि की कामना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पावन चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर जनपद रुद्रप्रयाग में आस्था, श्रद्धा एवं भक्ति का अनुपम वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा तथा विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल द्वारा ऊखीमठ पहुंचकर स्थित प्राचीन भोलेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई।

इस दौरान जिलाधिकारी एवं विधायक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक कर जनपदवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना की कि जनपद में सदैव सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे तथा सभी के जीवन में कल्याण हो। साथ ही आगामी श्री केदारनाथ यात्रा के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु भी आशीर्वाद मांगा गया। मंदिर प्रांगण में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन के तहत 101 कन्याओं का विधिवत कन्या पूजन एवं देवी पूजन किया गया। इसके उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल ने समस्त जनपदवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऊखीमठ स्थित भोलेश्वर महादेव मंदिर में 101 कन्याओं का पूजन अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के माध्यम से बेटियों को सशक्त बनाने की जो पहल की जा रही है, उसका सकारात्मक प्रभाव समाज में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उन्होंने इस आयोजन के सफल संचालन हेतु स्थानीय जनमानस का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान क्षेत्र पंचायत प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, खंड विकास अधिकारी ऊखीमठ अनुष्का, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे, तहसीलदार रमेश रावत सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। विधानसभा क्षेत्र 15 चकराता के अंतर्गत बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) एवं सुपरवाइजरों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 एवं 25 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्लॉक कालसी सभागार तथा कैण्ट इंटर कॉलेज चकराता में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी चकराता द्वारा की गई। प्रशिक्षण के दौरान डीएलएमटी/एएलएमटी सुनील नैथानी (प्रवक्ता, पीएम श्री एयूजीआईसी कालसी) ने बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं सुपरवाइजरों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, विभिन्न प्रपत्रों को सही तरीके से भरने तथा बीएलओ ऐप के प्रभावी उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय से अनिल जोशी (ऑपरेटर, विधानसभा चकराता) द्वारा प्रशिक्षण से संबंधित एक प्रश्न-पत्र भी प्रतिभागियों से हल करवाया गया, जिससे उनकी जानकारी का आकलन किया गया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चकराता में मैपिंग का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, जो जनपद देहरादून में सर्वाधिक है। कार्यक्रम में ईआरओ/एईआरओ विधानसभा चकराता, सुपरवाइजर अखिलेश, अनिल चौहान, दीपक कौशल सहित बूथ लेवल ऑफिसर्स शूरवीर सिंह चौहान, राजेन्द्र नौटियाल एवं अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीजी कालेज नई टिहरी में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

नई टिहरी: महाविद्यालय नई टिहरी के गृह विज्ञान विभाग की ओर से विभागीय परिषद के अंतर्गत बुधवार को ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के विषयगत ज्ञान को बढ़ाना और उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. मीनाक्षी टम्टा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करती हैं। क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में गृह विज्ञान विषय से जुड़े रोचक व ज्ञानपरक प्रश्न पूछे गए, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों की विषय समझ और तत्परता का आकलन किया गया। निर्णायक मंडल में डा. भारती जायसवाल, डा. हर्षिता जोशी व डा. चंद्रावती जोशी शामिल रहीं।

जौनसार के सचिन चौहान को 'उत्तराखंड साहित्य गौरव से किया जाएगा सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जौनसार (डेरियो) के युवा साहित्यकार एवं अनुवादक सचिन चौहान को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान उनकी अनूदित कृति 'हम भारत के राज्यों के लोग' के लिए प्रदान किया जा रहा है।

उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा साहित्य सृजन, सेवा एवं साहित्यिक योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2025 से अन्य भारतीय भाषाओं एवं लोक भाषाओं की श्रेष्ठ कृतियों के हिंदी अनुवाद के लिए 'गंगा प्रसाद विमल पुरस्कार' की शुरुआत की गई है। इस पुरस्कार के प्रथम प्राप्तकर्ता के रूप में सचिन चौहान का चयन किया गया है। यह सम्मान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 30 मार्च 2026 को

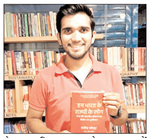

देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उन्हें सम्मान-चिह्न, प्रशस्ति पत्र, एक लाख रुपये की धनराशि एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सचिन चौहान ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं साहित्यकार डॉ. संजीव चोपड़ा की पुस्तक का उत्कृष्ट हिंदी अनुवाद किया है, जिसका शीर्षक 'हम भारत के राज्यों के लोगरू भारत की आंतरिक सीमाओं का निर्माण एवं पुनर्निर्माण' है। यह पुस्तक वर्ष 2024 में राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई थी। सचिन चौहान ने बताया कि अप्रैल 2023 में मसूरी के लैंडौर क्षेत्र में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के बाद उन्हें इस पुस्तक का अनुवाद करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद उन्होंने कई महीनों तक गहन अध्ययन, अनुवाद और संपादन कार्य किया। इस दौरान सोमेश्वर पांडेय तथा शैलेन्द्र कांत का उन्हें विशेष सहयोग मिला। अनुवाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मूल लेखक द्वारा भी सभी अध्यायों का अध्ययन एवं संपादन किया गया।

उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी माता स्वर्गीय प्यारो देवी एवं पिता धूम सिंह चौहान को समर्पित करते हुए अपने परिवार और मित्रों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने लेखक, प्रकाशक एवं सहयोगियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

लालढांग के पास पिकअप दुर्घटनाग्रस्त

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। हरिपुर कोटि मीनस मोटर मार्ग लाल ढ़ांग के समीप एक पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

बुधवार को 11 बजे दुर्घटना की सूचना मिलने पर कालसी थाना पुलिस टीम व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

वाहन दुर्घटना में पिकअप चालक अजय भाटी पुत्र दिलेराम (26) अम्बाड़ी मंगलवार को देर रात विकासनगर से राशन लेकर त्यूणी जा रहे थे। बीती रात को अचानक वाहन का संतुलन बिगडने से वाहन गहरी खाई में टोंस नदी में जा गिरा। जहा चालक की मौके पर ही मौत हो गई है। मौके पर कालसी पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने पहुंचकर मृतक के शव को खाई से बहार निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया गया। कालसी थानाध्यक्ष अरविंद चौधरी व टीम मे दरोगा हेमा बिष्ट, अमित राणा, रतिराम शर्मा व एसडीआरएफ डाकपत्थर टीम लीडर अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ यात्रा से पहले बदहाल हाईवे, बढ़ सकती हैं यात्रियों की मुश्किलें

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होने में अब एक माह से भी कम समय शेष है, लेकिन यात्रा मार्ग की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आगामी केदारनाथ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन भले ही तैयारियों का दावा कर रहा हो, मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।गौरीकुंड हाईवे के कई महत्वपूर्ण हिस्सों देवीधार, खुमेरा और रामपुर बाजार में सड़कें बदहाल स्थिति में हैं। कई स्थानों पर सड़कें इतनी क्षतिग्रस्त हैं कि वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। ऐसे हालात में यात्रा शुरू होते ही इन क्षेत्रों में भारी जाम की आशंका जताई जा रही है, जिससे हजारों तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हाल ही में हुई बारिश ने राजमार्ग विभाग की तैयारियों की पोल खोल दी है। जगह-जगह कीचड़ और गड्ढों के कारण भारी वाहन फंस रहे हैं, वहीं छोटे वाहन चालकों को भी जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की दैनिक आवाजाही भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।खुमेरा निवासी अंकित राणा का कहना है कि देवीधार और खुमेरा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा कार्यों के लिए बजट पहले ही स्वीकृत हो चुका था, इसके बावजूद विभाग ने मार्च माह में ही कार्यों में तेजी दिखाई, जो लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं की धीमी कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। वहीं स्थानीय निवासी संदीप रावत के अनुसार, रामपुर बाजार के समीप स्थित स्लाइडिंग जोन पिछले वर्ष से ही बड़ी समस्या बना हुआ है। बीते वर्ष यात्रा के दौरान यहां घंटों लंबा जाम लगा था, लेकिन इस बार भी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। हालिया बारिश के बाद यहां कीचड़ और अधिक बढ़ गया है, जिससे मार्ग और अधिक खतरनाक हो गया है।स्थानीय लोगों में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो यात्रा शुरू होने के बाद हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने और कार्यों में तेजी लाने की मांग की है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके। वहीं एनएच लोनिवि खण्ड ओंकार पाण्डे ने कहा कि केदारनाथ यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है। जिन स्थानों पर लैंड स्लाइड का खतरा बना है, वहां ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

जवाड़ी में छात्रों को किया गया बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता

रुद्रप्रयाग। जनपद मुख्यालय के नजदीक स्थित राजकीय इंटर कॉलेज जवाड़ी में बाल सुरक्षा एवं किशोरावस्था विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं बाल कल्याण समिति रुद्रप्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को किशोरावस्था से जुड़े शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक परिवर्तनों के प्रति जागरूक करना रहा। साथ ही बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने इस दौरान "गुड टच और बैड टच", मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा गलत संगत से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

जनगणना 2027 को लेकर फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपंन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जनपद रुद्रप्रयाग में आयोजित फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलता पूर्वक संपंन हो गया। यह प्रशिक्षण 23 से 25 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें जिला स्तर के मास्टर ट्रेनर लोकेन्द्र बिष्ट (मुख्य कृषि अधिकारी) सहित जनगणना निदेशालय देहरादून से नामित मास्टर ट्रेनर नितीश रावत एवं गौरव पुरोहित ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भवन गणना एवं व्यक्ति गणना से संबंधित विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। अंतिम दिवस पर पूर्व में कराई गई गतिविधियों का पुनरावलोकन करते हुए फील्ड ट्रेनरों की समझ को और

अधिक सुदृढ़ किया गया।

इसी क्रम में विकासखंड क्षेत्र के संदर गांव में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) ऐप का प्रायोगिक प्रशिक्षण (हैंड्स-ऑन) आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए जनगणना कार्य के प्रति जागरूकता दिखाई। ग्राम प्रधान द्वारा भी कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए पूरे गांव को तीन एचएलओ ब्लॉकों में विभाजित किया गया तथा 16 फील्ड ट्रेनरों की तीन टीमों का गठन किया गया। सभी टीमों ने गांव के विभिन्न परिवारों से संपर्क कर जनगणना के प्रथम चरण से संबंधित प्रश्नों का व्यावहारिक अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि जनपद में जनगणना 2027 का प्रथम चरण 24 अप्रैल से 25 मई के बीच संचालित किया जाएगा, जिसके लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रुद्रप्रयाग के झटगढ़ गांव में गड्ढे में फंसा गुलदार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तर जखोली रेंज के अंतर्गत अगस्त्यमुनि क्षेत्र के समीप स्थित चमराड़ा-झटगढ़ गांव में बुधवार को एक तेंदुआ (गुलदार) पानी के स्टोरेज टैंक में फंस गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रुद्रप्रयाग वन प्रभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर टीम रवाना की।

वन विभाग की क्विक रिस्पॉन्स टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी की और स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर रखा, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके बाद रेस्क्यू रिस्पॉन्स टीम ने सावधानीपूर्वक अभियान चलाते हुए गुलदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह रेस्क्यू अभियान उप प्रभागीय वनाधिकारी देवेन्द्र सिंह, वन क्षेत्राधिकारी सुरेन्द्र नेगी

(उत्तर जखोली रेंज) तथा हरिशंकर रावत के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपंन हुआ। प्रभागीय वनाधिकारी रजत सुमन ने बताया कि गुलदार को बिना किसी चोट के उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इस दौरान न तो कोई जनहानि हुई और न ही वन्यजीव को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा।

वन विभाग ने बताया कि क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए नियमित गश्त, कैमरा ट्रैपिंग और जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वन्यजीव से जुड़ी किसी भी जानकारी की तुरंत विभाग को सूचना दें और सतर्कता बरतें।

बॉक्स न्यूज

त्राहिमाम्-त्राहिमाम् जैसे बने हैं हालात,

रुद्रप्रयाग। इन दिनों अगस्त्यमुनि के साथ ही जखोली और ऊखीमठ विकासखण्ड के विभिन्न इलाकों में गुलदार की दहशत देखने को मिल रही है। बीते दिनों केदारघाटी के त्रियुगीनारायण और शेरसी गांव में गुलदार ने आतंक मचाया था। यहां त्रियुगीनारायण में दर्जनों बकरियों को गुलदार ने मार गिराया था, जबकि शेरसी में दुधारू मवेशियों को निवाला बनाया था। केदारघाटी के अलावा अगस्त्यमुनि और जखोली विकासखण्ड में भी गुलदार सक्रिय नजर आ रहा है। यहां भी आए दिन गुलदार की धमक से लोग दहशत में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता नरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गुलदार के आतंक से ग्रामीण जनता परेशान हैं। गुलदार ने ग्रामीण जनता का पशुपालन व्यवसाय को खत्म करके रख दिया है। ग्रामीण महिलाएं चारापत्ति लाने से भी कतरा रही हैं। जिले में गुलदार की दहशत से त्राहिमाम्-त्राहिमाम जैसे हालात बने हुए हैं।

राजराजेश्वरी सिंह भवानी मंदिर में अयुत महायज्ञ शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

गुप्तकाशी/रुद्रप्रयाग। ग्राम पंचायत बणसू स्थित आराध्य राजराजेश्वरी सिंह भवानी मंदिर में बुधवार से 9 दिवसीय अयुत महायज्ञ का शुभारंभ हो गया है। महायज्ञ में क्षेत्र सहित दूर-दराज से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं। यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी एक अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा।

क्षेत्र के प्रसिद्ध जाख देवता के सानिध्य में पल्लवित मां राजराजेश्वरी सिंह भवानी की देवरा यात्रा के उपरांत जाखधार में विराजमान होने के शुभ अवसर पर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना के साथ इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

महायज्ञ का शुभारंभ ह्यून, देवशाल और कोठड़ा क्षेत्र के ब्रह्मा एवं आचार्यों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के

साथ किया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों के हक-हकूकधारी, वेदपाठी और यजमानों द्वारा पूजा-अर्चना एवं यज्ञ में आहुति दी जा रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत एक अप्रैल को मंदिर परिसर में भव्य जल कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। वहीं दो अप्रैल को विधिवत पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ का समापन किया जाएगा।

आचार्य आकाश सेमवाल ने बताया कि क्षेत्र में कई वर्षों बाद इस प्रकार के भव्य महायज्ञ का आयोजन हो रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर मां काली के द्वितीय स्वरूप राजराजेश्वरी सिंह भवानी की विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना की जा रही है। इस अवसर पर हर्षवर्धन देवशाली, भगवती प्रसाद, सुबोध राणा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्कूल मार्ग पर बढ़ती असामाजिक गतिविधियों से ग्रामीणों में आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के अगस्त्यमुनि क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रायड़ी में स्कूल मार्ग पर बढ़ती असामाजिक गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में ग्राम प्रधान द्वारा थाना अगस्त्यमुनि को लिखित पत्र प्रेषित कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रायड़ी-बुराडा विद्यालय मार्ग पर आए दिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खुलेआम शराब सेवन, गंदगी फैलाने तथा वहां से गुजरने वाली महिलाओं और छात्राओं के लिए असहज वातावरण उत्पन्न किया जा रहा है। इस कारण क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

ग्राम प्रधान का कहना है कि यह मार्ग विद्यालय के समीप होने के कारण अत्यंत संवेदनशील है, जहां से प्रतिदिन छात्र-छात्राएं और अभिभावक गुजरते हैं। ऐसी गतिविधियों से न केवल सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है, बल्कि ग्रामीणों में असंतोष भी लगातार बढ़ रहा है।ग्राम प्रधान सुधाता देवी ने कहा कि, "स्कूल मार्ग पर इस प्रकार की गतिविधियां बेहद चिंताजनक हैं। इससे बच्चों, महिलाओं और अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए और आवश्यकता पड़ने पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं, ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।"

उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने तथा समय-समय पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके और क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण बहाल हो सके।

मदमहेश्वर घाटी में सार्वजनिक आयोजनों में शराब बंद

शाह टाइम्स संवाददाता

उखीमठ/रुद्रप्रयाग। मदमहेश्वर घाटी की ग्राम पंचायत गड़गू में सामाजिक सुधार की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सार्वजनिक कार्यों एवं आयोजनों में शराब परोसने पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई है। ग्राम सभा के इस निर्णय के बाद क्षेत्र में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है, वहीं महिलाओं और युवाओं ने मिलकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी शुरू कर दिया है।

ग्राम प्रधान सरिता नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। बैठक में कहा गया कि विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक कार्यक्रमों सहित अन्य सार्वजनिक आयोजनों में शराब परोसने से सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता है, जिससे आपसी विवाद, घरेलू हिंसा और अन्य सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में गांव को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से यह ठोस कदम उठाया गया है। निर्णय के बाद महिला मंगल दल, युवक मंगल दल और अन्य सामाजिक संगठनों ने गांव के प्रत्येक तोक और बस्ती में जाकर लोगों को जागरूक किया। रैलियों, नारों और घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को शराब के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

युवाओं ने भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कहा कि गांव का भविष्य स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण में ही सुरक्षित है। उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने वालों के खिलाफ सामाजिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई की बात कही और सभी से इस निर्णय का पालन करने की अपील की। इस संबंध में ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी अनिल सिंह रावत को ज्ञापन सौंपकर गांव के निर्णय से अवगत कराया तथा प्रभावी निगरानी और आवश्यक प्रशासनिक सहयोग की मांग की, ताकि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

ग्रामीणों का मानना है कि इस निर्णय से गांव में सामाजिक समरसता बढ़ेगी, पारिवारिक वातावरण बेहतर होगा और युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम प्रधान सरिता नेगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष दलवीर नेगी, महिला मंगल दल अध्यक्ष सागरा देवी, सचिव सीमा देवी, कोषाध्यक्ष कुसुम देवी, नव युवक मंगल दल अध्यक्ष नवीन सिंह, कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया 'प्रज्ञानम' एआई चैटबॉट का लोकार्पण

■ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, सभ्यता और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा 'प्रज्ञानम': राज्यपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को लोक भवन में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'प्रज्ञानम्' एआई चौटबॉट का लोकार्पण किया।

'प्रज्ञानम्' एआई चौटबॉट भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह चौटबॉट भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़े विषयों पर जिज्ञासुओं के प्रश्नों का त्वरित, सटीक एवं संदर्भ आधारित उत्तर प्रदान करने में सक्षम है। इसे विश्वविद्यालय द्वारा 'वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च' पहल के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा पर किए गए शोध कार्यों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत विषयवस्तु के आधार पर विकसित किया गया है। यह चैटबॉट विशेष रूप से वेद, उपनिषद, पुराण, प्राचीन भारतीय गणित, नाट्यशास्त्र, संगीत, आयुर्वेद, दर्शन एवं भारतीय विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित विस्तृत डेटाबेस पर निर्मित है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आम नागरिकों को भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित प्रमाणिक जानकारी डिजिटल माध्यम से सरल एवं त्वरित रूप में उपलब्ध कराना है। यह चैटबॉट https://pragyanam.live/ पर ऑनलाइन उपलब्ध हो गया है, जहां आम नागरिक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी इसे आसानी से उपयोग कर सकते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंप. रा वेद, पुराण उपनिषद और प्राचीन सभ्यता में निहित ज्ञान आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि 'प्रज्ञानम्' जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस अमूल्य ज्ञान को 21वीं सदी की आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सकेगा। लोकार्पण के अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस चौटबॉट के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी और कहा कि देश-विदेश के विद्यार्थी, शोधकर्ता और सामान्य लोग भारतीय ज्ञान परंपरा को डिजिटल माध्यम से आसानी से प्राप्त कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. के. जोशी ने 'प्रज्ञानम्' चैटबॉट का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और इसकी कार्यप्रणाली तथा उपयोगिता के बारे में जानकारी साझा की। लोकार्पण कार्यक्रम को संत समाज तथा शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. परविंदर कौशल, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाकांत पाण्डेय, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी रामनवमी की शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम हमारी आस्था के प्रतीक हैं और उनका आदर्श चरित्र हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनका व्यक्तित्व धैर्य, मर्यादा, त्याग, तपस्या, नैतिक आचरण, सदाचार एवं परा. ेपकार जैसे गुणों का अनुपम उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने जीवन की प्रत्येक कठिनाई का सामना जिस आदर्श और धैर्यपूर्ण तरीके से किया, वह सम्पूर्ण मानव समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। उन्होंने कामना की कि रामनवमी का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

अल्मोड़ा में क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

अल्मोड़ा। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जन-जन की सरकार 4 साल बेमिसाल कार्यक्रमों की श्रृंखला के में आज जिला प्रशासन एवं खेल विभाग के तत्वाधान में जिला क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग की इस क्रॉस कंट्री दौड़ एक आयोजन पुरुष वर्ग में चौघानपाटा से पुलिस लाइन तक किया गया। वहीं महिला वर्ग में चौघानपाटा से करबला तक इसका आयोजन किया गया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विशाल कुमार शर्मा है। कुछ दस्तावेजों में यह नाम गलती से विशाल शर्मा हो गया है। मैं सर्वसाधारण को यह सूचना देना चाहता हूँ कि भविष्य में सभी कार्यों के लिए मुझे विशाल कुमार शर्मा, पुत्र श्री विपिन कुमार शर्मा के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

मेरा पता निम्नवत है:
C-4/6 ओएनजीसी नार्थ कॉलोनी, कौलागढ़ रोड, देहरादून।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-रूद्रप्रयाग

पत्रांक: 2463/दो-लेखा / निविदा/ ग्रा.नि.वि./2025-26 दिनांक 25.03.2026

ई-निविदा शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्र संख्या 2447/ग्रा०नि०वि०/ दो-लेखा/ 2025-26 दिनांक 20.03.2026 के द्वारा दिनांक 07.04.2026 को निविदा आमन्त्रित की गयी थी, के क्रम में समस्त फर्म/ठेकेदार को सूचित करना है कि प्रखण्ड में कार्यरत सहा०अभि०/अप०सहा०अभि०/कनि०अभि० (डिप्लोमा इंजीनिरियंग संघ) की दिनांक 23.03.2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के फलस्वरूप उक्त निविदा को अग्रिम आदेशों तक निरस्त किया जाता है।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड रूद्रप्रयाग

कार्यालय, नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग (जनपद-रूद्रप्रयाग)

पत्रांक : 1676/ निविदा/2025-26 दिनांक 24.03.2026

निविदा निरस्त सूचना

इस कार्यालय के पत्र संख्या 1651/निविदा आ.सूचना/2025-26 दिनांक 13.03.2026 के द्वारा आंमत्रित निविदा सूचना में क्रमांक 27 पर अंकित कार्य वार्ड न04 में नगर पालिका बारातघर के पास पार्किंग/सड़क का निर्माण कार्य की निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। साथ ही निविदा प्रपत्रों की बिक्री 30.03.2026 को राजकीय अवकाश होने के कारण दिनांक 31.03.2026 को होगी। शेष यथावत रहेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून

पत्रांक: 2827/VI/हो.यू./ यू.कि./जि.पं. दे.दून, दिनांक: 25.03.2026

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र संख्या: 2758/VI, दिनांक: 16.03.2026 द्वारा **''यूनीपोल को किराया पर लेने हेतु''** एवं पत्र संख्या: 2640/VI/हो.यू., दिनांक: 02.03.2026 द्वारा **''होल्डिंग / यूनीपोल शुल्क वसूली हेतु''** आमंत्रित निविदाऐं अपरिहार्य कारणों से स्थगित की जाती हैं, उक्त निविदाओं के सम्बन्ध में अग्रिम जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित की जायेगीं।

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत देहरादून

कार्यालय उप जिलाधिकारी डुण्डा उत्तरकाशी

संख्या 467/पी०ए०-विज्ञप्ति पत्रा0/2026 दिनांक 25.03.2026

निविदा विज्ञप्ति

जिलाधिकारी महोदय उत्तरकाशी के आदेश संख्या-8608/ बत्तीस-01 (2025-26) दिनांक 17 मार्च, 2026 के क्रम में तहसील चिन्यालीसौड़ अन्तर्गत **स्थल-ग्राम ग्राम तुल्याड़ा, ग्राम हडियाड़ी एवं ग्राम तुल्याडा, ग्राम हडियाड़ी में भागीरथी नदी तल** में जमा अतिरिक्त उप खनिज बोल्डर्स, बजरी एवं आर०बी०एम० को हटाये जाने के लिये उत्तराखण्ड रिवर ड्रेजिंग नीति 2021 यथा संशोधित 2024 में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत निस्तारण किये जाने हेतु खुली नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से जनपद उत्तरकाशी के इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं से **दिनांक 26-03-2026 समय प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 07-04-2026 तक समय सांय 05:00 बजे तक** आवेदन आमंत्रित किये जायेगे। उपरोक्त तिथियों में किसी भी कार्य दिवस को तहसील कार्यालय डुण्डा, उत्तरकाशी से आवेदन पत्र प्राप्त किये जा सकते है। प्राप्त आवेदनों की जाँच के पश्चात स्वीकृत आवेदकों को खुली नीलामी में प्रतिभाग किये जाने हेतु अनुमति प्रदान की जायेगी। चिन्हित स्थल हेतु गठित समिति की खुली नीलामी की प्रक्रिया **दिनांक 08-04-2026 को समय 11:00 बजे प्रातः से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय डुण्डा में प्रारम्भ की जायेगी** आवेदनकर्ता बोली में प्रतिभाग करने हेतु नियत समय से एक घण्टा पूर्व स्वयं उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें। लॉट तथा विज्ञप्ति की शर्तों के सम्बन्ध में जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय उप जिलाधिकारी डुण्डा, उत्तरकाशी एवं खनन विभाग उत्तरकाशी के जनपदीय कार्यालय से सूचना प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी, डुण्डा

कार्यालय नगर पालिका परिषद देवप्रयाग, टिहरी गढवाल

पत्रांक: /उपविधि-प्रकाशन/2025-26 दिनांक : 03.2026

सार्वजनिक सूचना

नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग टिहरी गढ़वाल की सीमांतर्गत उ.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1916 (अनुकूल एवं उपान्तरण आदेश 2002) की धारा-300 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा-300 की उपधारा (1) के अंतर्गत भवनों या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर भवन/संपत्ति कर आरोपित करने के उद्देश्य से नगर पालिका देवप्रयाग द्वारा ''संपत्ति भवन उपविधि-2026'' बनाई गयी है, जो नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा -300 (1) के अंतर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला हो, उनसे आपति एवं सुझाव आर्मंत्रित करने हेतु प्रकाशित की जा रही है।

अत: समाचार पत्र में उपविधि के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर लिखित सुझाव एवं आपत्तियाँ अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग टिहरी गढ़वाल को प्रेषित की जा सकेगी, वाद प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह उपविधि शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

संपति/भवनकर उपविधि-2026

1. **संक्षिप्त नाम प्रसार और प्रारम्भ:-**

(क) यह उपविधि नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग ''संपत्ति/भवन उपविधि-2026'' कहलाएगी।
(ख) यह उपविधि नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग की सीमा में प्रावृत होगी।
(ग) यह उपविधि नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग द्वारा प्रख्यापित तथा शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से तुरन्त प्रवृत्त होगी।

2. **परिभाषायें- किसी विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस उपविधि में-**

(क) ''नगर पालिका'' का तात्पर्य नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग से है।
(ख) ''सीमा'' का तात्पर्य नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग की सीमा से है।
(ग) ''अधिशासी अधिकारी'' का तात्पर्य अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग से है।
(घ) ''अध्यक्ष'' का तात्पर्य नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग के निर्वाचित अध्यक्ष/प्रशासक से है।
(ङ) ''बोर्ड'' का तात्पर्य नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग के निर्वाचित अध्यक्ष/सदस्य अथवा प्रशासक से है।
(च) ''अधिनियम'' का तात्पर्य उ०प्र० नगरपालिका-1916 (उत्तराखंड में यथा प्रावृत) से है।
(छ) ''वार्षिक मूल्यांकन'' का तात्पर्य उत्तराखण्ड (उ.प्र. नगरपालिका अधिनियम-1916) की धारा-140 व धारा-141 के अंतर्गत वार्षिक मूल्य से है।
(ज) ''सर्किल रेट'' का तात्पर्य वाणिज्यिक भवन एवं बहुमंजिले भवन में स्थित आवासीय फलैट की दशा में सुपर दर से है। आवासीय फलैट के अतिरिक्त अन्य आवासीय भवन की दशा में निर्माण दर से तथा भूमि की दशा में अकृषि भूमि की सामान्य दर से है, जो भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 के अन्तर्गत कलैक्टर द्वारा प्रख्यापित की गयी है।
(झ) ''संपत्ति/भवनकर'' का तात्पर्य उ.प्र. नगरपालिका अधिनियम-1916 की धारा-128 के अंतर्गत भवनों या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर से है।
(ञ) ''भवन एवं भूमि'' का तात्पर्य नगर पालिका सीमांतर्गत निर्मित भवन एवं भूमि से है।
(ट) ''स्वामी'' का तात्पर्य भवन एवं भूमि के स्वामी से है।
(ठ) ''अध्यासी'' का तात्पर्य नगर पालिका सीमांतर्गत निर्मित भवन एवं भूमि पर किराए में रहने वाले व्यक्तियों से है।

नगर का जी.आई.एस. आधारित डिजिटल मैप-

3. वार्षिक मूल्यांकन नगर पालिका सीमांतर्गत स्तिथ भूमि एवं निर्मित भवन सीमांतर्गत स्तिथ भूमि एवं निर्मित भवन पर संपति/भवन कर निर्धारण हेतु नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा-141 (2) के अंतर्गत कर निर्धारण के प्रयोजन के लिए नगर पालिका द्वारा समय-समय पर परिश्रमिक सहित या रहित किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को चाहे वे सदस्य हों, या न हो अथवा संस्था/एजेंसी नियुक्त किया गया या किए गए व्यक्ति/संस्था/एजेंसी ऐसे प्रयोजन के लिए किसी सम्बद्ध संपत्ति का निरीक्षण कर सकते हैं। संपति भवनकर निर्धारण हेतु निम्नानुसार वार्षिक मूल्यांकन किया जाएगा।

(क) रेलवे स्टेशनों, कालेजों, स्कूलों, होटलों, कारखानों, वाणिज्यक भवनों और अन्य अनवासीय भवनों, बिजली के खम्बों, बिजली के ट्रान्सफारमर, मोबाइल टावर, टेलीफोन के खम्बो की दशा में भवन निर्माण की वर्तमान अनुमानित लागत लो.नि.वि. के प्रचलित सेड्यूल रेट और उससे अनुलगन भूमि की अनुमानित मूल्य तत्समय प्रचलित सर्किल रेट को जोड़कर निकाली गयी धनराशि का 5 प्रतिशत से अनाधिक पर वार्षिक मूल्यांकन का आंकलन किया जाएगा।

(ख) खंड (क) के उपबंधों के अंतर्गत न आने वाले किसी भवन या भूमि की दशा में, यथा स्थिति भवन की दशा में प्रतिवर्ग फुट कारपेट क्षेत्रफल पर लागू न्यूनतम मासिक किराया दर या भूमि की दशा में प्रतिवर्ग फुट क्षेत्रफल पर लागू न्यूनतम मासिक किराया भवन के कारपेट क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल से गुणा किए जाने पर आप 12 गुना मूल्य से है और इस प्रयोजन के लिये प्रतिवर्ग फुट मासिक किराया दर पर इस प्रकार होगी जैसे कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रत्येक दो वर्ष में एक बार भवन या भूमि की अवस्थिति, भवन निर्माण की प्रकृति, भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के प्रयोजन के लिए कलैक्टर द्वारा नियम सर्किल दर के आधार पर नियत किया गया जाए और ऐसे भवन या भूमि के लिए क्षेत्रफल में चालू न्यूनतम दर और अन्य कारक इस प्रकार होंगे जैसे निहित किए जायें।

(ग) खण्ड (क) (ख) के अंतर्गत न आने वाले किसी भवन या भूमि की दशा में यथास्थिति, ऐसे आवासीय एवं अनवासीय (दुकानात) जो किराए पर उठाए गए हों, उनका वार्षिक मूल्यांकन शहर की प्रचलित बाजार दर अथवा उस क्षेत्र के लिए कलैक्टर द्वारा तत्समय किराए हेतु प्रचलित सर्किल रेट से जो भी अधिकतम हों, के अनुसार किराए के भवन के प्रतिवर्ग फिट या मीटर मासिक किराया दर पर निर्धारण करना होगा और मासिक किराए को 12 गुना पर वार्षिक मूल्यांकन पर निर्धारण करना होगा और मासिक किराए की 12 गुना पर वार्षिक मूल्यांकन पर निर्धारण हेतु किया जाएगा।

प्रतिबंध यह है कि जहां नगर पालिका की राय में असाधारण परिस्थितियों के कारण किसी भवन का वार्षिक मूल्य, यदि उपर्युक्त विधि से गणना की गयी हो, अत्यधिक हो, वहाँ नगर पालिका किसी भी कम धनराशि पर जो उसे समयपूर्ण प्रतीत हों वार्षिक मूल्य नियत कर सकती हैं।

1. **वार्षिक मूल्य की गणना के प्रयोजन के लिए कारपेट क्षेत्र की गणना निम्नलिखित रूप से की जाएगी-**

(i) कक्ष- आंतरिक आयाम की पूर्ण माप,
(ii) आछादित बरामदा आंतरिक आयाम की पूर्ण माप,
(ii) बलकोनी, गलियारा, रसोई घर और भंडार गृह-आंतरिक आयाम की 50 प्रतिशत माप,
(iv) गैराज आंतरिक आयाम की एक चौथाई माप,
(v) स्नानागार, शौचालय, द्वारमंडप और जीना से आच्छादित क्षेत्रफल, कारपेट क्षेत्रफल का अंग नहीं होगा।

2. उत्तर प्रदेश शहरी भवन (किराए पर देने, किराए तथा बेदखली का विनियमन) अधिनियम 1972 के प्रयोजन के लिए किसी भवन का मानक किराया, या युक्तियुक्त वार्षिक किराए को भवन के वार्षिक गणना करते समय हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

3. संपति/भवन कर निर्धारण हेतु वार्षिक मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण निर्धारित प्रपत्र में प्रत्येक भवन एवं भूमि का मौके पर निरीक्षण करने के उपरांत यथास्थिति के अनुसार किया जाएगा।

4. भूमि/भवन के वार्षिक मूल्यांकन पर कर भवन एवं भूमि के वार्षिक मूल्यांकन पर 10 प्रतिशत संपत्ति/भवन कर लिया जाएगा, परंतु निम्नलिखित भवन एवं भूमि अथवा उसके भाग निम्नानुसार कर से मुक्त रहेंगे।

(क) मंदिर, गुरुद्वारा, मस्जिद अथवा दूसरे धार्मिक संस्थाएं जो सार्वजनिक तथा रजिस्टर्ड ट्रस्ट या संस्था के अधीन हो, परंतु जो स्थान अथवा स्थानों के भाग रहने अथवा किराए पर या अन्य प्रकार से आय अर्जित की जाती है तो उन पर कर की छूट का नियम लागू नहीं होंगे।
(ख) अनाथालय, स्कूल, छात्रावास, चिकित्सालय, धर्मशालाएँ, तथा इस प्रकार से अन्य भवन तथा भूमि जो इस प्रकार की दान की संस्थाओं की परिसंपतियों और उन्ही संस्था द्वारा ऐसे कार्य करती हों।
(ग) नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग की समस्त संपतियाॅ।

5. कर निर्धारण सूचियों का प्रकाशन भूमि एवं भवन के वार्षिक मूल्यांकन पर संपति/भवन कर निर्धारण हेतु नगरपालिका अधिनियम 1916 की धारा-141 के अधीन तैयार की गयी सूचीयों का प्रकाशन जनसामान्य के अवलोकनार्थ एवं निरीक्षण के लिए नगर पालिका कार्यालय में अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रदर्शित की जाएगी तथा समाचार पत्र में इस आशय की सूचना प्रकाशित करते हुए अपील होगी कि पंचवर्षीय गृह कर का निर्धारण किया जा चुका हैं, जिस किसी व्यक्ति अथवा स्वामी या अध्यासी को कर निर्धारण सूची का अवलोकन एवं निरीक्षण करना हो वे नगर पालिका कार्यालय में आकर कर निर्धारण सूचियों का अवलोकन एवं निरीक्षण कर सकते हैं, तथा प्रस्तावित कर निर्धारण की सूचना संबन्धित प्रत्येक भवन स्वामी को 15 दिन के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु दी जानी आवश्यक होगी और कर निर्धारण सूचियों में प्राप्त आपत्तियों को मोहल्ले/वार्ड वार क्रम सं० देते हुए आपत्ति एवं निस्तारण पंजिका में अंकित किया जाएगा।

6. आपतियों का निस्तारण भूमि एवं भवन के वार्षिक मूल्यांकन अथवा कर निर्धारण पर प्राप्त आपतियों की सुनवाई एवं निस्तारण हेतु नगर पालिका अधिनियम- 1916 की धारा 104 के अंतर्गत गठित समिति अथवा समिति गठित न होने के फलस्वरूप अधिशासी अधिकारी द्वारा निम्न प्रकार से किया जाएगा।

(i) प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई हेतु तिथि एवं समय नियत करते हुये आपतिकर्ता को लिखित सूचना प्रेषित करनी होगी,
(ii) आपत्तियों के निस्तारण की स्थिति एवं निर्णय संबन्धित पत्रावली अथवा आपत्ति निस्तारण पंजिका में जस्टीफिकेशन के साथ दर्ज करनी होगी,
(ii) शासनादेश सं0 2054/नौ-9-97-79ज/97 दिनांक 28.06.1997 द्वारा वार्षिक मूल्यांकन एवं कर निर्धारण पर प्राप्त आपतियों की सुनवाई और निस्तारण दिये गए निर्देशानुसार की जाएगी।

7. **कर निर्धारण सूचियों का अभिप्रमाणीकरण और अभिरक्षा-**

(क) अधिशासी अधिकारी या इस निमित प्राधिकृत अधिकारी, यथास्थिति, नगर पालिका क्षेत्र या उसके किसी भाग के क्षेत्रवार किराया दरों और निर्धारण सूची को अपने हस्ताक्षर से अभिप्रमाणित करेगा।
(ख) इस प्रकार से अभिप्रमाणित सूची को नगर पालिका कार्यालय में जमा की जाएगी,
(ग) जैसे ही सम्पूर्ण नगर क्षेत्र की सूची इस प्रकार से जमा कर दी जाए वैसे ही निरीक्षण हेतु खुले होने के लिए सार्वजनिक सूचना द्वारा घोषणा की जाएगी,
(घ) कर निर्धारण सूचियों में उपरोकतानुसार सम्पूर्ण कार्यवाही होने के उपरांत संपत्ति/भवन कर मांग एवं वसूली पंजिका में अंतिम रूप से सूची दर्ज करते हुए नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा- 166 के अंतर्गत दावों की वसूली हेतु अग्रेत्सर कार्यवाही शासन द्वारा समय-समय पर दिये गए निर्देशानुसार करनी होगी

8. कोई भी व्यक्ति किसी समय भवनों की एसेस्मेंट सूची पर अपना बतौर स्वामी दर्ज करा सकता है और जिस समय तक आवेदन-पत्र को अस्वीकार करने का काफी कारण न हो उसका नाम दर्ज कर लिया जाएगा अस्वीकृति का कारण लिख दिया जाएगा।

9. जब इस बात में शक हो कि भवन या भूमि पर कि जिसका नाम स्वामी के रूप में दर्ज किया जाए तो बोर्ड या समिति या वह अधिकारी जिसकी बोर्ड ने उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम-1916 की धारा 143 (3) के अधीन अधिकार दिया हो, यह तय करेगा कि किसका नाम स्वामी के तौर पर दर्ज होना चाहिए। इसका निश्चय उस समय तक लागू रहेगा जब तक सशक्त न्यायालय उसको रद्द न कर दे।

10. (1) अगर किसी ऐसे भवन या भूमि के स्वामी होने का अधिकार जिस पर यह कर लागू हो, हस्तांतरित किया जावे तो अधिकार हस्तांतरित करने वाला या जिसको हस्तांतरित किया जावे, वह यदि कोई दस्तावेज न लिखी गयी हो तो अधिकार लेने की तिथि से और लिखी गयी हो तो दस्तावेज लिखे जाने या रजिस्ट्री होने या हस्तांतरित होने की तिथि से तीन माह के अंदर हस्तांतरित होने की सूचना अध्यक्ष को अथवा अधिशासी अधिकारी को देगा 1

(2) किसी ऐसे भवन या भूमि का स्वामी जिस पर कर लागू है, की मृत्यु के पश्चात उसका उत्तराधिकारी या जो जायदाद का स्वामी हो, इसी प्रकार स्वामी होने से तीन माह के अंदर सूचना देगा।

11. (1) सूचना में जिसका विवरण पहले दिया गया है, उक्त नियम में उल्लिखित सभी विवरण सफाई से और ठीक तौर से दिये जाएंगे।

(2) हर ऐसा व्यक्ति जिसको जायदाद हस्तांतरित की गयी हो, अधिशासी अधिकारी के मांगने पर दस्तावेज (अगर लिखी गयी हो) या उसकी एक प्रतिलिपि जो इंडियन रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1877 ई0 के अनुसार ली गयी हो, पेश करेगा।

12. उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 151 (2) के अधीन कर की थोड़ी माफी या ऐसी माफी के लिए भवन का स्वामी जिसमें कई किरायेदार रहते हो, भवन पर कर लागू करने के समय बोर्ड से प्रार्थना कर सकता है कि तमाम भवन का कर लागू करने के अलावा हर एक भाग का वार्षिक मूल्य अलग-अलग एक नोट में दर्ज किया जावे और जब कोई भाग, जिसका वार्षिक मूल्य अलग दर्ज हो गया है, या किराए के नब्बे (90) दिन या इससे अधिक समय के लिए किसी साल में खाली रहा हो तो कुल भवन के कर का वह हिस्सा माफ किया जावे जो कि उक्त एक्ट की धारा 151 (1) के अधीन वापस या माफ किया जाता यदि भवन के भाग पर अलग कर लागू किया होता।

शास्ति

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 299 (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके नगर पालिका एतद्द्वारा निर्देश देती है कि उपरोक्त उपविधि उल्लंघन करने के लिए अर्थदण्ड रु0 1,000.00 (एक हजार) तक हो सकता है और यदि उल्लंघन निरंतर जारी रहा हो तो प्रथम दोषसिद्धी के दिनांक से ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाए कि अपराधी अपराध करता रहा है, अतिरिक्त जुर्माना किया जा सकता है, जो रु० 1,00.00 (एक सौ) प्रतिदिन तक हो सकता है।

(राहुल सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
देवप्रयाग टिहरी गढवाल

(ममता देवी)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
देवप्रयाग टिहरी गढवाल

आईपीएल शुरू होने से पहले 16 हजार 660 करोड़ रूपये में बिकी RCB

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय और विदेशी व्यापारिक संस्थाओं के एक कंसोर्टियम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी का पूरा मालिकाना हक लगभग 16 हजार 660 करोड़ की राशि में हासिल कर लिया है। यह पूरी तरह से नकद समझौता यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) द्वारा घोषित किया गया, जिसके पास डब्ल्यूपीएल और आरपीएल में आरसीबी का मौजूदा मालिकाना हक है।

यूएसएल द्वारा जारी मीडिया रिलीज के अनुसार, उनके बोर्ड ने आदित्य बिड़ला ग्रुप, द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की स्थाई निजी इक्विटी रणनीति, बीएक्सपीई वाले कंसोर्टियम को फेंचाइजी की ब्रिकी को मंजूरी दे दी है। इस डील के बाद यूएसएल ने कहा कि आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों आरसीबी टीम, जिसका संचालन उनकी सहायक रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कर रही थी, वो अब इस समूह के स्वामित्व और संचालन में होंगी। यह कितनी बड़ी रकम है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यह लखनऊ और अहमदाबाद की फ्रेंचाइजियों की कुल कीमत (12 हजार 715 करोड़ रुपये) से भी अधिक है, जिन्हें 2021 में बीसीसीआई ने बेचा था। संयोग से फरवरी 2026 में यह समूह बना भी नहीं था, जब कम से कम आठ निवेशकों को आरसीबी के लिए चिन्हित किया गया था। पिछले नवम्बर में शराब व पेय पदार्थों की दुनिया की दिग्गज कंपनी डियाजियो, जिसकी भारत में यूएसएल में हिस्सेदारी है, ने सेबी को बताया था कि वह आरसीबी में अपने निवेश की रणनीतिक समीक्षा कर रहा है। डियाजियो ने कहा था कि क्रिकेट कंपनी के लिए व्यापार का मुख्य हिस्सा नहीं है और 31 मार्च तक उसका लक्ष्य इस सौदे को पूरा करना है। अब अगले कदम के रूप में नए समूह को बीसीसीआई और कॉम्पिटिशन कमिशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) से इस डील के लिए अनुमति लेनी होगी। 2008 में जब आईपीएल शुरू हुआ था तब आठ टीमों में बेंगलुरु की टीम दूसरी सबसे महंगी टीम थी और उसे विजय माल्या के मालिकाना हक वाले यूनाइटेड ब्रिउरीज लिमिटेड ने 111-6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। 2023 में डब्ल्यूपीएल के मालिकों ने आरसीबी के लिए 901 करोड़ रुपये की बोली लगाई जो कि पांच टीमों में तीसरी सबसे महंगी टीम बन गई। अपनी मीडिया रिलीज में मालिकाना हक हासिल करने वाले समूह ने बताया कि आर्यमान बिड़ला, जो कि मध्य प्रदेश के लिए बतौर बल्लेबाज खेल चुके हैं और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा भी थे, वह इस नए मालिकाना समूह के अध्यक्ष, जबकि टाइम्स ऑफ इंडिया के सत्यम गजवानी उपाध्यक्ष होंगे। कंसोर्टियम ने जारी एक बयान में कहा कि वे आरसीबी का 'कस्टोडियन' बनने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरसीबी की विनिग कल्चर, बेंगलुरु से इसका गहरा जुड़ाव और दुनिया के खेलों में सबसे जुनूनी फैनबेस में से एक इसे एक असाधारण अवसर बनाते हैं। हम आरसीबी को मैदान पर और उसके बाहर नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कंसोर्टियम खुद अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित निवेशकों का एक गठबंधन है। आदित्य बिड़ला ग्रुप सीमेंट, फैशन और रिटेल का एक प्रसिद्ध व्यापारिक समूह है।

मार्कस व कूपर पंजाब किंग्स टीम में शामिल हुए

चंडीगढ़, वार्ता। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई स्टार मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली मोहाली में ऑफिशियली टीम में शामिल हो गए हैं। यह जोड़ी आने वाले टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन की तैयारियों के आखिरी स्टेज में पहुंचने पर टीम के बाकी खिलाड़ियों से जुड़ने के लिए बुधवार को पहले ही पहुंच गई थी।

न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों का स्वागत किया गया, जिसमें वे बहुत जोश में दिखे। उनके आने से पंजाब किंग्स लाइनअप में जबरदस्त जोश आ गया है, जिससे कैंप में इंटरनेशनल अनुभव और रोमांचक युवा एनर्जी का एक मजबूत मिक्स आया है। किंग्स, जो पिछले सीजन में रनर-अप रहे थे, पिछले कुछ हफ्तों से कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। टीम अब गुजरात जायंट्स के खिलाफ अपने बहुप्रतीक्षित सीजन ओपनर के लिए तैयारी कर रही है।

यह मैच 31 मार्च को उनके घरेलू दर्शकों के सामने खेला जाएगा। पंजाब किंग्स की पूरी टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर सिंह पन्नू, हरप्रीत बराड़, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, मिच ओवेन, मुशीर खान, नेहाल वढेरा, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, व्यशाक विजयकुमार, जेवियर बार्टलेट, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, प्रवीण दुबे।

संक्षिप्त खेल समाचार

अमेलिया वाल्वरडे का अनुबंध नहीं बढ़ाया जाएगा: एफआईएफएफ

नई दिल्ली, वार्ता। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने बुधवार को घोषणा की कि भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हेड कोच के तौर पर अमेलिया वाल्वरडे का कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। 39 साल की कोस्टा रिका की मैनेजर अमेलिया वाल्वरडे को जनवरी में नेशनल टीम की कमान सौंपी गई थी। उनका पहला बड़ा असाइनमेंट 2026 एएफसी महिला एशियन कप इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। दो दशकों से अधिक समय बाद इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए, भारत का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया में निराशाजनक रहा और ग्रुप स्टेज में बिना कोई मैच जीते ही टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारतीय टीम को अपने पहले ग्रुप मैच में वियतनाम के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्हें टूर्नामेंट की चैंपियन बनी जापान के हाथों 11-0 से करारी हार मिली, और फिर चीनी ताइपे के हाथों 3-1 से हार के साथ उनका अभियान खत्म हो गया। लगातार खराब नतीजों के बाद एआईएफएफ ने वाल्वरडे के साथ अपना अनुबंध समाप्त करने का फैसला किया है।

बेलिडा बेनसिक को हराकर कोको गॉफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में

मियामी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिडा बेनसिक को हराकर मियामी ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। हार्ड रॉक स्टेडियम में कोर्ट गॉफ ने मंगंलवारं को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दूसरे सेट में हारने और तीसरे सेट की शुरुआत में पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की दो बार की ओलंपिक पदक के खिलाफ 6-3, 1-6, 6-3 से जीत हासिल की। हार के मुंह से जीत छीनते हुए गॉफ ने ने कहा, 'यह एक मुश्किल मैच' था। बेलिडा एक मजबूत खिलाड़ी हैं। जब भी हम खेलते हैं, तो मैच लंबा चलता है। आज मुझे बहुत दौड़ना पड़ा, कुछ बार मैं गिरी भी।

भारतीय महिला रिकर्व व पुरुष कंपाउंड टीमों ने कांस्य पदक जीते

बैंकॉक, वार्ता। भारत की रिकर्व महिला टीम और कंपाउंड पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को एशिया कप 2026 तीरंदाजी स्टेज एक टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीते। आज यहां एसएटी फुटबॉल स्टेडियम में खेलते हुए, भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम (रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिधि) ने कांस्य पदक के मैच में मलेशिया को 5-1 से हराया।

इस तिकड़ी ने इससे पहले क्वालिफाइंग राउंड में कुल 1915 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था। रूमा बिस्वास ने 650 अंकों के साथ टीम की अगुवाई की, जबकि कीर्ति और रिधि ने क्रमश: 638 और 627 अंकों का योगदान दिया। महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में, भारत ने क्वार्टर-फाइनल में चीनी ताइपे को 6.2 से हराया, लेकिन सेमीफाइनल में चीन से 5.1 से हार गया।

केकेआर ने आंद्रे रसल के सम्मान में जर्सी नम्बर 12 को किया रिटायर

कोलकाता, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने पूर्व ऑलराउंडर आंद्रे रसल के सम्मान में जर्सी नम्बर 12 को रिटायर करने का फैसला किया है। रसल ने 2017 को छोड़कर 2014 से 2025 तक केकेआर का प्रतिनिधित्व किया। कुल मिलाकर रसल ने अपने 140 में 133 आईपीएल मुकाबले केकेआर के लिए खेला है।

पिछले साल नवम्बर में रसल ने आईपीएल से संन्यास ले लिया था और रसल केकेआर के पावर कोच बन गए थे। रसल ने कोचिग की भूमिका अपनाने पर कहा कि मुझे नहीं लगता इससे मेरे माइंडसेट में बदलाव आया है। मैंने जिनके साथ या जिनके खिलाफ खेला है, मुझे सभी खिलाड़ियों को अब वापस देना है। मुझे ऐसा करने में खुशी महसूस हो रही है। 2014 और 2024 में रसल केकेआर के दोनों खिताबी सीजन का हिस्सा रहे थे। हालांकि उन्होंने 2014 में मात्र दो मुकाबले खेले थे लेकिन 2024 में 15 मुकाबलों के दौरान उन्होंने ऑलराउंड प्रदर्शन कर केकेआर की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। उस सीजन रसल ने नौ पारियों में 185 के स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे और 15-52 के गेंदबाजी औसत से 19 विकेट हासिल किए थे। आईपीएल के इतर रसल ने 2014-15 में केकेआर के लिए चैंपियंस लीग में भी खेला था और उस सीजन केकेआर फाइनल तक पहुंची थी। रसल नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी की अन्य टीमों, आईएल टी20 में अबु धाबी नाइट राइडर्स और सीपीएल में त्रिनबागो नाइट राइडर्स का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने दोनों टीमों के लिए चार-चार सीजन खेले हैं।

रिंकू सिंह बने केकेआर के उपकप्तान

कोलकाता, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया है। मंगलवार को प्री सीजन एक इवेंट के दौरान केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इसकी घोषणा की। रिंकू इस भूमिका में वेंकटेश अय्यर की जगह लेंगे जिन्हें नीलामी से पहले केकेआर ने रिलीज कर दिया था।

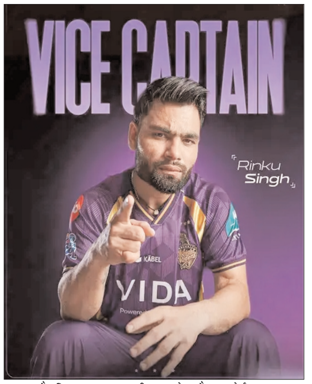

रिंकू ने कभी टी20 में कप्तानी नहीं की है लेकिन वह 2018 के डेब्यू सीजन के बाद से ही केकेआर के साथ हैं। वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ ही फिनिशर की भूमिका अदा करते रहे हैं। आंद्रे रसल की अनुपस्थिति में रिंकू के कंधों पर अतिरिक्त जम्मिेदारी होगी जो आईपीएल से संन्यास लेने के बाद फ्रेंचाइजी के साथ बतौर पावर कोच जुड़ चुके हैं। इवेंट के दौरान केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक सही फैसला है क्योंकि केकेआर में आने और सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा बनने की मेरी पहली याद रिंकू के साथ काम करने की है। इन वर्षों में हमने रिंकू को न सिर्फ एक क्रिकेटर बल्कि एक लीडर के रूप में भी उभरते हुए देखा है। पिछले कुछ वर्षों से जहां उनके प्रदर्शन ने खुद कहानी बयां की है, मैदान के बाहर भी बिना कुछ कहे, वह एक ऐसे इंसान हैं जिनकी बातों को सुनने के लिए टीम बेसब्री से इंतजार करती है। चूंकि हमारे बड़े पावर हिटर (रसल) टीम में नहीं हैं इसलिए हम चाहते थे कि रिंकू थोड़ी और जम्मिेदारी उठाएं।

मुझे लगता है कि विश्व कप विजेता बनने के बाद और टीम संभालने में अजिक्य रहाणे की मदद करने का यह एकदम सही समय है। रिंकू ने केकेआर के लिए 59 मुकाबले खेले हैं और 145-17 के स्ट्राइक रेट से 1099 रन बनाए हैं, वह हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने वाले भारतीय दल का हिस्सा थे।

बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई के सीओई को रिपोर्ट करेंगे

मुंबई, वार्ता। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई के बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को रिपोर्ट करेंगे। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि बुमराह मुख्य रूप से स्ट्रेंथ और कंडीशनिग पर काम करने के लिए सीओई में हैं। ऐसा समझा जाता है कि सीओई में बुमराह के काम करने का प्लान बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने जुलाई में इंग्लैंड के भारत के व्हाइट-बॉल टूर पर फोकस करते हुए बनाया है, जहां वे पांच टी20 और तीन वनडे खेलेंगे। समझा जाता है कि बुमराह सीओई में बॉलिग जारी रखेंगे और जल्द ही मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ेंगे ताकि वे आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हो सकें, जो 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक होम गेम है।

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN to the Public at large that **M/s Patanjali Ayurved Limited,** having its Corporate office at Patanjali Food & Herbal Park village- Padartha Laksar Road, Haridwar (Uttarakhand)-249404, is the present owner of an immovable presently Commercial property having a plot area of 6450 square feet, belonging to plot no. 01 & khasra no. 766m & Nagar Nigam Tax khata no. 1508/1, situated in Khanna. Nagar Colony revenue village Ahmadpur Karachh (within limits of Nagar Nigam Haridwar) Tehsil & District Haridwar, by way of registered sale deed dated 18.01.2025 registered in bahi no. 01 zild 8854 pages 207-244 as serial no. 642 in the office of sub registrar Haridwar, executed by M/s Alpha Build Tech Pvt. Limited. Now **M/s Patanjali Ayurved Limited** is intending to mortgage this property in favor of Bank of Maharashtra **Mid Corporate Center Delhi.** Chain Documents/Title Deeds of this property are as under-

1. Registered sale deed dated 10.11.1976 registered in bahi no. 01 zild 253 pages 501-510 as serial no. 1750 dated 10.11.1976 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Shri Amichand Khanna** S/o Shri Durga Das Khanna in favour of **Smt. Saroj Singh** W/o Shri Mahipaal Singh **& Shri Virendra Singh** S/o Thakur Chandan Singh.
2. Registered sale deed dated 01.07.1986 registered in bahi no. 01 zild 518 pages 61-65 as serial no. 2035 dated 10.07.1986 in the office of sub registrar Haridwar executed by Smt. Saroj Singh W/o Shri Mahipaal Singh Self & Shri Virendra Singh S/o Thakur Chandan Singh through his GPA holder Shri Rajpal Singh S/o Shri Virendra Singh in favour of **Smt. Raj Gulati** W/o Shri S.P. Gulati & **Shri Sobudh Gulati** S/o Shri S.P. Gulati.
3. Registered sale deed dated 15.04.1988 registered in bahi no. 01 zild 612 pages 27-29 as serial no. 4047 dated 24.06.1988 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Smt. Raj Gulati** W/o Shri S.P. Gulati & **Shri Sobudh Gulati** S/o Shri S.P. Gulati through their GPA holder Shri Shivpuri Gulati S/o Shri Braj Lal Gulati in favour of **Shri Sudheer Kumar** S/o Shri Jagdish Chandra & Smt. **Kanchan Kumari** W/o Shri Bansi Lal & **Shri Dhanraj Malhotra** S/o Shri Gurdayal Malhotra.
4. **Registered** General Power of Attorney dated 07.07.1990 registered in bahi no. 04 zild 120/127 pages 239/171-174 as serial no. 447 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Shri Sudheer Kumar** & **Smt. Kanchan Kumari** & **Shri Dhanraj Malhotra** & **Shri Rakesh Jain** in favor of **Shri Gauri Shankar Agarwal** S/o Shri Krishan Gopal Agarwal R/o Bada Bazar Haridwar Distt. Haridwar.
5. **Registered** sale deed dated 22.11.1996 registered in bahi no. 01 zild 944/1026 pages 328/113-116 as serial no. 5975 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Shri Sudheer Kumar** & Smt. Kanchan Kumari & **Shri Dhanraj Malhotra** & **Shri Rakesh Jain** through their GPA holder **Shri Gauri Shankar Agarwal** S/o Shri Krishan Gopal Agarwal in favour of **M/s Okara Agro Industries.**
6. **Registered** sale deed dated 26.11.1996 registered in bahi no. 01 zild 949/1026 pages 329/365-368 as serial no. 6024 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Shri Sudheer Kumar** & **Smt. Kanchan Kumari** & **Shri Dhanraj Malhotra** & **Shri Rakesh Jain** through their GPA holder **Shri Gauri Shankar Agarwal** in favour of **M/s Okara Agro Industries Limited.**
7. **Registered** sale deed dated 30.11.1996 registered in bahi no. 01 zild 951/1027 pages 281/311-314 as serial no. 6137 in the office of sub registrar Haridwar executed by **Shri Sudheer Kumar** & **Smt. Kanchan Kumari** & **Shri Dhanraj Malhotra** & **Shri Rakesh Jain** through their GPA holder **Shri Gauri Shankar Agarwal** S/o Shri Krishan Gopal Agarwal in favour of **M/s Okara Agro Industries Limited.**

As Later on the said property was transferred by **M/s Okara Agro Industries Limited** (in liquidation with the official liquidator, Delhi) through Sh. Rajpal Singh S/o Lt. Sh. Birbal Singh Dy. Official liquidator attached to the Hon'ble High Court of Delhi in favour of **M/s Alpha Build Tech Pvt. Limited,** by way of registered sale deed dated 16.10.2014 registered in bahi no. 01 zild 1931 pages 85-98 as serial no. 8241 in the office of sub registrar Haridwar **AND lastly M/s Alpha Build Tech Pvt. Limited** transferred this total property by way of registered sale deed dated 18.01.2025 registered in bahi no. 01 zild 8854 pages 207 - 244 as serial no. 642 in the office of sub registrar Haridwar **in favour of present owner M/s Patanjali Ayurved Limited.**

WHEREAS the registered sale deed dated 16.10.2014 was executed by **M/s Okara Agro Industries Limited in favor of M/s Alpha Build Tech Pvt. Limited in compliance of** Judgment/ Order dated 16.09.2014 by the High Court of Delhi at New Delhi in CO. APPL (M) 115/2002 Okara Agro Indus Ltd. In C.A. No. 21/2014, all original Chain Title Deeds prior to 16.10.2014 were not handed over to **M/s Alpha Build Tech Pvt. Limited and** similarly **M/s Patanjali Ayurved Limited** did not get these all original Title Deeds of this property.

NOW present owner of this property **M/s Patanjali Ayurved Limited** has offered to mortgage its above mentioned property in favor of Bank of Maharashtra **Mid Corporate Centre Delhi.**

If any person or institution claims any right, title or interest in respect of the aforesaid property or in the said original Title Deeds by way of Sale, Mortgage, Gift, Lien or by any other way, then such Person/Financial institution should contact or write and intimate the Bank within Three (3) days from the date of Publication of this Notice with sufficient documentary proof, failing which Bank of Maharashtra shall complete the mortgage process of this property and thereafter no one's claim shall be binding upon Bank of Maharashtra Mid Corporate Centre Delhi.

Place: Haridwar
Dated: 25.03.2026

M/s Patanjali Ayurved Limited

कार्यालय नगर पालिका परिषद नरेन्द्रनगर, टिहरी गढ़वाल

पत्रांक : 2013/निविदा/निर्माण/न0पा0प0न0नगर/2025-26/नरेन्द्रनगर **दिनांक : 25/03/2026**

।। निविदा सूचना ।।

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के पंजीकृत ठेकेदारों से इस निकाय द्वारा वित्तीय वर्ष-2025-26 में राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान से कराएं जाने वाले 06 (छैं) अति आवश्यक निर्माण कार्यो के सम्पादन हेतु दिनॉक, 10 अप्रैल 2026 अपरॉहन 2:00 बजे तक सीलबन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो उसी दिन सांय 3:00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष निविदा/निर्माण समिति के द्वारा पालिका कार्यालय में खोली जायेंगी। उपरोक्त निर्माण कार्यो के निविदा प्रपत्र दिनॉक 09 अप्रैल 2026 को प्रात. 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक नगद भुगतान पर पालिका कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य नियम एवम् शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस को पालिका कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार प्रशासक महोदय/निविदा/निर्माण समिति को निहित होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की लागत	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18% GST	निविदा की बैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0-1 किनवानी के अन्तर्गत कुमार खेडा में श्री बालम सिंह पुन्डीर के आवास से सुभाष के आवास तक जाने वाले सार्वजनिक पैदल मार्ग का निर्माण कार्य।	9.01 लाख	18100.00	1000.00	15 दिन	3 माह
2:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0-1 किनवानी के अन्तर्गत कुमार खेडा तिराह में सेल्फी प्वाइंट एवं वेस्ट वंडर पार्क के लिए सतह का निर्माण कार्य।	6.26 लाख	12600.00	1000.00	15 दिन	2½ माह
3:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0- 02 वन्दे मातरम् के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग कार्यालय के समीप क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।	9.42 लाख	18900.00	1000.00	15 दिन	3 माह
4:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0- 05 सुमन चिकित्सालय परिसर के अन्तर्गत बाल्मीकि मन्दिर के आस-पास सौन्दर्यीकरण हेतु 80 एम0एम0 इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं बाल्मीकि मन्दिर में रंग रोगन का कार्य।	6.80 लाख	13600.00	1000.00	15 दिन	2½ माह
5:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0- 05 सुमन चिकित्सालय परिसर के अन्तर्गत बाल्मीकि बस्ती में आवासीय भवनों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक दीवार का निर्माण कार्य।	7.69 लाख	15400.00	1000.00	15 दिन	3 माह
6:-	नगर पालिका परिषद् नरेन्द्रनगर के वार्ड सं0- 07 कलर्क क्वाटर के अन्तर्गत श्री प्रमोद उनियाल के मकान से श्री पूरण सिंह चौहान के मकान तक जाने वाले सार्वजनिक पैदल मार्ग का निर्माण कार्य।	7.16 लाख	14400.00	1000.00	15 दिन	3 माह

नोट:- निमार्ण कार्य से सम्बन्धित अन्य शर्ते किसी भी कार्यो दिवस को पालिका कार्यालय में देखी जा सकती है।

(एलम सिंह रावत)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
नरेन्द्रनगर,टि0ग0।

एसएसपी नवनीत सिंह का पशुक्रूरता करने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन

गोकशी करने वालों पर होगी सर्जिकल स्ट्राइक

जनपद में 162 पर गैंगस्टर एक्ट व 57 पर होगी गुंडा एक्ट में कार्रवाई, 67 होंगे जिलाबदर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जनपद पुलिस ने गोकशी व पशु क्रूरता करने वालों के खिलाफ कड़ा लेते हुए,जनपद में चिन्हित किये 57 गैंग के 162 पर गैंगस्टर एक्ट व 57 पर होगी गुंडा एक्ट में कार्यवाही की पूरी तैयारी कर लिए हैसाथऐसे आरोपियों को जिला बदर करने के साथलगातार संलिप्त पाए जाने पर उनकी संपत्ति भी जप्त की जाएगी । एसएसपी के कड़े तेवरो के बाद जनपद पुलिस के तमाम थाना व कोतवालियों ने अब कार्रवाई को अमल में लाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

❖गोवंश संरक्षण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का बार-बार उल्लंघन करने वालों की कुंडली हुई तैयार

❖गुंडा एक्ट के अंतर्गत आरोपियों को जिला बदर(जिले से बाहर) करने की हरिद्वार पुलिस कर रही तैयारी

❖गोवंश संरक्षण को हरिद्वार पुलिस प्रतिबद्ध, मुचलका तोड़ने पर जब्त होगी पाबंद धनराशि

❖गोकशी करने वालों पर अब तक का सबसे बड़ा कमर तोड़ प्रहार बनेगा नजीर

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह के नेतृत्व में गोवंश संरक्षण अधिनियम एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का बार-बार उल्लंघन करने वाले अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। इसी क्रम में कप्तान द्वारा प्रभारी गौवंश संरक्षण स्क्वायड से जनपद में गोवंश तस्करी, गोकशी व पशु क्रूरता से जुड़े व्यक्तियों का पूरा डाटा तलब किया गया है। प्राप्त विवरण/जानकारी के आधार पर जनपद की 11 कोतवाली/थानों में 57 गैंग के 162 अभियुक्तों को चिन्हित किया गया है, जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त 67 अभियुक्तों के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। गुंडा एक्ट के अंतर्गत इन आरोपियों को जिला बदर करने की कार्रवाई हेतु पुलिस द्वारा पूरी तैयारी की जा रही है। लगातार गोकशी अथवा पशु क्रूरता में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों को भारी धनराशि से पाबंद किया जाएगा। यदि कोई आरोपी मुचलका तोड़ता है तो उसकी पाबंद धनराशि जब्त की जाएगी। हरिद्वार पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि गोकशी या पशु क्रूरता जैसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। हरिद्वार पुलिस आमजन से अपील करती है कि आपके आसपास भी कोई अवैध पशु कटान या पशु क्रूरता करता हुआ पाया जाता है इसकी सूचना अपने नजदीकी थाना या हमारी गौर संरक्षण एस्कॉर्ट टीम को अवश्य दें आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

विजिलेंस टीम ने 50 हजार की रिश्वत लेते सुपरवाइजर को रंगे हाथ दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में देहरादून सतर्कता सेक्टर की ट्रैप टीम ने रुड़की में बाल विकास विभाग की एक सुपरवाइजर को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, थाना सतर्कता सेक्टर देहरादून में दर्ज मुकदमा संख्या 6/2026 के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी राखी सैनी, सुपरवाइजर, कार्यालय बाल विकास अधिकारी रुड़की ग्रामीण द्वितीय पर आरोप है कि उसने एक कर्मचारी से प्रमोशन कराने के नाम पर रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर सतर्कता टीम ने जाल बिछाया और बुधवार को उसे रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में विकास भवन रोशनाबाद स्थित डीपीओ कार्यालय के अधिकारी धर्मवीर सिंह का नाम भी सामने आया है। सतर्कता टीम पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है और अन्य संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। सतर्कता विभाग की इस कार्रवाई से सरकारी विभागों में खलबली मची हुई है, वहीं इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

26 मार्च से 29 मार्च तक लक्सर ऐथल रेलवे मार्ग पर रहेगी आवाजाही बन्द

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र की लक्सर ऐथल रेलवे फाटक पर आवाजाही 26 मार्च सुबह से लेकर 29 मार्च तक बंद रहेगी रेलवे अधिकारी मनोज सुधाकर ने बताया कि लक्सर ऐथल फाटक समपार संख्या 581 किलोमीटर 4/11/13 उपलाइन में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है जिसके कारण इस समयार पर पर दिनांक 26 मार्च 2026 सुबह से 29 मार्च 2026 शाम तक सड़क यातायात पूर्णत बंद रहेगा उक्त संपर्क से होकर गुजरने वाले सभी वहांन संपर्क संख्या 3ब 7 सी या किसी अन्य मार्ग का प्रयोग करें उन्होंने बताया हमने यह जानकारी पुलिस चौकी प्रभारी लक्सर थाना प्रभारी लक्सर स्टेशन अधीक्षक लक्सर ऐथल व समाचार पत्रों में भी दी गई है उन्होंने सभी से अपील की है कि उपरोक्त मेंटेनेंस कार्य को ध्यान में रखते हुए लक्सर ऐथल रेलवे फाटक पर आवाजाही के लिए ना जाएं।

मंगलौर : दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर दर्दनाक हादसा

ट्रक ने बाइक सवार दंपति को कुचला, महिला की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर मे दिल्ली हरिद्वार हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रिश्तेदारी से घर लौट रहे बाइक सवार दंपत्ति को एक ट्रक ने कुचल दिया। इस हादसे में 40 वर्षीय महिला मीरजहां की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मीरजहां अपने पति तमरेज के साथ बाइक पर सवार होकर रुड़की से वापस अपने ग्राम बड़ीवाला बरला छपार घर लौट रही थीं जैसे ही वह बाला जी मिष्ठान भंडार के पास पहुंचे तो पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में महिला ट्रक के नीचे आ गई और उसकी मोके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वही इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक

मनोज गैरोला ने बताया कि ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और ट्रक को कब्जे लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

5.53 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से 5.53 ग्राम स्मैक बरामद हुई हैं। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के दिशा निर्देश पर समाज में नशा बेच कर जहर घोलने वालों के विरुद्ध मंगलौर व लंढौरा पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। मंगलवार की शाम लंढौरा पुलिस चौकी प्रभारी अशोक सिरस्वाल को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की राजीव गांधी नवोदय विधालय के पिछ्छे स्थित एक बाग में एक युवक फुटकर में स्मैक बेच रहा है। चौकी प्रभारी ने स्मैक तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर तत्काल अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ घेराबंदी कर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि पकड़े गए स्मैक तस्कर ने अपना नाम साजिद हसन पुत्र शईद निवासी बहारी किला लंढौरा बताया है। जिसके पास से 5.53 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। बाद पूछताछ के आरोपी के खिलाफ एन डीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर बाद चालान के न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स की लंबित 27 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। 23 मार्च 2026 को शासन स्तर पर हुई वार्ता में कोई ठोस सहमति न बनने के बाद शाखा सड़की के सदस्यों ने आईआरआई परिसर में लगातार तीसरे दिन भी हड़ताल कार्यक्रम में भाग लिया। हड़ताल की अध्यक्षता अमूल्य वालियां ने की, जबकि मंच संचालन शाखा अध्यक्ष विपिन सैनी ने किया। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रहेगी। प्रमुख मांगों में कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगतियों को दूर करना, 10, 16 और 26 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति वेतनमान देना, 2014 के बाद नियुक्त अभियंताओं को 5400 ग्रेड पे का लाभ, पेयजल एवं जल संस्थान का एकीकरण, उच्च पदों पर पदोन्नति के लिए समानांतर गैलरी का निर्माण, बाहरी कार्यदायी संस्थाओं पर रोक,

पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली और कृषि अभियंत्रण निदेशालय की स्थापना शामिल हैं। इसके अलावा ऊर्जा निगमों में पदोन्नति की सीमा 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई गई।हड़ताल में लोक निर्माण, सिंचाई, कृषि, शहरी एवं ग्रामीण विकास समेत विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर शामिल रहे। तीसरे दिन ई. अमर सिंह (जनपद सचिव), ई. अनुज सैनी, ई. मुकेश कुमार, ई. सुभाष चंद उपाध्याय, ई. राहुल कुमार, ई. सुधीर कुमार, ई. उदय चौधरी, ई. स्वाति गुप्ता, ई. सारिका सहित अन्य इंजीनियरों ने अपने विचार रखे और आंदोलन को तेज करने का आह्वान किया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर हो रजत जयंती पार्क का नाम

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। पूर्व सभासद व उड़ान वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष याकूब अली व पूर्व चौयरमेन ने क्षेत्रीय विधायक को दिए पत्र में शासन द्वारा स्वीकृत रजत जयंती पार्क का नाम डॉ० भीम राव अम्बेडकर के नाम पर रखने की मांग की है।

लंढौरा में अनुसूचित समाज के लोगों द्वारा डॉ० भीम राव अम्बेडकर के नाम पर पार्क बनाने को लेकर चली आ रही मांग को देखते हुए पूर्व सभासद व उड़ान वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष याकूब अली व पूर्व चौयरमेन शहजाद खांन ने क्षेत्रीय विधायक उमेश कुमार को पत्र देकर शासन

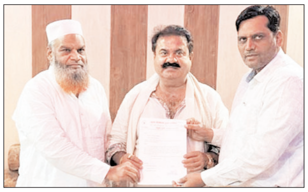

द्वारा लंढौरा में 1 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत रजत जयंती पार्क का नाम डा० बीआर अंबेडकर के नाम पर रखने की मांग की है। पूर्व चौयरमेन व सभासद का कहना है कि सविंधान रचयिता डा० अम्बेडकर के नाम पर पार्क का नाम रखे जाने से सभी वर्ग के लोगों को खुशी होगी। विधायक उमेश कुमार ने बताया कि रजत जयंती पार्क के नाम बदलने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा।

मुख्य शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी को आयोग ने किया तलब

रुड़की। बाल संरक्षण आयोग उत्तराखंड ने नारसन खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार को बच्चो के शिकायती पत्र पर कार्यवाही ना करने पर तलब कर लिया है।

गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से नारसन खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एक विद्यालय के प्रांगण में संचालित हो रहा है विद्यालय में नव निर्मित भवन के एक कमरे पर खंड शिक्षा अधिकारी नारसन के कार्यालय लिपिकों ने कब्जा किया हुआ है जिसकी शिकायत स्कूल में पढ़ रहे बच्चों ने बाल संरक्षण आयोग में उक्त कब्जे की शिकायत की लेकिन आज तक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा उस सम्बन्ध में कोई कार्यवाही नहीं की जिसका संज्ञान लेकर बाल संरक्षण आयोग ने मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी नारसन को 28 मार्च को आयोग में तलब किया है।

कैबिनेट मंत्री बनने पर विधायक बत्रा का भव्य सम्मान, संगठनों ने दी शुभकामनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विधायक प्रदीप बत्रा का विभिन्न संगठनों द्वारा जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ, जनपद हरिद्वार तथा मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन (चिकित्सा विभाग) के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राजकीय फार्मेसी अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वहीं जिला मंत्री एस.पी. बडोला तथा मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज नवानी ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार ने कहा कि प्रदेशवासियों को मंत्री से काफी उम्मीदें हैं और उनके नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखण्ड में चहुंमुखी विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही परिवहन विभाग में भी नए आयाम स्थापित होने की अपेक्षा जताई गई।वहीं मंत्री प्रदीप बत्रा ने सभी पदाधिकारियों एवं संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्नेह और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष उमेश मेढानी, फार्मेसी अधिकारी निस्कांत सिरोहा, आतोष

कुमार, विनोद कुमार एवं विपिन बर्मन सहित मौजूद रहे।

पुलिस ने एक फरार वारंटी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। पुलिस टीम ने लगातार गैरहाजिर रहने पर एक वारंटी, को पकड कर कोर्ट में पेश किया है। एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली मंगलौर पुलिस ने दिनांक 24-3-26 को में मुखबिर की सूचना पर विशेष टीम का गठित कर सम्भावित स्थानो पर दबिश देते हुए आकाश नामक वारंटी को गिरफ्तार किया गया। लगातार फरार चल रहे वारंटी की गिरफ्तारी के संबंध में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए गए थे। नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। वारंटी-आकाश पुत्र कश्मीरी लाल निवासी हरिनगर थाना पुरकाजी उ0प्र0 है।

किशोरी को नशीला पदार्थ खिलाकर गेस्ट हाउस में दुष्कर्म का आरोप

मां की तहरीर पर पड़ोसी युवक के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर पड़ोस की ही एक किशोरी को बहला-फुसलाकर गेस्ट हाउस में ले जाकर उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कलियर घ्थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसकी किशोरी को बहला-फुसलाकर एक गेस्ट हाउस में ले गया और वहां उसने किशोरी को कोई नशीला पदार्थ पिला दिया जिससे वह बेसुध हालत में हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।घ्आरोप है कि आरोपी ने दुष्कर्म के दौरान किशोरी की आपत्तिजनक वीडियो भी बना ली। होश आने पर आरोपी ने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। डरी-सहमी किशोरी ने परिजनों को आपबीती सुनाई।जिसके बाद परिजन थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार लिया जाएगा।

लक्सर में सरकार की चार साल की उपलब्धियों का जश्न, समस्याओं का किया समाधान

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर प्रदेश सरकार के सफल 4 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लक्सर ब्लॉक मुख्यालय पर सरकार जन- जन के द्वार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकास की बेमिसालश उपलब्धियों को गिनाने के साथ-साथ आम जनमानस की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गयाविभिन्न विभागों की रही मौजूदगीकार्यक्रम में शासन-प्रशासन की सक्रियता देखने को मिली। राजस्व, विकास विभाग, कृषि, विद्युत पेयजल और पुलिस खाद्य पूर्ति सहित कई प्रमुख विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने शिरकत की।

एसडीएम लक्सर सौरभ असवाल ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहासरकार के 4 साल की तमाम उपलब्धियां और लागू की जा रही विकास योजनाओं की जानकारी सीधे जनता तक पहुँचाना ही इस आयोजन का मुख्य ध्येय है। जो समस्याएं आज प्राप्त हुई हैं, उनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है, जबकि शेष समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध समाधान

के कड़े निर्देश दिए गए हैं। विकास की बयार: लक्सर ब्लॉक प्रमुखहर्ष कुमार दौला ने सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार अनेक विकास योजनाएं लागू कर प्रदेश का कायाकल्प कर रही है।

चाकू सहित एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। एसएसपी के निर्देशों पर चलाये जा रहे चैकिंग अभियान असर दिखा जब एक आरोपित को चाकू सहित धर दबोच लिया है। एसएसपी हरिद्वार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को संघन चौकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश निर्गत किए गए हैं। उपरोक्त क्रम में थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा दिनांक-24.03.2026 को थाना क्षेत्रान्तर्गत संघन चौकिंग अभियान चलाया गया। चैकिंग के दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे साहिद पुत्र सलीम निवासी मक्खनपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को चौकी काली नदी क्षेत्र में रोककर चौक किया गया तो आरोपित साहिद के कब्जे से 01 अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ। आरोपित किसी बडी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से काली नदी क्षेत्र में घूम रहा था। आरोपित के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। नाम पता आरोपित' ाहिद पुत्र सलीम निवासी मक्खनपुर कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार है।

प्रेस विज्ञप्ति
ज्ञान लक्ष्मी आर्य ग्रुप आफ इंस्टीटयूट लक्सर
पत्रांक सं. GLADC/2026/MAR/009 Date - 25-03-26
आवश्यकता है
पद : प्राचार्य, आचार्य, सहायक आचार्य, स्टाफ
बीए संकाय : (हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, चित्रकला, इतिहास, भुगोल)
बीएससी संकाय:(गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)
बीकॉम संकाय एवं विधि संकाय : (Faculty of law) **शैक्षिक अर्हता :** यूजीसी के मानक के आधार। **वेतन :** योग्यतानुसार
आवेदन करें: ज्ञान लक्ष्मी आर्य ग्रुप आफ इंस्टीटयूट लक्सर।
निकट न्यू रोडवेज बस स्टैंड, हरिद्वार रोड लक्सर, ई मेल-gyanlaxmicollege@gmail.com,संपर्क सूत्र : 7055800064, 8077134988

संबंध विच्छेद-सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र खुशनूद का का आचरण मेरे व मेरे परिवार के साथ ठीक ना होने के कारण मैंने अपने खुशनूद को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है आज के बाद खुशनूद के किसी भी लेनदेन व अनैतिक कार्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
हनीस पुत्र जिंदा हसन नि. नगर पंचायत सुल्तानपुर थाना व तहसील लक्सर, हरिद्वार।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 26 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

विश्वास की कमी

बुधवार को खबर आई कि पाकिस्तान की मार्फत ईरान को अमेरिका की तरफ से युद्ध समाप्त करने को लेकर 15 शर्तीय पैगाम पहुंचाया गया। उसमें क्या शर्तें थी यह तो सामने नहीं आया, लेकिन ईरान की तरफ से जो जवाब आया है उससे साफ है कि ईरान इस समय अमेरिका की तरफ से आ रहे किसी भी शांति प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं है। ईरान की तरफ से कहा गया है कि अगर अमेरिका उसकी पांच शर्तों को मानेगा, तो युद्ध विराम पर विचार किया जा सकता है। सबसे बड़ी शर्त तो उसकी यही है कि युद्ध में अब तक जो ईरान का नुकसान हो रहा है, अमेरिका उसका मुआवजा दे। दूसरे वह कुछ सप्ताह या महीने के युद्ध विराम पर सहमत नहीं हो सकता, उसके लिए जरूरी है कि ऐसा वादा किया जाए, जिससे युद्ध हमेशा के लिए खत्म हो। तीसरे ईरान चाहता है कि होर्मुज पर उस पर इंटरनेशनल अथॉरिटी की तरफ से उसको पूरी तरह कंट्रोल हासिल हो। ऐसी दो अन्य शर्तें भी हैं। जाहिर है, आज के संदर्भ में इस तरह की गारंटी कोई भी देश लेने को शायद ही कोई तैयार होगा। इसलिए जो शांति के प्रयास इस समय चल रहे हैं वे कुछ उम्मीद तो जगाते हैं, लेकिन साथ ही भ्रमित भी करते हैं कि वास्तव में दोनों ही पक्ष युद्ध रोकने के लिए गंभीर हैं भी या नहीं। असल में इस समय जो देखने में आ रहा है वह यह है कि दोनों ही पक्षों के बीच में अविश्वास की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि इसको पाटना अभी बेहद मुश्किल दिखाई दे रहा है और किसी भी सकारात्मक नतीजे पर पहुंचने के लिए यह खाई पाटना बेहद जरूरी होता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस अनिश्चितता के लिए अगर इस समय कोई देश सबसे ज्यादा जिम्मेदार है तो वह अमेरिका और इस्राईल ही है। जिन्होंने बिना किसी उकसावे के न सिर्फ ईरान पर हमला किया, बल्कि उसके टॉप लीडर्स व अधिकारियों को मार गिराया और यह क्रम अभी भी जारी है। दोनों ही पक्ष एक-दूसरे के शहरों पर लगातार अभी भी बमबारी कर रहे हैं। कोई भी समझ सकता है कि बमबारी और शांति की वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। उसके लिए पहले वार्ता का माहौल बनाना बेहद जरूरी होता है, जो बनता दिखाई नहीं दे रहा। जहां तक बात भारत की है, भारत में इस समय एलपीजी व डीजल, पेट्रोल की किल्लत स्पष्ट दिखाई दे रही है, भले ही सरकार कहे कि उसके पास ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जैसीकि उसने बुधवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक के बाद भी कहा, लेकिन आम जनता की बात तो छोड़िए विपक्षी दल ही सरकार के आश्वासनों से सहमति जताते दिखाई नहीं दे रहे हैं और इस संकट के लिए पीएम मोदी को सीधे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि विदेश नीति मोदी की निजी विदेश नीति में बदल गई है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि विदेश नीति को हम इस समय पटरी से उतरते देख रहे हैं।

यू-टर्न उस्ताद पीएम मोदी ने बदला मन

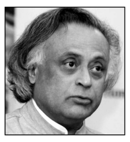

नए संसद भवन में नारी वंदन अधिनियम, 2023 ऐतिहासिक कानून को पारित किया गया था, इस कानून के जरिए संविधान में संशोधन करके लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया था, इस कानून में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों के भीतर भी एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल था, इन आरक्षणों को लागू करने का काम स्पष्ट तौर पर परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने से जोड़ा गया था, कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों से ही इसे तुरंत लागू करने की जोरदार मांग की थी, तब मोदी सरकार ने यह तर्क दिया था कि परिसीमन और जनगणना का काम पहले पूरा किए बिना ऐसा करना संभव नहीं है, अब यू-टर्न उस्ताद पीएम मोदी ने 30 महीने बाद अचानक अपना मन बदल लिया है।

-जयराम रमेश, वरिष्ठ कांग्रेस नेता

बढ़ती गर्मी से कीटों पर बढ़ता संकट

अध्ययन से पता चला कि गर्म और निचले इलाकों में रहने वाले कीट आम तौर पर ठंडे और ऊंचे इलाकों के कीटों की तुलना में ज्यादा तापमान सहन कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ एक बड़ी समस्या भी है। निचले इलाकों का वातावरण पहले ही उस अधिकतम तापमान के बहुत निकट है, जिसे वहां रहने वाले कीट सह सकते हैं। इसलिए अगर तापमान थोड़ा भी बढ़ता है, तो वे जल्दी ही अपनी सहनशीलता की सीमा पार कर सकते हैं।

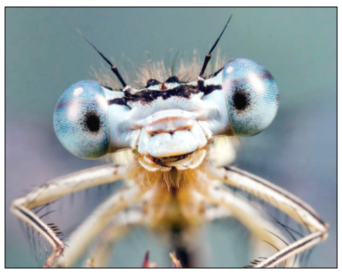

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के गर्म और निचले स्थानों में रहने वाले कीट अत्यधिक गर्मी में भी जीवित रहने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि इनमें से कई कीट पहले ही अपनी सहनशक्ति के तापमान की सीमा के करीब रह रहे हैं। ऐसे में अगर पृथ्वी का तापमान और बढ़ता है, तो इन प्रजातियों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में यह देखा गया कि अलग-अलग कीट प्रजातियां गर्मी पर किस तरह प्रतिक्रिया देती हैं ताकि यह समझा जा सके कि जलवायु परिवर्तन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कीटों की विविधता को कैसे प्रभावित कर सकता है।

गौरतलब है कि स्तनधारियों के विपरीत, कीट अपने शरीर का तापमान खुद नियंत्रित नहीं कर सकते। उनके शरीर का तापमान लगभग पूरी तरह आसपास के वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए अधिक गर्मी से बचने के लिए वे छांव में चले जाना, मिट्टी में दुबक जाना या ठंडक के समय में ही सक्रिय रहना जैसे तरीके अपनाते हैं। उनके शरीर में कुछ खास प्रकार के प्रोटीन भी बनते हैं, जो अधिक तापमान से कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इन्हें 'हीट शॉक प्रोटीन' कहा जाता है। लेकिन इस सुरक्षा की भी एक सीमा है। जब तापमान एक हद से ऊपर चला जाता है, तो कीट हिलना-डुलना बंद कर देते हैं और अंततरू मर जाते हैं।

कीटों की अधिकतम ऊष्मा-सहनशीलता सीमा को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने लगभग 2300 प्रजातियों पर एक बड़ा फील्ड अध्ययन किया। यह काम पर्यावरण वैज्ञानिक किम ली होल्जमैन के शोध से शुरू हुआ था। उन्होंने पेरू के एंडीज पर्वत क्षेत्र में अलग-अलग ऊंचाइयों से कई मौसमों के दौरान कीट इकट्ठा किए। हर कीट को एक छोटी ट्यूब में रखकर धीरे-धीरे बढ़ती गर्मी के संपर्क में लाया गया। वैज्ञानिक यह देखते रहे कि किस तापमान पर कीट हिलना-डुलना बंद कर देता है, क्योंकि यही उसकी गर्मी सहने की अधिकतम सीमा मानी जाती है। बाद में इसी तरह का प्रयोग केन्या के एक अन्य उष्णकटिबंधीय पर्वतीय क्षेत्र में भी किया गया।

अध्ययन से पता चला कि गर्म और निचले इलाकों में रहने वाले कीट आम तौर पर ठंडे और ऊंचे इलाकों के कीटों की तुलना में ज्यादा तापमान सहन कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ एक बड़ी समस्या भी है। निचले इलाकों का वातावरण पहले ही उस अधिकतम तापमान के बहुत निकट है, जिसे वहां रहने वाले कीट सह सकते हैं। इसलिए अगर तापमान थोड़ा भी बढ़ता है, तो वे जल्दी ही अपनी सहनशीलता की सीमा पार कर सकते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि अलग-अलग कीट समूहों की गर्मी सहने की क्षमता अलग होती है। उदाहरण के लिए, मक्खियां सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं और औसतन लगभग 39 डिग्री सेल्सियस पर ही उनकी गतिविधि रुकने लगती है। भृंग (बीटल) थोड़े मजबूत होते हैं और करीब 41 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी सह सकते हैं। मधुमक्खियां और अन्य कॉलोनी बनाकर रहने वाले कीट इससे थोड़ी अधिक गर्मी झेल सकते हैं। टिड्डे और उनसे मिलती-जुलती प्रजातियां सबसे ज्यादा सहनशील पाई गईं, जो लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सह सकती हैं।

इन समूहों के अंतर को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने सैकड़ों कीट प्रजातियों के जेनेटिक डैटा का अध्ययन किया। कंप्यूटर मॉडल की मदद से उन्होंने देखा कि कीटों के शरीर में मौजूद हीट शॉक प्रोटीन की संरचना किस तापमान पर बिखरने लगती है। नतीजे प्रयोगों से मिले परिणामों से मेल खाते थेय जिन प्रजातियों के प्रोटीन अधिक स्थिर थे, वे अधिक गर्मी सहन कर पाए। इससे संकेत मिलता है कि गर्मी सहने की यह सीमा कीटों की जैविक बनावट से जुड़ी है। और जैविक बनावट सहस्राब्दियों में बदलती है। अर्थात इन कीट प्रजातियों की स्थिति कमोबेश स्थिर रहेगी। यह अध्ययन चिंताजनक है। जलवायु मॉडल बताते हैं कि इस सदी के अंत तक उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का तापमान इतना बढ़ सकता है कि लगभग आधी कीट आबादियां कुछ घंटों तक भविष्य की गर्मी झेलने के बाद बेहोशी जैसी स्थिति में पहुंच सकती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इतनी चरम स्थिति आने से पहले ही कीटों की संख्या घटने लग सकती है, क्योंकि लंबे समय तक गर्मी का दबाव उनके जीवित रहने और प्रजनन की क्षमता को कम कर देता है।

कीट पर्यावरण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परागण, जैविक कचरे का विघटन करके वे खाद्य संजाल का एक जरूरी हिस्सा होते हैं। अगर उनकी संख्या घटती है, तो इसका असर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है। शोधकर्ता कहते हैं कि यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि उष्णकटिबंधीय कीट बदलते मौसम के साथ कैसे तालमेल बिठाएंगे। लेकिन अध्ययन दर्शाता है कि दुनिया के सबसे गर्म इलाकों में तापमान में थोड़ी-सी बढ़ोतरी भी कई कीट प्रजातियों की सहनशीलता को परास्त कर सकती है।

-स्रोत फीचर्स

उड़ते समय भौंरे खुद को ठंडा कैसे रखते हैं

स्रोत फीचर्स

भौंरे जबर्दस्त उड़ाके होते हैं। वे लगभग 22 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकते हैं। इतनी तेज उड़ान के दौरान उनकी मांसपेशियां फड़फड़ाकर काफी गर्मी पैदा करती हैं। तो उड़ते समय भौंरे का शरीर बहुत गर्म हो सकता है। जैसे कार का इंजन, जिसे ठंडा न किया जाए तो खूब गर्म हो सकता है। तो भौंरे उड़ान के दौरान गर्म होकर झुलस क्यों नहीं जाते?

नए शोध से पता चला है कि वे अपने पंखों की तेज फड़फड़ाहट से बहने वाली हवा के जरिए खुद को ठंडा रखते हैं, जब भौंरा हवा में एक जगह ठहरकर उड़ता है, तो उसके पंखों से नीचे की ओर बहती हवा उसके शरीर का तापमान लगभग 5 डिग्री सेल्सियस तक कम कर देती है। इतने छोटे कीट के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। उड़ान के दौरान भौंरों की मांसपेशियां बहुत ज्यादा गर्मी पैदा करती हैं। ठंड में तो यह गर्मी उड़ान के लिए वार्मअप में काम आ जाती है। लेकिन गर्मियों में यह खतरनाक साबित होती है। अतिरिक्त गर्मी से निपटने के उनके कुछ तरीके तो पहले से मालूम हैं। वे अपने वक्षस्थल (जहां उड़ान की मांसपेशियां होती हैं) से गर्मी को शरीर के पिछले हिस्से तक एक खास द्रव के जरिए पहुंचा सकते हैं। वैज्ञानिक यह भी देखते रहे हैं कि धूप उन्हें कितना गर्म करती है और पसीने जैसी प्रक्रिया से उन्हें कितनी ठंडक मिलती है। इन सबको मिलाकर वैज्ञानिक 'ऊष्मा संतुलन मॉडल' कहते हैं। लेकिन अब तक एक बात स्पष्ट नहीं थीरू क्या उनके पंखों से पैदा होने वाला वायु प्रवाह भी उन्हें ठंडा करने में मदद करता है। इसे समझने के लिए वैज्ञानिकों ने भौंरों को एक खास प्रयोगशाला कक्ष में रखा, जहां हवा की गति मापने वाले उपकरण लगे थे। जब भौंरे नकली फूलों के ऊपर मंडरा रहे थे, तब शोधकर्ताओं ने देखा कि उनके आसपास हवा लगभग 0.25 से 2 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से बह रही थी। धुंध जैसी हल्की फुहार का इस्तेमाल करके उन्होंने यह भी देखा कि हवा उनके शरीर के चारों ओर कैसे फैलती है। यह जानने के लिए कि यह हवा उन्हें कितनी ठंडक देती है, वैज्ञानिकों ने और भी परीक्षण किए। उन्होंने भौंरों के शरीर में बहुत छोटे तापमापी लगाए और हवा की वही स्थिति बनाई। तापमान में बदलाव की तुलना करके उन्होंने पाया कि अगर पंखों से पैदा होने वाली यह ठंडक न मिले, तो भौंरा दो मिनट से भी कम समय में तपकर टपक सकता है। यानी भौंरों के पंखों से पैदा होने वाला हवा का बहाव एक तरह का प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम है। हालांकि वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि जब भौंरे उड़ते-उड़ते आगे बढ़ते हैं, तब यह प्रक्रिया कैसे काम करती है।

चंद्रमा के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र का रहस्य

यह भी स्पष्ट हुआ कि दोनों तरह की चट्टानें चुंबकीय जानकारी सहेजकर रखने में समान रूप से सक्षम थीं। यानी फर्क चट्टानों की चुंबकीय सूचना को सहेजने की क्षमता में नहीं, बल्कि इस बात में था कि उनकी चुंबकीय क्षेत्रा पैदा करने की क्षमता में अंतर था। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अरबों साल पहले चंद्रमा के अंदर, मेंटल की गहराई में मौजूद टाइटेनियम-समृद्ध चट्टानें समय-समय पर पिघलती थीं। जिसके लिए गर्मी कोर तथा आसपास के पदार्थ से मिलती था। इससे कुछ समय के लिए कोर में मंथन शुरू हो जाता और एक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बन जाता था।

लगभग पचास वर्ष पूर्व अपोलो मिशन से लाई गई चंद्रमा की चट्टानों में मौजूद खनिज बताते हैं कि करीब 3.5 अरब साल पूर्व चंद्रमा पर बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र था, जो लाखों साल तक बना रहा। लेकिन इतनी ताकतवर चुंबकीय शक्ति के लिए चंद्रमा के भीतर पिघला और गतिशील कोर होना जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना था कि चांद का अपेक्षाकृत छोटी साइज का कोर जल्दी ठंडा हो गया होगा। लेकिन उसी समय की कुछ अन्य चट्टानें संकेत दे रही थीं कि चंद्रमा का चुंबकीय क्षेत्र कमजोर था। इन दोनों अवलोकनों के कारण रहस्य पैदा हुआ।

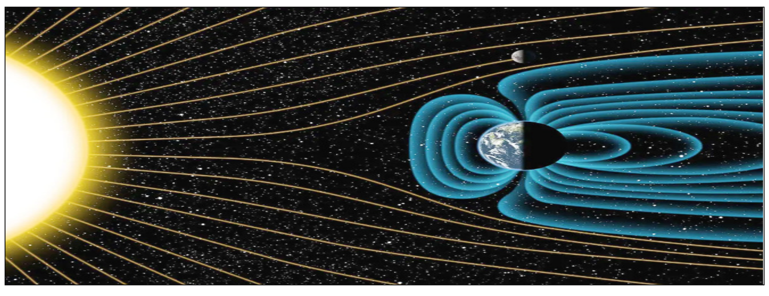

अब एक नए अध्ययन से राह खुली है। नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित शोध के अनुसार, चंद्रमा पर लगातार शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र नहीं था। बल्कि 4 अरब से 3.5 अरब साल पूर्व के दरम्यान बार-बार सीमित समय के लिए लेकिन बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बनता था। अपोलो मिशन द्वारा लाई गई कुछ ज्वालामुखीय चट्टानों की ध्यानपूर्वक जांच से पता चला कि उनमें कम टाइटेनियम वाली चट्टानों की तुलना में अधिक टाइटेनियम वाली चट्टानों में चुंबकीय शक्ति अधिक थी। यह भी स्पष्ट हुआ कि दोनों तरह की चट्टानें चुंबकीय जानकारी सहेजकर रखने में समान रूप से सक्षम थीं। यानी फर्क चट्टानों की चुंबकीय सूचना को सहेजने की क्षमता में नहीं, बल्कि इस बात में था कि उनकी चुंबकीय क्षेत्र पैदा करने की क्षमता में अंतर था।

शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अरबों साल पहले चंद्रमा के अंदर, मेंटल की गहराई में मौजूद टाइटेनियम-समृद्ध चट्टानें समय-समय पर पिघलती थीं। जिसके लिए गर्मी कोर तथा आसपास के पदार्थ से मिलती था। इससे कुछ समय के लिए कोर में मंथन शुरू हो जाता और एक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बन जाता था। जब यह पिघला हुआ मैग्मा सतह पर ठंडा होकर ठोस बन जाता, तो उस समय का चुंबकीय असर उसके भीतर दर्ज रह जाता था। इस नए विचार के अनुसार, चंद्रमा पर लगातार और लंबे समय तक बना रहने वाला चुंबकीय क्षेत्र नहीं था। बल्कि वहां बार-बार बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र थोड़े-थोड़े समय (5,000 साल से भी कम के समय) के लिए बनता था। शेष लंबे समय तक कमजोर चुंबकीय क्षेत्र रहता था। यही वजह हो सकती है कि कुछ चट्टानों में शक्तिशाली चुंबकीय गुण दिखता है, जबकि उसी समय की अन्य चट्टानों में नहीं। यह अंतर शायद नमूने इकट्ठा करने की जगह के कारण हो सकता है। अपोलो मिशन ज्यादातर ज्वालामुखीय मैदानों में उतरे थे, जहां बार-बार लावा बहा था। संभव है कि वहां ऐसी चट्टानें ज्यादा मिली हों जो विस्फोटों के दौरान बनी थीं, जिससे ऐसा लगा कि चुंबकीय क्षेत्र लंबे समय तक लगातार शक्तिशाली था। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि यह नया विचार चंद्रमा के पूरे चुंबकीय इतिहास को नहीं समझा पाता। फिर भी यह जांच के लिए एक नई दिशा जरूर देता है। आगे की प्रगति नए मिशनों से लाए जाने वाले नमूनों की मदद से आगे बढ़ेगी, जैसे चीन के चंद्रमिशन के नमूनों के अध्ययन से।

-स्रोत फीचर्स

चंडीगढ़ : नाम बड़े मगर दर्शन छोटे

भारत में वर्तमान में 8 केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़ अकेला है जिसे सिटी ब्यूटीफुल कहा जाता है। इसकी सबसे बड़ी और अनोखी विशेषता यह है कि यह देश का एकमात्र केंद्र शासित प्रदेश है जो देश के पंजाब और हरियाणा जैसे दो समृद्ध राज्यों की संयुक्त राजधानी है। इसके अतिरिक्त चंडीगढ़ न केवल एक शहर है, बल्कि यह एक स्वतंत्र केंद्र शासित प्रदेश भी है, जो सीधे केंद्र सरकार के अधीन आता है। इसकी स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि यह है कि 1947 के भारत विभाजन के बाद जब पूर्वी पंजाब की पुरानी राजधानी लाहौर पाकिस्तान में चली गई तो भारतीय पंजाब को एक नई राजधानी की जरूरत महसूस हुई। उसी समय 1950 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की दूरदर्शिता के परिणाम स्वरूप चंडीगढ़ को आधुनिक भारत के पहले व पूर्णत: नियोजित शहर के रूप में पंजाब की नई राजधानी के तौर पर इसे बनाया गया। इसे विश्व प्रसिद्ध स्विस-फ्रेंच वास्तुकार ले कोर्बुजिए ने डिजाइन किया था। बाद में जब 1 नवंबर 1966 को पंजाब राज्य को भाषाई आधार पर विभाजित कर हरियाणा बनाया गया उस समय चंडीगढ़ को दोनों राज्यों के बीच विवाद से बचने के लिए केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया गया और इसे दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बना दिया गया। आज भी दोनों प्रदेशों की राजधानी होने के बावजूद चंडीगढ़ न तो पूरी तरह पंजाब का है और न हरियाणा का बल्कि यह पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा प्रशासित है।

लगभग 50 आयताकार सेक्टरों में बांटा गए इस चंडीगढ़ में चौड़ी सड़कें, हरियाली, पार्क और आधु. निक इमारतें हैं। यहां कैपिटल कॉम्प्लेक्स के रूप में विधानसभा, सचिवालय व उच्च न्यायालय हैं। यहां विद्युत ,जल निकासी,नाले नालियां सभी भूमिगत हैं। यह शहर यूनेस्को की भी विश्व धरोहर है।यहां स्थित रॉक गार्डन, सुखना झील, रोज गार्डन आदि जगहें इसे पर्यटन स्थल के रूप में पहचान देती हैं। भारत के अन्य शहरों की तुलना में यहां जनघनत्व कम, सड़कें व्यवस्थित और प्रदूषण नियंत्रित होने का दावा किया जाता है। यह भारत में मानव विकास सूचकांक और जीवन की गुणवत्ता में भी शीर्ष पर है। यह ह्पेंशनर्स पैराडाइजह्व भी कहलाता है क्योंकि यहां शांत वातावरण, अच्छी सुविधाएं और उच्च जीवन स्तर है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में यह दूसरे नंबर पर था। आवासीय क्षेत्र, बाजार , जल निकासी और सार्वजनिक शौचालयों के मामले में भी यह सबसे साफ केंद्र शासित प्रदेश गिना जाता है परन्तु इसी चमचमाते चंडीगढ़ का एक दूसरा पहलू भी है जो कि अत्यंत दुखद,शर्मनाक व चंडीगढ़ जैसे सुनियोजित शहर की सुंदरता व इस पर लगे सिटी ब्यूटीफुल के लेबल पर सवाल खड़ा करने वाला है। मिसाल के तौर पर निश्चित रूप से यहां के अधिकांश मुख्य मार्ग साफ सुथरे हैं परन्तु जब आप चंडीगढ़ के घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाकों से गुजरें तो आप को पता चलेगा कि चंडीगढ़ की एक बड़ी मध्यम व निम्न मध्यम वर्गीय आबादी किस तरह रहती है। उदाहरण के तौर पर चंडीगढ़ में हेलो माजरा,राम दरबार कालोनी व डड्डू माजरा जैसे अनेक इलाके ऐसे हैं जहां सड़कें खस्ता हाल हैं। गड्ढे हैं ,जगह जगह कूड़ों का ढेर है। गाएं व सांडों का झुण्ड जगह जगह घूमता व चौक चौराहों पर डेरा जमाए नजर आता है। राम दरबार कॉलोनी की टूटी-फूटी सड़कों, गंदगी, जाम नालियों और खराब सफाई घ्प्रबंधन के कारण अपेक्षाकृत चंडीगढ़ के उपेक्षित इलाकों में गिने जाते हैं। ह्राम दरबार वॉर्ड19 की एक बड़ी आबादी वाली बस्ती है, जिसकी मूल सुविधाओं की हालत लगातार घटती जा रही है और समस्याएं दोनोंदिन बढ़ती जा रही हैं।

इसी राम दरबार की शान है एक प्राचीन सूफी स्थल दरबार, माता राम बाई जी,अम्मी हुजूर। चंडीगढ़ को पहचान देने वाला यह अकेला ऐसा स्थान है जो सर्व धर्म समभाव का मुख्य केंद्र है। इससे सटा हुआ एक सार्वजनिक शौचालय है जोकि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा निर्मित व संचालित है परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि इस शौचालय भवन में बिजली का कनेक्शन कटा हुआ है। इसलिए शौचालय के कर्मचारी गैरकानूनी तरीके से इधर उधर से बिजली का तार जोड़कर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। इसी शौचालय के कर्मचारी यह भी बताते हैं कि उन्हें ठेकेदार कई कई महीने तक तनख्वाह नहीं देता और हद तो यह है कि चंडीगढ़ के इसी सार्वजनिक शौचालय ने गंदिगी,बीमारी व प्रदूषण फैलाने की वह इबारत लिखी है जिसकी दूसरी मिसाल शायद ही कहीं देखने को मिले। लाखों रूपये खर्च कर किए गए इस निर्माण में शौचालय की सीवरेज प्रणाली शायद जाम हो गई है। लिहाजा यहां के कर्मचारियों ने शौचालय के पीछे व पवित्र दरबार भवन की दिशा में लगभग 20 फुट लंबा एक गहरा व खुला गड्ढा खोद कर उसी से सीवेरज को जोड़ दिया है। परिणामस्वरूप शौचालय की सारी गंदिगी आगे बढ़ने के बजाए उसी गड्ढे में हर वक्त भरी रहती है और दुर्गन्ध फैलती रहती है।

इसी जगह के पास प्रत्येक वृहस्पतिवार को एक विशाल मंडी भी लगती है जिसमें हजारों लोग आते जाते हैं। इसी जगह पर कूड़ों का ढेर भी पड़ा रहता है जो आम दिनों में प्रदूषण फैलाता है। परन्तु इंतेहा तो तब हो जाती है जब इन्हीं कूड़े के ढेरों में आग लग जाती है। कई बार अग्निशामक दस्ते के लोगों को आकर यह आग बुझानी पड़ी है। 1 जून 2025 को ददुमाजरा लैंडफिल साइट जोकि 45 एकड़ में फैला कूड़ा का पहाड़ है यहां पर भयानक आग लग गई थी। यह आग तेज हवाओं के कारण तेजी से बड़े क्षेत्र में फैल गई थी। इस आग से निकलने वाले घने काले धुएं ने आसपास के रिहायशी इलाकों को घेर लिया था। लोगों में दहशत फैल गई थी लोगों का दम घुटने लगा था और सांस की तकलीफ और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई थीं। उस समय आग बुझाने के लिए सेक्टर 38, 17, 32, रामद. रबार और मनीमाजरा से एक दर्जन से ज्यादा फायर ब्रिगेड गाड़ियां लगाई गई थीं। यही स्थिति राम दरबार के सामने खुले मैदान पर पड़े कूड़े के ढेर पर कई बार हो चुकी हैं। चंडीगढ़ के सिटी ब्यूटीफुल होने के तमाम सरकारी दावों के बावजूद अभी भी यहां की बड़ी व घनी आबादी जिन समस्याओं का शिकार है उन्हें देखकर तो यही कहा जा सकता है कि चंडीगढ़ के नाम तो बड़े हैं परन्तु दर्शन छोटे हैं।

-निर्मल रानी

प्रयागराज। आपूर्ति संकट के बीच खाली एलपीजी के गैस सिलेंडरों के साथ कतार में खड़े होकर रिफिल किए हुए सिलेंडर प्राप्त करने का इंतजार करते हुए लोग।

अमेरिका को होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिए: जॉन बोल्टन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व एनएसए जान बोल्टन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान के तेल राजस्व को खत्म करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए। जान बोल्टन ने आकलन किया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की बातचीत में क्षेत्रीय संघर्ष और ईरानी ऊर्जा पर भारत की निर्भरता पर बात हुई होगी। जान बोल्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे ईरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन-देन का असर भू-राजनीति पर पड़ता है।

ट्रम्प के लिए होर्मुज स्ट्रेट खुलवाना मुश्किल!

ईरान संकरे रास्ते का फायदा उठा रहा, यहां अमेरिकी वॉरशिप भी सुरक्षित नहीं, सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और नहीं बढ़ पा रहे

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहा युद्ध अब इतना बढ़ गया है कि होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद हो गया है। इस वजह से सैकड़ों तेल टैंकर दोनों तरफ खड़े हैं और आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इससे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल को पार कर चुकी हैं। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि वह इस समुद्री रास्ते को 'किसी भी तरह' फिर से खोलेंगे। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह काम इतना आसान नहीं है।

अगर ईरान से कोई समझौता नहीं होता या अमेरिका कोई बड़ा मिलिट्री एक्शन नहीं लेता, तो इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही बहाल करना मुश्किल होगा। ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है। यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरान के पहाड़ी तट के बहुत करीब से गुजरना पड़ता है। यही वजह है कि ईरान इस इलाके का फायदा उठाकर दुश्मनों पर हमले

■ ईरान की मजबूती की सबसे बड़ी वजह इस इलाके की भौगोलिक स्थिति है होर्मुज स्ट्रेट बहुत संकरा और उथला है

करता है। ईरान के पास ऐसे हथियार हैं जो छोटे होते हैं, आसानी से छिपाए जा सकते हैं और अचानक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ये हथियार पहाड़ों, गुफाओं और सुरंगों में छिपे होते हैं। जरूरत पड़ने पर इन्हें तट के पास से ही लान्च किया जा सकता है। इस वजह से जहाजों को हमला होने पर प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय मिलता है। जैसे ही मिसाइल या ड्रोन दिखाई देता है, उसके बाद कार्रवाई के लिए सिर्फ कुछ मिनट ही होते हैं। ट्रम्प ने इस रास्ते को खोलने के लिए कई बार अलग-अलग दावे कर चुके हैं। एक बार तो उन्होंने यह भी कहा कि वह ईरान के सुप्रीम लीडर के साथ मिलकर इस रास्ते को कंट्रोल कर सकते हैं। लेकिन असल में अमेरिका जिन विकल्पों पर विचार कर रहा है, उनमें ज्यादातर सैन्य कार्रवाई ही शामिल है। अगर अमेरिका सैन्य ताकत से इस रास्ते को खोलना चाहता है, तो सबसे पहले उसे ईरान की हमले की क्षमता खत्म करनी होगी। यानी उसे मिसाइल सिस्टम, ड्रोन और उन ठिकानों को नष्ट करना होगा जहां से ईरान जहाजों पर हमला कर सकता है, लेकिन अब तक अमे. रिका और इजरायल के हजारों हमलों के बावजूद ईरान की यह क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान के पास कई जगहों पर मिसाइल बैटरी हो सकती हैं और वे मोबाइल भी होती हैं, यानी उन्हें जल्दी-जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इसलिए उन्हें ढूंढना और खत्म करना बहुत मुश्किल है। ट्रम्प ने यह भी कहा है कि जहाजों को सुरक्षित निक. ालने के लिए नौसेना के जहाज उनके साथ चल सकते हैं। इसे एस्कार्ट ऑपरेशन कहा जाता है। इसमें वारशिप टैंकरों के साथ चलेंगे, ऊपर से विमान निगरानी करेंगे, ड्रोन को मार गिराएंगे और तट पर मौजूद मिसाइल ठिकानों पर हमला करेंगे। इसके साथ ही समुद्र में अगर बारूदी सुरंगें (माइंस) बिछाई गई हैं, तो उन्हें हटाने के लिए माइंसवीपर जहाजों को लगाया जाएगा। लेकिन यह सब करना बहुत बड़ा और जटिल सैन्य अभियान होगा। इसमें काफी समय, संसाधन और जोखिम शामिल होंगे। वारशिप खुद भी इस इलाके में पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि होर्मुज जैसे संकरे इलाके में जहाजों को चारों तरफ से खतरा रहता है। ड्रोन और मिसाइल से बचाव करना यहां और मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ा खतरा समुद्र में बिछाई गई माइंस से है।

ट्रम्प को ईरान ने भेजा महंगा तोहफा!

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव और संघर्ष के बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ चल रही बातचीत और शांति प्रयासों को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रम्प का कहना है कि दोनों पक्ष इस समय गंभीर बातचीत में हैं और समझौते की संभावना बनी हुई है। ट्रम्प ने खुलासा किया कि अमेरिका एक विशाल बिजली उत्पादन संयंत्र को निशाना बनाने वाला था, लेकिन बातचीत को ध्यान में रखते हुए यह कदम फिलहाल टाल दिया गया। उनका कहना है कि ईरान की अधिकांश मिसाइलें और एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम पहले ही निष्क्रिय हो चुके हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी विमान सीधे तेहरान और अन्य हिस्सों में उड़ान भर रहे हैं और ईरान कुछ कर पाने में असमर्थ है। उन्होंने कहा वे पूरी तरह से हार चुके हैं। सैन्य रूप से वे निष्प्रभावी हैं। शांति के प्रयासों को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार न हों। ईरान ने भी इस बात का आश्वासन दिया है कि वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे। जहां तक ईरान में किससे बातचीत हो रही है, ट्रम्प ने बताया कि पहले अमेरिकी कार्रवाई में ईरान के कई नेता समाप्त कर दिए गए। अब सामने एक नया नेतृत्व है, जो पहले के नेताओं से पूरी तरह अलग है और इस बदलाव से शासन और रणनीति में महत्वपूर्ण अंतर आया है।

तेहरान ने वाशिंगटन से बातचीत को किया इन्कार

अमेरिका ने ईरान को युद्ध समाप्त करने के लिए भेजा था 15 सूत्री योजना प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से ईरान को 15 सूत्री प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक पहल हो सकती है। हालांकि ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत होने से स्पष्ट इन्कार किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी इस मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से इस योजना की पुष्टि की है। लगभग चार सप्ताह पहले 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के अंतर्गत अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़ते संघर्ष के बीच यह राजनयिक प्रयास किया जा रहा है। इसके जवाब में, ईरान ने इजरायली शहरों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और होर्मुज जलडमरूमध्य से पश्चिमी देशों से जुड़े जहाजों के आवागमन को प्रभावी रूप से प्रतिबंधित किया है। इस बीच, ईरान और लेबनान पर इजरायल के हमले जारी हैं और तेल अवीव के चैनल 12 ने प्रस्ताव के प्रमुख बिंदुओं की रिपोर्ट दी, जिसमें अमे. रिकी मांगों और संभावित रियायतों दोनों की रूपरेखा दी गई है, हालांकि किसी भी सरकार ने आधिकारिक रूप से पूरा दस्तावेज जारी नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि

■ यह प्रस्ताव पाक में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था

वाशिंगटन ईरान में सही लोगों से बातचीत कर रहा है और दावा किया कि तेहरान समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष 15 बिदुओं पर सहमत हुए हैं जिनमें ईरान द्वारा परमाणु हथियार हासिल न करने की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

ट्रम्प ने यह भी सुझाव दिया कि अगर कोई समझौता हो जाता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल सकता है और संकेत दिया कि इस तरह की व्यवस्था के तहत ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अमेरिका द्वारा अपने कब्जे में लिया जा सकता है। ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वाशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है, जबकि संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबाफ़ ने इन रिपोर्टों को वैश्विक वित्तीय और तेल बाजारों को प्रभावित करने के उद्देश्य से फैलाई गई फर्जी खबर करार दिया। उन्होंने आगे कहा कि ईरान में जनता की भावना आक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने की है। दोनों पक्षों द्वारा बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए जाने के बाद, संघर्ष को कम करने के लिए बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद बातचीत के माध्यम से समाधान की संभावना अनिश्चित बनी हुई है।

ईरान की अमेरिका को दो टूक चेतावनी

■ कहा: जब तक हम नहीं चाहेंगे पुरानी स्थिति बहाल नहीं होगी पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता जा रहा

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संकट गहराता जा रहा है। इस बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को एक बार फिर अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जारी संघर्ष में हो रहे घटनाक्रम को कूटनीतिक कामयाबी के रूप में पेश न किया जाए। उन्होंने कहा, अपनी हार को समझौता न कहो।

जब वह नहीं चाहेंगे, तब तक कोई भी पुरानी स्थिति बहाल नहीं हो पाएगी। आईआरजीसी के खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय (केएसीएचक्यू) के प्रवक्ता ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा, अपनी हार को समझौता मत कहो। उन्होंने कहा, अब क्षेत्र में आपके निवेश की कोई खबर नहीं होगी और न ही आपको उर्जा व तेल के पहले जैसे दाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा, जब तक हम नहीं चाहेंगे, तब तक कोई भी स्थिति अपने पुराने हाल में वापस नहीं लौटेगी। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है। एक ओर सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं। वहीं, दूसरी ओर कूटनीतिक बातचीत की संभावनाओं की खबरें सामने आ रही हैं, जो पूरे क्षेत्र की स्थिति को प्रभावित कर रही हैं। आईआरजीसी के प्रवक्ता ने क्षेत्र के देशों से अपील की कि वे अमेरिका, यहूदी राष्ट्रवादी (जायनिस्ट) शासन के खिलाफ एकजुट हों। उन्होंने अमेरिकी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा, हमें किसी दूर बैठे ऐसे देश की जरूरत नहीं, जो इजरायल को प्राथमिकता देता है और आपको जानवरों की तरह समझता है।

उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या अमेरिका वास्तव में क्षेत्र के देशों की सुरक्षा के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा, क्या अमेरिकी आपकी रक्षा में एक भी गोली चलाएंगे? केएसीएचक्यू सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता के अधीन है और यह इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईजीसी) व ईरानी सेना के बीच परिच. ालन में तालमेल बनाने व नियंत्रण का काम करता है। आईआरजीसी के प्रवक्ता की ये टिप्पणियां ईरान की व्यापक रणनीति को दर्शाती हैं, जिसमें वह इस टकराव को बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में पेश कर रहा है और इस्लामी देशों से एकजुट होने की अपील कर रहा है। ईरान ने अमेरिका से बात. चीत से इन्कार किया है। ईरान ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत के दावों को खारिज किया है।

मेटा पर लगाया 3100 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको। अमेरिका के न्यू मैक्सिको में एक जूरी ने मेटा को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने और अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर बाल यौन शोषण से जुड़े खतरों को छिपाने का दोषी ठहराया। करीब सात हफ्ते चले इस ट्रायल के बाद आए इस फैसले को टेक कंपनियों के खिलाफ सख्ती के बढ़ते रुझान के रूप में देखा जा रहा है।

जूरी ने राज्य के अभियोजकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि मेटा (इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का मालिक) ने सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को प्राथमिकता दी। जूरी ने माना कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और यौन शोषण के खतरों को लेकर भ्रामक जानकारी दी और अनुचित व्यापारिक तरीकों का इस्तेमाल किया। जूरी ने पाया कि हजारों उल्लंघन हुए हैं, जिनके आधार पर 375 मिलियन डालर यानी करीब 3100 करोड़ भारतीय रुपये का जुर्माना तय किया गया, जो अभियोजन पक्ष की मांग से काफी कम है। हालांकि, कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 1.5 ट्रिलियन डालर है और फैसले के बाद उसके शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। फिलहाल मेटा को तुरंत अपने कामकाज में

■ कोर्ट ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का ठहराया दोषी

बदलाव करने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। अब यह तय करना एक जज के ऊपर होगा कि क्या मेटा के प्लेटफार्म्स सार्वजनिक नुकसान का कारण बने और क्या कंपनी को इससे जुड़े नुकसान की भरपाई करनी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई मई में होगी। मेटा के प्रवक्ता ने फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि कंपनी इसके खिलाफ अपील करेगी। उन्होंने कहा कि मेटा अपने प्लेटफार्म्स पर लोगों को सुरक्षित रखने के लिए लगातार काम करती है और हानिकारक कंटेंट को हटाने की कोशिश करती है। यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के खिलाफ बढ़ते कानूनी मामलों में से एक है।

डेनमार्क में पीएम फ्रेडरिक्सन की पार्टी बहुमत से 6 सीट दूर

डेनमार्क। डेनमार्क में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन को बड़ा झटका लगा है। उनकी पार्टी बहुमत के आंकड़े से 6 सीट दूर रह गई, जिससे सरकार बनाना अब मुश्किल हो गया है। फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट पार्टी और उनके सहयोगी दल मिलकर 84 सीटें ही हासिल कर सके, जबकि बहुमत के लिए 90 सीटों की जरूरत होती है।

इस चुनाव में फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ ग्रीनलैंड को लेकर हुए विवाद को बड़ा मुद्दा बनाया था। माना जा रहा था कि इस कड़े रुख से उन्हें चुनावी फायदा मिलेगा, लेकिन नतीजों में इसका असर नहीं दिखा। चुनाव में घरेलू मुद्दे जैसे महंगाई, अर्थव्यवस्था और

■ ट्रम्प से ग्रीनलैंड विवाद का फायदा नहीं मिला

वेलफेयर ज्यादा हावी रहे। हालांकि फ्रेडरिक्सन की पार्टी अब भी सबसे बड़ी पार्टी है और उन्होंने सरकार बनाने की इच्छा जताई है, लेकिन इसके लिए उन्हें अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। इस बीच, 14 सीटों वाली माडरेट्स पार्टी किंगमेकर की भूमिका में आ गई है, जो तय करेगी कि अगली सरकार किसकी बनेगी।

48 साल बाद जगन्नाथ मंदिर के रत्नों की गिनती शुरू

पुरी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार (खजाने) की गिनती और लिस्ट बनाने की प्रक्रिया 48 साल बाद बुधवार से शुरू हो गई। 'रत्न भंडार' भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के कीमती आभूषणों का खजाना है। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के अनुसार यह काम तय शुभ समय (दोपहर 12:09 से 1:45 बजे के बीच) में शुरू किया गया। इसमें केवल अधिकृत लोगों को ही प्रवेश दिया गया। इस प्रक्रिया से मंदिर की हर दिन की पूजा-पाठ पर कोई असर नहीं पड़ेगा। श्रद्धालुओं को बाहर के बैरिकेड (बाहर कथा) से दर्शन की अनुमति है, जबकि अंदर वाले हिस्से (भीतर कथा) में इस दौरान प्रवेश बंद रखा गया है।

ईरान के साथ शांति वार्ता पर असमंजस

यूएन में बोले इजरायली राजदूत: कोई बातचीत नहीं, ऑपरेशन जारी

न्यूयार्क। ईरान और अमेरिका की शांति वार्ता पर असमंजस की स्थिति बरकरार है। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, जबकि ईरान की सेना ने इससे इन्कार किया है। अब इजरायल ने कहा है कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत की कोई जानकारी नहीं है और उनका ऑपरेशन जारी है।

अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता को लेकर असमंजस जारी है। अब संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत डैनी डैनन ने भी ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता में किसी भी भागीदारी से इन्कार किया है। संयुक्त राष्ट्र में मीडिया से बातचीत करते हुए डैनन ने कहा कि मुझे किसी भी बातचीत में हमारी भागीदारी की जानकारी नहीं है। हम अपना ऑपरेशन जारी

■ इजरायल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं: डैनी डैनन

रखे हुए हैं। उन्होंने साफ किया कि इजरायल और अमेरिका मिलकर ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डैनन ने कहा कि किसी भी सैन्य अभियान के बाद कूटनीति जरूरी होती है, लेकिन इजरायल यह सुनिश्चित करेगा कि ईरान न तो परमाणु क्षमता हासिल कर सके और न ही बैलिस्टिक मिसा. इल क्षमता विकसित कर पाए। मुझे लगता है कि हमने बहुत कुछ हासिल कर लिया है, लेकिन ईरान इसे मानने को तैयार नहीं है। हमने ईरानी शासन को कमजोर कर दिया है, लेकिन हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हालात न बनने पाएं कि ईरान को फिर से मजबूत होने का मौका मिले। इजरायली राज. दूत ने दावा किया कि इजरायल क्षेत्र में शांति और स्थिरता का पक्षधर है, जबकि ईरान का रुख इसके विपरीत है। डैनन ने आरोप लगाया कि ईरान क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने के लिए जिम्मेदार है। इजरायली राजनयिक ने कहा कि हर देश को अपने आप से पूछना चाहिए कि कौन शांति ला रहा है और कौन अराजकता? इजरायल क्षेत्र में स्थिरता लाने की कोशिश कर रहा है और ईरान इसका उल्टा कर रहा है। ईरान ने एक महीने में 13 देशों पर हमले किए हैं। इजरायल ने अपने 77 साल के इतिहास में कभी भी 13 देशों से लड़ाई नहीं की। इससे समझ सकते हैं कि ईरान अस्थिरता के लिए जिम्मेदार है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संबोधन के दौरान भी डैनन ने ईरान पर हमास जैसे संगठनों को समर्थन देने का आरोप लगाया।

1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआम: तारिक रहमान

ढाका। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।

पीएम शेख हसीना ने यूनुस पर साधा निशाना

बोलीं: बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने किया बलिदानियों के खून का अपमान

ढाका। बांग्लादेश में 25 मार्च को शनरसंहार दिवसश के रूप में मनाया जा रहा है। हालांकि, इस बीच देश की राजनीति में उबाल आ गया है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

हसीना ने कहा है कि जिस देश को लाखों शहीदों के खून से सींचा गया, वहां 1971 के नरसंहार के दोषियों को पुनर्वासित करने की साजिश रची जा रही है। अवामी लीग के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेख हसीना ने एक संदेश जारी किया है। उन्होंने 1971 की उस खौफनाक रात को याद किया। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 की रात बांग्लादेशी लोगों के जीवन की सबसे भयावह रात थी। इसी रात पाकिस्तानी सेना ने 'आपरेशन सर्चलाइट' शुरू किया था। इस आपरेशन का मकसद बंगाली

■ महज 9 महीनों के भीतर 30 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया
■ बर्बरता इतनी चरम पर थी कि बंगाली इतिहास में इसके लिए कोई शब्द तक नहीं था: हसीना

समुदाय का नामोनिशान मिटाना था। हसीना ने कहा कि महज 9 महीनों के भीतर 30 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बर्बरता इतनी चरम पर थी कि बंगाली इतिहास में इसके लिए कोई शब्द तक नहीं था। इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे नरसंहार का नाम दिया गया। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद अपराधियों को सजा दिलाने का काम किया था। हसीना ने कहा कि यूनुस सरकार के कार्यकाल में न केवल ट्रायल को रोक दिया गया है, बल्कि सजायाफ्ता युद्ध अपराधियों को रिहा किया गया। हद तो तब हो गई जब मौत की सजा पाए एक युद्ध अपराधी को संसद का सदस्य तक बना दिया गया। यह उन लाखों शहीदों के बलिदान का अपमान है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में एक चलन शुरू हो गया है। अब शहीदों की यादों को मिटाने और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने की को. शिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी विचारधारा को फिर से बांग्लादेश में थोपा जा रहा है। यह मुक्ति संग्राम की भावना पर सीधा हमला है। हसीना ने देश की जनता से अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग एकजुट हों और उन ताकतों का विरोध करें जो हत्यारों का पुनर्वास कर रही हैं। हसीना के इस बयान ने बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है, खासकर ऐसे समय में जब देश अपनी आजादी के इतिहास को सहेजने और भविष्य की दिशा तय करने के बीच खड़ा है।

30 हजार फीट पर फ्लाइट में हंगामा

जयपुर। हवा में 30 हजार फीट की ऊंचाई पर मौत का खौफ और सिरफिरे उपद्रवियों का तांडव. ..यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि इंडिगो की गुवाहाटी-दिल्ली फ्लाइट में घटी वो हकीकत है जिसने यात्रियों की सांसें अटका दी थीं।

घटना 8 मार्च की है। रात के करीब 8:30 बजे थे। इंडिगो की फ्लाइट ने गुवाहाटी से दिल्ली के लिए उड़ान भरी ही थी। तभी फ्लाइट में सवार तीन युवकों ने अचानक चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया-प्लेन क्रैश होने वाला है। इस अफवाह ने पूरे केबिन में दहशत फैला दी। सफर कर रहे बच्चे-महिलाएं डर के मारे रोने लगीं। जब एयर होस्टेस और क्रू मेंबर्स ने इन उपद्रवियों को समझाने

■ आईपीएस ने किया कंट्रोल, तीन युवक नशे में चिल्लाने लगे-प्लेन क्रैश होने वाला है, रोने लगे थे बच्चे-महिलाएं

की कोशिश की, तो वे उनसे भी उलझ गए। राजस्थान कैडर के आईपीएस पंकज चौधरी भी उसी फ्लाइट में सफर कर रहे थे। हंगामा बढ़ता देख पंकज चौधरी आरोपियों के पास पहुंचे। उन्होंने न केवल उपद्रवी युवकों को कंट्रोल किया, बल्कि फ्लाइट लैंड होते ही सीआईएसएफ बुलाकर उनके हवाले किया। पंकज चौधरी ने ने कहा कि यह कुछ विशेष घटना है। मैं पिछले 15-20 साल से हवाई यात्रा कर रहा हूं। फ्लाइट में ऐसी घटना मैंने कभी नहीं देखी।